राष्ट्रीय संस्करण

सेंट स्टीफंस कालेज में 145 साल में पहली महिला प्राचार्य बनीं सुसान एलियास >> 2

दैनिक जागरण

वर्ष 9 अंक 334

मूल्य ₹8.00 नई दिल्ली, बुधवार, 13 मई, 2026

www.jagran.com

पृष्ठ 12

नीट-यूजी रद, 22 लाख से अधिक छात्रों को फिर देनी होगी परीक्षा

पेपर लीक की पुष्टि, सीबीआइ जांच शुरू, देशभर से 17 लोग हिरासत में

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- आयोजन के नौ दिन बाद ही पहली बार रद करनी पड़ी पूरी परीक्षा
- **10** दिनों में घोषित होगी नई तिथि, परीक्षा केंद्र नहीं बदलेंगे, दोबारा आवेदन भी नहीं
- एनटीए वापस करेगी छात्रों की फीस, परीक्षा पर होने वाला खर्च भी एनटीए उठाएगा

मेडिकल के स्नातक कोर्सों में दाखिले से जुड़ी परीक्षा नीट-यूजी (नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट-अंडर ग्रेजुएट) के बड़ी संख्या में प्रश्नों के लीक होने की पुष्टि के बाद केंद्र सरकार ने आयोजन के नौ दिन बाद मंगलवार को पूरी परीक्षा रद करके दोबारा कराने का फैसला किया। पहली बार ऐसा हुआ है जब एनटीए ने पूरी परीक्षा रद की है। परीक्षा से जुड़ी गड़बड़ियों एवं प्रश्नों के लीक होने के मामले की जांच सीबीआइ को सौंप दी गई है और उसने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू भी कर दी है। इस मामले में जयपुर से पेपरलीक का मास्टर माइंड माने जा रहे मनीष यादव समेत 17 लोगों को हिरासत में लिया गया है। नीट-यूजी में शामिल हुए 22.79 लाख छात्रों को अब दोबारा परीक्षा देनी होगी। परीक्षा की नई तिथियों का एलान अगले 10 दिनों के भीतर कर दिया जाएगा। साथ ही दोबारा जारी किए जाने वाले एडमिट कार्ड का शेड्यूल भी जल्द जारी होगा। नीट-यूजी का आयोजन तीन मई को देश-विदेश के कुल 565 शहरों में करीब साढ़े पांच हजार परीक्षा केंद्रों पर हुआ था।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने नीट-यूजी रद किए जाने का निर्णय साझा करते हुए बताया कि छात्रों को दोबारा परीक्षा देने के लिए नए सिरे से रजिस्ट्रेशन नहीं करना होगा। इसके लिए उनसे फीस भी नहीं ली जाएगी। बल्कि छात्रों से जो फीस ली गई है, उसे भी वह वापस करेगा। दोबारा परीक्षा का पूरा खर्च एनटीए खुद उठाएगी। परीक्षा केंद्र भी नहीं बदले जाएंगे। एनटीए महानिदेशक अभिषेक सिंह ने बताया कि छात्रों के हितों के मद्देनजर और परीक्षा की विश्वसनीयता बरकरार रखने के लिए यह फैसला लिया गया है। इस लीक में शामिल सभी लोगों को पकड़कर जेल भेजा जाएगा। दोबारा परीक्षा निष्पक्ष तरीके से आयोजित की जाएगी और ऐसी घटनाएं दोबारा नहीं होंगी। उन्होंने कहा, 'इस परीक्षा के आयोजन में शामिल दो लाख से अधिक लोगों के लिए यह बहुत दुखद है। जो कुछ हुआ है, हम उसकी जिम्मेदारी लेते हैं; यह गलत था।' इससे पहले भी एनटीए ने रविवार को नीट-यूजी से जुड़ी गड़बड़ियां सामने आने पर तुरंत इसकी जांच केंद्रीय एजेंसियों को सौंपने की जानकारी साझा की थी।

राजस्थान से 15 एवं महाराष्ट्र से दो हिरासत में पेज>>5

नई दिल्ली में मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के महानिदेशक अभिषेक सिंह। आइएएनएस >>

140 से अधिक प्रश्नों के हूबहू मिलने की पुष्टि होते ही लिया फैसला

नीट-यूजी का पेपर लीक होने की अफवाहें वैसे तो परीक्षा के तुरंत बाद फैलने लगी थीं, लेकिन शुरू में न तो एनटीए ने और न ही केंद्रीय एजेंसियों ने इस पर ध्यान दिया। दरअसल, इस बार नए तरह का गठजोड़ सामने आ रहा है। इस गड़बड़ी को पकड़ने में सफलता तब मिली, जब राजस्थान पुलिस के स्पेशल आरपेशन ग्रुप (एसओजी) को छात्रों के पास से एक सेंपल या गेस पेपर मिला। इसके 410 प्रश्नों में से 140 से अधिक प्रश्न परीक्षा के मूल प्रश्नों से हूबहू मिल रहे थे। इसकी जानकारी जैसे ही एसओजी ने साझा की, तो एनटीए के भीतर हड़कंप मच गया। आठ मई को केंद्रीय एजेंसियों से भी यह इनपुट साझा किया गया। बाद में जब केंद्रीय एजेंसियों ने भी प्रश्नों के लीक होने की पुष्टि की, तो केंद्र सरकार की मंजूरी के बाद एनटीए ने पूरी परीक्षा रद करने का फैसला लिया। सवाल खड़ा हो रहा है कि पेपर छपने के बाद कुछ सवाल गेस पेपर छापने वाली प्रकाशन कंपनी से साझा किया या गेस पेपर से ही सवाल पेपर में शामिल किए गए। इनके बीच का यह गठजोड़ नया है।

परीक्षा से पहले उपलब्ध थी पीडीएफ

एनटीए के महानिदेशक अभिषेक सिंह का इस मामले में कुछ और ही कहना है। एएनआइ के अनुसार, उन्होंने नीट-यूजी रद होने की घटनाओं का क्रम बताते हुए कहा, 'सात मई की रात हमें एक व्हिसलब्लोअर से जानकारी मिली थी कि परीक्षा से पहले उस व्यक्ति को एक वाट्सएप मैसेज मिला था, जिसमें कुछ सवाल परीक्षा में आए सवालों से हूबहू मिल रहे थे। एनटीए ने तब इस बात की पुष्टि करनी शुरू की कि क्या कथित तौर पर लीक हुई पीडीएफ तीन मई को हुई परीक्षा से पहले सर्कुलेट की गई थीं। जांच करने पर पता चला कि कुछ सवाल हमारे प्रश्न पत्र से मेल खा रहे थे। यह भी पता चला कि एक और दो मई को वह पीडीएफ कुछ लोगों के फोन में उपलब्ध थी।" उन्होंने कहा "यह हमारी शून्य सहिष्णुता की नीति के विरुद्ध था। इससे उन छात्रों के भविष्य पर असर पड़ता, जो परीक्षा की कड़ी तैयारी कर रहे हैं। इसलिए उनके हित में हमने यह कदम उठाया।" एनटीए महानिदेशक ने कहा कि तीन मई को हुई परीक्षा के चार कोड वर्जन थे। बाजार में इनमें से कोई भी पेपर नहीं मिला। जो पीडीएफ सर्कुलेट हुई थी, उसमें कई सवाल थे और कुछ सवाल परीक्षा के पेपर के सवालों के समान थे। इसलिए वह यह नहीं कहेंगे कि पूरा पेपर ही लीक हो गया था।

सवालों से बचे शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को नीट-यूजी, 2026 रद किए जाने को लेकर मीडिया के सवालों का जवाब देने से इन्कार कर दिया। पत्रकारों ने इस विवाद पर उनकी प्रतिक्रिया पूछी थी।

सीबीआइ ने गठित की विशेष टीमें

सीबीआइ ने शिक्षा मंत्रालय के तहत उच्च शिक्षा विभाग की शिकायत पर नीट-यूजी से जुड़ी गड़बड़ियों एवं पेपर लीक से जुड़े मामले को दर्ज कर व्यापक जांच शुरू कर दी है और इसके लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है। उन्हें देश के अलग-अलग शहरों के लिए रवाना कर दिया गया है। सीबीआइ का कहना है कि वह नीट-यूजी में गड़बड़ी करने व पेपर लीक में शामिल दोषियों को जल्द से जल्द सामने लाने के लिए प्रतिबद्ध है। एनटीए ने कहा कि वह सीबीआइ को पूरा सहयोग देगी और जांच के लिए आवश्यक सभी सामग्री, रिकार्ड और सहायता उपलब्ध कराएगी।

2024 में हरियाणा में कुछ केंद्रों पर दोबारा कराई थी परीक्षा

एनटीए 2019 से लगातार नीट-यूजी का आयोजन करा रहा है। इस दौरान इस परीक्षा पर कई बार गड़बड़ियों के आरोप लगे, लेकिन एनटीए हर वर्ष इन आरोपों को खारिज कर देता था। वर्ष 2024 में नीट-यूजी में गड़बड़ियों के मामले ने खूब तूल पकड़ा था। इसके बाद एनटीए को हरियाणा के कुछ परीक्षा केंद्रों की परीक्षा रद करके उन पर दोबारा परीक्षा करानी पड़ी थी।

जागरण विशेष

कहानियों में गढ़कर किताबी ज्ञान, पाया वैश्विक सम्मान

नई दिल्ली: गोविंदपुरी में स्लम एरिया स्थित कथा लैब स्कूल को पढ़ाने के विशेष तरीकों के चलते दुनिया के 50 चुने गए स्कूलों में शामिल किया गया है। • पेज-6

संपादकीय

और सशक्त हो परमाणु आवरण: पोखरण परीक्षणों के करीब तीन दशक बाद भारत के लिए आवश्यक हो जाता है कि वह बदले हुए परिदृश्य में नए सिरे से परमाणु परीक्षण पर विचार करे। **दिव्य कुमार सोती** का आलेख।

बंगाल में जंगलराज का खात्मा: ममता बनर्जी का कुशासन एक किस्म का जंगलराज ही था और कुछ मायनों में तो यह बिहार से भी बदतर था। **राजीव सचान** का दृष्टिकोण। • पेज-8

विमर्श

भारत की तकनीकी श्रेष्ठता का परचम : आपरेशन सिंदूर ने आत्मनिर्भर, सुरक्षित, सजग और समृद्ध भारत की ऐसी छवि पेश की है। **अभिषेक कुमार सिंह** का आलेख।

फिर याद आई विपक्ष की एकता: राजनीति में केवल चुनावी गठबंधन काफी नहीं होते, बल्कि साझा सोच और भरोसा भी जरूरी होते हैं। **रोहित कौशिक** का आकलन। • पेज-9

आइपीएल 19 धूम धड़ाका

आज का मैच

रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स

शाम 7.30 बजे स्थान: रायपुर

प्रसारण: स्टार स्पोर्ट्स/जियो हाटस्टार

दैनिक जागरण सप्तरंग

सेहत भरे जीवन का

जरूरी है बीपी पर लगाम

गर्मी में पेट की समस्या

• पेज-11

समाज सुधार के नाम पर धार्मिक स्वतंत्रता का हनन नहीं हो सकता

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि सामाजिक सुधार के नाम पर संविधान में मिले धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन नहीं किया जा सकता। संविधान निर्माताओं ने समाज की जरूरतों को ध्यान में रखकर प्रविधान बनाए थे। संविधान पीठ भी उस मूल संतुलन को नहीं बदल सकती। सुप्रीम कोर्ट की नौ सदस्यीय संविधान पीठ सबरीमाला मंदिर समेत विभिन्न धर्म स्थलों पर महिलाओं के प्रवेश से जुड़े मामलों व विभिन्न धर्मों में धार्मिक स्वतंत्रता के दायरे पर सुनवाई कर रही है। (पेज-5)

लोगों को बांटने वाले सनातन धर्म को समाप्त कर देना चाहिए: उदयनिधि

- इस बयान पर भाजपा का तीखा पलटवार, पार्टी ने उन्हें ''तमिलनाडु का राहुल गांधी'' बताया
- द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन ने सितंबर, 2023 में भी ऐसा ही विवादास्पद बयान दिया था

चेन्नई, प्रेट्र: द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन ने एक बार फिर सनातन धर्म पर विवादित बयान दिया है। तमिलनाडु विधानसभा में मंगलवार को मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की मौजूदगी में नेता प्रतिपक्ष के रूप में अपने पहले संबोधन के दौरान उन्होंने कहा, ''लोगों को बांटने वाले सनातन धर्म को समाप्त कर देना चाहिए''। सनातन धर्म समाज में भेदभाव पैदा करता है, इसलिए इसे खत्म करना जरूरी है। इससे पहले सितंबर, 2023 में भी उदयनिधि सनातन धर्म की तुलना डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों से कर चुके हैं। उन्होंने कहा था कि जैसे इन बीमारियों को खत्म किया जाता है, वैसे ही सनातन धर्म को भी मिटा देना चाहिए। उनके इस बयान पर भाजपा ने बेहद कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

उदयनिधि ने राज्य सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में 'तमिल थाई वज्स्तु' (तमिल गान) को प्राथमिकता न दिए जाने पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि विपक्ष ऐसी किसी भी कोशिश को कतई बर्दाश्त नहीं करेगा जहां तमिल संस्कृति को हाशिए पर धकेला जाए।

बहरहाल, उदयनिधि के विवादास्पद बयान पर भाजपा ने तीखा पलटवार किया है। पार्टी प्रवक्ता सी.आर. केसवन ने उन्हें तमिलनाडु का राहुल गांधी" बताते हुए कहा कि वह नफरत की राजनीति कर रहे हैं। भाजपा ने आरोप लगाया कि द्रमुक हमेशा से हिंदू विरोधी रही है, चाहे वह दीपावली की बधाई न देना हो या कार्तिकेय दीपम का विरोध करना। प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने भी एक वीडियो जारी कर कहा, पिछली बार जब उदयनिधि ने ऐसी टिप्पणी की थी, तब सुप्रीम कोर्ट ने भी इसे 'हेट स्पीच' की श्रेणी में माना था।

ज्ञात हो, मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै पीठ ने पूर्व में उदयनिधि के 'सनातन ओझिप्पू' (सनातन उन्मूलन) वाले बयान को 'हेट स्पीच' करार दिया था। भाजपा ने द्रमुक को "अभ्यस्त अपराधी" बताते हुए कहा, तमिलनाडु के लोग अपनी आस्था का अपमान कभी माफ नहीं करेंगे। यह विवाद ऐसे समय में दोबारा उभरा है जब उदयनिधि ने नेता प्रतिपक्ष के रूप में अपनी नई भूमिका संभाली है, जिससे आगामी दिनों में राज्य की राजनीति में टकराव बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं।

चेन्नई स्थित तमिलनाडु विधानसभा में मंगलवार को बोलते द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन। प्रेट्र

सनातन अनंत-अनादि, कभी खत्म नहीं होगा : दत्तात्रेय होसबाले पेज>>11

घर में नहीं बैंक में रखें सोना, सरकार ब्याज भी देगी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- सोने के आयात को रोकने के लिए सरकार ला सकती है गोल्ड मोनेटाइजेशन स्कीम
- अनुमान के मुताबिक देश के घरों में 30,000 टन से अधिक सोना
- देश में सालाना 700 टन से ज्यादा सोने का किया जाता है आयात

सोने के प्रति लोगों के प्रेम को देखते हुए सरकार एक ऐसी योजना ला सकती है, जिसमें बैंक में सोना रखने पर सरकार ब्याज देगी। सरकार विदेशी मुद्रा भंडार बचाने के लिए गोल्ड मोनेटाइजेशन स्कीम ला सकती है। इसके तहत घरों में रखे सोने को बैंकों में जमा करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। उसके बदले जमाकर्ता को ब्याज मिलेगा। एक तय अवधि के लिए सोने को जमा करना होगा। उस सोने को सरकार ज्वेलरी निर्यातक व घरेलू ज्वेलरी निर्माताओं को देगी। ऐसे में ज्वेलरी निर्यात के लिए सोने का आयात नहीं करना होगा, जिससे विदेशी मुद्रा की बचत होगी। गत वित्त वर्ष 2025-26 में 72 अरब डालर मूल्य के सोने का आयात किया गया।

पीएम मोदी ने सोमवार को लोगों से एक साल तक सोने की खरीदारी नहीं करने की अपील की थी। इस अपील पर सराफा कारोबारियों ने मिली-जुली प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ज्वेलरी निर्माण से लाखों कारीगरों का जीवनयापन जुड़ा है। एक अनुमान के मुताबिक, देश के घरों में 30,000 टन से अधिक सोना विभिन्न रूप में उपलब्ध है। घरों में जमा सोने को बाहर निकलवाने के लिए पिछले साल आरबीआइ ने गोल्ड मोनेटाइजेशन स्कीम का प्रारूप जारी किया था। हालांकि इसे लागू नहीं किया जा सका। सूत्रों का कहना है कि आरबीआइ की इस स्कीम को संशोधन के साथ लागू किया जा सकता है।

कम से कम 10 ग्राम सोना जमा करना होगा: गोल्ड मोनेटाइजेशन स्कीम के लिए बैंक में अलग से खाता खोलना होगा। इस खाते में कम से कम 10 ग्राम सोना जमा करना होगा। किसी भी रूप के सोने को जमा किया जा सकेगा। कम से कम एक साल तो अधिकतम 16 साल तक के लिए सोने को जमा किया जा सकेगा। अधिक अवधि पर सालना सोने के मूल्य का 2.5-3 प्रतिशत तक का ब्याज दिया जा सकता है। अवधि पूरा होने के बाद जमाकर्ता को सोना बार या नकद के रूप में लौटा दिया जाएगा। (पेज-3 भी देखें)

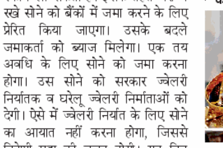

प्रतीकात्मक

नहीं करना पड़ेगा सोने का आयात

जानकारों का कहना है कि 2000 टन सोना भी गोल्ड मोनेटाइजेशन स्कीम के तहत जमा हो जाता है तो तीन साल तक सोने का आयात नहीं करना होगा। भारत में सालाना 700 टन से अधिक सोने का आयात किया जाता है।

सरकार को हो सकता है घाटा

हालांकि जानकारों का कहना है इस प्रकार की स्कीम को लागू करने पर सरकार को घाटे का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि सोने का कीमत लगातार बढ़ती रहती है। ऐसे में तीन साल पहले जमा 10 ग्राम सोने को तीन साल बाद लौटाने पर सरकार को अधिक मूल्य का भुगतान करना होगा।

बंगाल में सड़कों पर नमाज व धार्मिक सभाओं पर रोक

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

बड़े फैसले

- मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने प्रशासन से कानूनों को सब पर समान रूप से लागू करने को कहा
- अपनी सरकार के पहले ही कार्यदिवस पर सोमवार को करीब एक दर्जन निर्देश जारी किए

बंगाल की पहली भाजपा सरकार तेजी से एक के बाद एक फैसले ले रही है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने अपनी सरकार के पहले ही कार्यदिवस पर सोमवार को करीब एक दर्जन निर्देश जारी किए, जिनमें धार्मिक स्थलों के बाहर लाउडस्पीकर की तेज आवाज पर रोक से लेकर विशेष अवसरों पर सड़कों को जाम करके या आम लोगों को तकलीफ पहुंचाकर की जाने वाली नमाज या धार्मिक सभाओं पर पाबंदियां शामिल हैं।

सुवेंदु ने राज्य सचिवालय नवान्न में शीर्ष पुलिस अफसरों के साथ बैठक में ये निर्देश दिए। एक आधिकारिक सूत्र ने बताया कि नए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कानून को सब पर समान रूप से लागू करने को कहा- जिसमें यह सुनिश्चित करना भी शामिल है कि लाउडस्पीकर की आवाज धार्मिक स्थल से बाहर न जाए और सड़कों को जाम करके की जाने वाली नमाज या धार्मिक सभाओं पर रोक लगाई जाए।

भाजपा के नवनिर्वाचित विधायक व बैरकपुर से पूर्व सांसद अर्जुन सिंह ने कहा, राज्य में सड़कों पर अब नमाज पढ़ने की इजाजत नहीं होगी। राज्य सरकार ने इस बाबत निर्देश जारी कर दिए हैं। कहा कि जिन्हें नमाज पढ़ना है वे मस्जिद के भीतर पढ़ें। सर्व भारतीय प्राच्य अकादमी के प्रिंसिपल जयंत कुशारी ने कहा, किसी भी धर्म का कोई भी धर्मग्रंथ लाउडस्पीकर के इस्तेमाल को अनिवार्य नहीं बताता है।

शुभेंदु अधिकारी। फाइल

चुनाव बाद हिंसा के मामलों की नए सिरे से जांच के आदेश पेज>>4

हिमंत बिस्वा सरमा लगातार दूसरी बार बने असम के मुख्यमंत्री

गुवाहाटी: हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार को असम के सीएम के रूप में लगातार दूसरी बार शपथ ली। इसी संग राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली राजग सरकार का तीसरा कार्यकाल शुरू हुआ। सरमा के साथ चार विधायकों (भाजपा के दो, अगप-बीपीएफ के एक-एक) ने भी मंत्री के रूप में शपथ ली। (पेज-4)

चार सप्ताह पहले ही पता चलेगा मानसून का हाल

नई दिल्ली: देश में मौसम पूर्वानुमान की व्यवस्था बड़े तकनीकी बदलाव के दौर में पहुंच गई है। भारत मौसम विभाग ने एआइ आधारित ऐसी प्रणाली शुरू की है, जो चार हफ्ते पहले तक जिलावार मानसून की प्रगति का अनुमान दे सकेगी। साथ ही उप्र में एक किमी क्षेत्र तक वर्षा पूर्वानुमान देने वाली नई सेवा भी प्रारंभ कर दी गई है। (पेज-6)

भाजपा का पलटवार

...जब इंदिरा शासनकाल में सोना रखना बन गया था अपराध!

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने विपक्ष पर पलटवार कर दिलाई पुराने घटनाक्रमों की याद, कभी अपील तो कभी आदेश, नेहरू से मनमोहन सरकार तक समझौता करते रहे हैं देशवासी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट ने वैश्विक व्यवस्था को झकझोर दिया है। चुनौतियों के साये में भारत भी है। खास तौर पर प्रभाव पेट्रो पदार्थों व खाद्य तेल जैसे उत्पादों पर है। इन हालात से निकलने को पीएम नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से सोने की खरीद, पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने, खाद्य तेल के कम उपयोग जैसी अपील की हैं। विपक्ष ने इसे मोदी सरकार की आर्थिक विफलता व विदेशी मुद्रा भंडार का संकट बताते हुए मुद्दा बनाने का प्रयास किया, तो भाजपा की ओर से सांसद निशिकांत दुबे ने पलटवार कर पुराने घटनाक्रमों को याद दिलाया है। कई प्रसंग हैं कि कैसे बाहरी संकट हो या आंतरिक, जवाहरलाल नेहरू से लेकर मनमोहन सिंह सरकार तक के शासनकाल में देशवासी सोना रखने को लेकर समझौता करते रहे हैं। इंदिरा गांधी के काल में तो सोना रखना अपराध सा बन गया था।

निशिकांत दुबे। फाइल

नेहरू ने कराया सोने का दान, तो इंदिरा काल में एक लाख गए जेल: 1962 में भारत-चीन युद्ध के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था दबाव में थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने राष्ट्रव्यापी अभियान चलाकर देशवासियों से अपने सोने के आभूषण राष्ट्रीय युद्ध कोष में दान करने का आग्रह किया था। नेहरू के आह्वान पर पूरे देश की महिलाओं ने अपने आभूषण (मंगलसूत्र और चूड़ियां तक) सरकार को दान कर दी थीं। इतना ही नहीं, 1962 के स्वर्ण नियंत्रण अधिनियम ने सोने के स्वामित्व और व्यापार पर व्यापक प्रतिबंध लगा दिए थे। सरकार ने बैंकों को गोल्ड लोन वापस लेने का आदेश दिया था। साथ ही सोने के व्यापार पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया था। सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि 1966 में गोल्ड कंट्रोल एक्ट लागू होने के कारण एक लाख दस हजार लोग जेल गए थे।

इंदिरा ने सोने की खरीद को बताया था विदेशी मुद्रा की बर्बादी: सितंबर, 1966 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने सदन में स्पष्ट तौर पर कहा था कि देश की सोने की लत तोड़ने के लिए राजकोषीय नीति और जन शिक्षा, दोनों को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा।

उन्होंने साफ-साफ कहा था कि राष्ट्रीय विकास के लिए हर उपलब्ध संसाधन की जरूरत होने के बावजूद सोने की खरीद विदेशी मुद्रा की बर्बादी है। कुछ दिनों बाद उन्होंने राष्ट्र के नाम संदेश में भी यही बात कही थी और सोने को सामाजिक भ्रष्टाचार बढ़ाने वाला बताया था।

चिदंबरम ने चार बार की थी अपील- कम खरीदें सोना, अर्थव्यवस्था का है नुकसान

संप्रग काल में पीएम मनमोहन सिंह के समय वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने देशवासियों से सोने की खरीद बंद करने के लिए एक नहीं, चार अलग-अलग अपीलें की थीं। पहली अपील मार्च, 2013 में केंद्रीय बजट के एक दिन बाद आई थी। चिदंबरम ने आयात को नियंत्रित करने को नागरिकों से सोने की खरीद कम करने की अपील की थी। दूसरी अपील मई, 2013 में आई थी। तब कहा था कि सोने के प्रति देश का जुनून चालू खाते में छेद कर रहा है। तीसरी अपील जून, 2013 में आई थी। चिदंबरम ने बैंकों से आग्रह किया था कि वे अपनी शाखाओं को सलाह दें कि ग्राहकों को सोने में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित न करें। सोने की खरीद में रुपया नहीं, डालर खर्च होता है। जून, 2013 में ही अपनी चौथी अपील में उन्होंने भारतीयों से सोने के आयात के बिना पूरे एक वर्ष की कल्पना करने को कहा था।

पंजाब विजिलेंस ब्यूरो से जुड़े रिश्वत केस में बिचौलिये बाप-बेटा व ड्राइवर गिरफ्तार

रोहित कुमार ● जागरण

- सीबीआइ ने विजिलेंस ब्यूरो का मुख्यालय सील कर की कार्रवाई, डीजीपी का रीडर फरार
- **24** घंटे से ज्यादा समय तक चली कार्रवाई 22 लाख नकद बरामद

चंडीगढ़: पंजाब विजिलेंस ब्यूरो से जुड़े रिश्वत के मामले में सीबीआइ ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनमें बिचौलिये पिता-पुत्र विकास उर्फ विक्की गोयल और राघव गोयल व उनका ड्राइवर अंकित बधवा शामिल हैं। सीबीआइ ने कार्रवाई के दौरान विजिलेंस ब्यूरो का मुख्यालय सील कर दिया था। मामले में शामिल डीजीपी विजिलेंस का रीडर ओपी राणा फरार है। विजिलेंस ब्यूरो के वरिष्ठ अफसरों की भूमिका भी जांच के घेरे में है। 24 घंटे से ज्यादा समय तक चली कार्रवाई में 22 लाख की नकदी बरामद हुई है।

उधर, सीबीआइ की विशेष अदालत ने पिता-पुत्र को तीन दिन के रिमांड पर जबकि ड्राइवर को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। सीबीआइ ने यह कार्रवाई एक्साइज एंड टेक्सेशन अफसर अमित कुमार की शिकायत पर की है। अमित ने बताया कि मलोट निवासी आरोपित पिता-पुत्र उसके खिलाफ डीजीपी (विजिलेंस) कार्यालय में लंबित शिकायत बंद कराने के लिए 20 लाख रुपये की रिश्वत मांग रहे हैं। ये दोनों वरिष्ठ अफसरों के बिचौलिये थे। राणा ने शिकायतकर्ता को आश्वासन दिया था कि रिश्वत की रकम मिलते ही उनका मामला सुलझा दिया जाएगा।

सीबीआइ ने ट्रैप लगाकर फाइव स्टार होटल में मारा छापा पेज>>5

12 मई को लगातार दूसरे दिन मौसम विभाग का पूर्वानुमान गलत साबित हुआ। यलो अलर्ट के बीच तेज हवा के साथ वर्षा होना तो दूर की बात, कहीं बूंदाबांदी तक नहीं हुई। 39 डिग्री तापमान में हीट इंडेक्स 40.4 डिग्री दर्ज किया गया।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
बुधवार, 13 मई, 2026

आज का मौसम

आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवा के साथ वर्षा होने की भी संभावना है।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
13 मई	38.0	27.0
14 मई	39.0	26.0
नोएडा		
13 मई	37.0	26.0
14 मई	36.0	25.0
गुरुग्राम		
13 मई	39.0	27.0
14 मई	39.0	26.0
डिग्री सेल्सियस में		

न्यूज गैलरी

दरियागंज में बनेगा एंटी नारकोटिक्स का पहला थाना

नई दिल्ली: उपराज्यपाल ने क्राइम ब्रांच द्वारा पकड़े गए ड्रग्स तस्करों के खिलाफ केस दर्ज करने के लिए अलग से एंटी नारकोटिक्स थाना बनाने की मंजूरी देने की घोषणा की है। यह थाना दरियागंज में बनाया जाएगा। थाना कब बनना शुरू होगा या कब तक तैयार होगा इसकी कोई समय-सीमा अभी तय नहीं की गई है। अभी केस दर्ज करने के लिए पुष्प विहार स्थित थाने में जाना होता है, लेकिन एंटी नारकोटिक्स का अलग थाना बन जाने पर वहां एफआइआर दर्ज कराई जा सकेगी। (जासं)

बच्ची से दुष्कर्म में जवाब दाखिल करने को दो दिन का समय

नई दिल्ली : जनकपुरी इलाके में स्थित एक स्कूल में तीन साल की बच्ची से दुष्कर्म मामले में शिक्षा निदेशालय ने स्कूल को जवाब दाखिल करने के लिए दो दिन का समय दिया है। स्कूल को पहले सोमवार को जवाब दाखिल करने के लिए कहा गया था। मंगलवार को इस संबंध में दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि पहले सोमवार को स्कूल को जवाब दाखिल करना था। शनिवार और रविवार को छुट्टी थी। ऐसे में स्कूल प्रबंधन को दो दिन का समय दिया गया है। (जासं)

जजों की सुरक्षा के मामले में बैठक की रिपोर्ट करें पेश : कोर्ट

नई दिल्ली: न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा की मांग को लेकर दायर याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को स्थिति रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि सुरक्षा के संबंध में अधिकारियों के बीच बैठक की रिपोर्ट पेश करें। (जासं)

नौवीं बार में जलाई गई 72 करोड़ रुपये कीमत की 1700 किलो ड्रग्स

- दिसंबर 2022 में दिल्ली पुलिस ने शुरू की थी ड्रग्स जलाने की पहल

जीटी करनाल रोड स्थित बायोटिक वेस्ट साल्यूशन में ड्रग्स को जलाते एलजी तरनजीत सिंह संधू और पुलिस आयुक्त सतीश गोलछा • जागरण

9 वार में 13,830 करोड़ की 46,500 किलो ड्रग्स जलाई गई

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत 2027 तक दिल्ली को नशामुक्त राज्य बनाने के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ते हुए दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को नौवीं बार करीब 72 करोड़ रुपये कीमत की 1700 किलो ड्रग्स जलाकर नष्ट किया। दिसंबर 2022 में दिल्ली पुलिस ने ड्रग्स जलाने की पहल शुरू की थी। नौ बार में अब तक 13,830 करोड़ कीमत की 46,500 किलो ड्रग्स जलाई जा चुकी है। उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू और पुलिस आयुक्त सतीश गोलछा के निगरानी में जीटी करनाल रोड स्थित बायोटिक वेस्ट साल्यूशंस में नशीले पदार्थों को नष्ट किया गया।

इस मौके पर उपराज्यपाल ने नशीले पदार्थों के खिलाफ दिल्ली पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान की सराहना की और सभी एजेंसियों से 2027 तक दिल्ली को 'नशामुक्त' बनाने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया।

कहीं पीएम की अपील का असर, तो कहीं काफिला लेकर चले मंत्री

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- दिल्ली के मंत्री आशीद सूद ने की मेट्रो की सवारी तो केंद्रीय मंत्री इंद्रजीत का काफिला बना चर्चा का विषय
- प्रधानमंत्री की अपील के बाद सरकारी विभाग गाड़ियों के उपयोग पर दिशानिर्देश बनाने में जुटे

गुरुग्राम में गुजरता केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह का काफिला। संजय गुलाटी

पूर्वी दिल्ली में सरकारी कार्यक्रम में मेट्रो से जाते मंत्री आशीष सूद। सौजन्य :दिल्ली सरकार

वैश्विक संकट के बीच ईंधन की बचत को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील का जनप्रतिनिधियों पर मिलाजुला असर देखने को मिल रहा है। सरकारी वाहन छोड़ सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने वाले नेताओं व मंत्रियों की जहां लोग इंटरनेट मीडिया पर सराहना कर रहे हैं, वहीं कारों के काफिले के साथ चल रहे नेताओं को आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

मंगलवार को दिल्ली सरकार के मंत्री आशीष सूद ने मेट्रो व ई-रिक्शा की सवारी कर सरकारी बैठकों व कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। वहीं, दूसरी तरफ केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत गुरुग्राम में लंबे काफिले के साथ सड़क से गुजरते दिखाई दिए। लघु सचिवालय के सामने इंद्रजीत के साथ करीब 10 कारें चलती नजर आईं। केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर अपने गृह जिले फरीदाबाद में बिना तामझाम के सरकारी बैठकों और कार्यक्रमों में शामिल हुए। मंगलवार को उनके साथ सिर्फ एस्कार्ट गाड़ी थी।

प्रधानमंत्री की अपील को दिल्ली के गृहमंत्री आशीष सूद ने आइएनए से मेट्रो में सवार होकर कड़कडडूमा तक मेट्रो में सफर किया। इसके बाद ई-रिक्शा से सूरजमल विहार में संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए। वह दिल्ली सचिवालय में बैठक में शामिल होने के लिए मेट्रो से ही आए। हालांकि, आइपी एस्टेट मेट्रो से लेकर दिल्ली सचिवालय तक उन्होंने सरकारी गाड़ी का उपयोग किया। पीएम की अपील को महत्वपूर्ण बताते हुए सूद ने सभी सेपालन करने की अपील की। गाजियाबाद में विकास भवन में आयोजित बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष ममता त्यागी एमएलसी दिनेश गोयल, विधायक नंद किशोर गुर्जर एक-एक कार से पहुंचे। विधायक नंदर किशोर गुर्जर भी एक ही कार से पहुंचे। आमतौर पर जनप्रतिनिधियों के साथ दो से तीन कारें चलती हैं। गुर्जर का कहना है कि वह इलेक्ट्रिक कार खरीदने जा रहे हैं, जबकि आशीष सूद का कहना है कि वह जितना संभव होगा सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करेंगे। वह ईवी का उपयोग शुरू करने जा रहे हैं।

दिशानिर्देश तैयार करने में जुटे एमसीडी, एनडीएमसी

पीएम की अपील के बाद दिल्ली नगर निगम और नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) दिशानिर्देश तैयार करने में जुटे हैं। एमसीडी के अधिकारी ने कहा कि वह अभी फिलहाल एक दो दिन राज्य सरकार से अपेक्षा कर रहे हैं कि वह दिशानिर्देश जारी कर दें ताकि विभागीय तालमेल बना रहे। नहीं दो अगामी दिनों में वह स्वयं दिशानिर्देश जारी कर देंगे। वहीं, एनडीएमसी के अनुसार इसे तैयार करने को लेकर एक उच्चस्तरीय बैठक हो चुकी है और अगली बैठक में इसको मंजूरी देकर लागू करने का काम किया जाएगा।

तीन वर्षों में 75 हजार नई मेडिकल सीटें जोड़ने का लक्ष्य : जेपी नड्डा

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने एम्स के 51वें दीक्षा समारोह को संबोधित किया

कहा-एआइ बदल रहा स्वास्थ्य सेवाएं, पर चिकित्सकों की मानवीय संवेदना का कोई विकल्प नहीं

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

भारत मंडपम में एम्स के 51वें दीक्षा समारोह में मेधावी छात्र को पदक व प्रशस्तिपत्र से सम्मानित करते उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, साथ में मौजूद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा। जागरण

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) स्वास्थ्य सेवाओं में तेजी से बदलाव ला रहा है, लेकिन मरीज के साथ चिकित्सकों की मानवीय संवेदना और 'इमोशनल थेरेपी' (भावनात्मक उपचार) का कभी कोई विकल्प नहीं हो सकता। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने मंगलवार को भारत मंडपम में आयोजित दिल्ली एम्स के 51वें दीक्षा समारोह को संबोधित करते हुए ये बात कही। इस दौरान उन्होंने युवा चिकित्सकों से तकनीक के साथ करुणा और नैतिक मूल्यों को भी आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि लगभग 70 वर्षों से एम्स देश में चिकित्सा नवाचार और उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। उन्होंने नई पीढ़ी के चिकित्सकों का आह्वान किया कि जनविश्वास और मानवीय सेवा की इस परंपरा को उन्हें आगे बढ़ाना होगा।

विशेष अतिथि केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि देश में अब 23 एम्स संस्थान कार्य कर रहे हैं। मेडिकल कालेजों की संख्या 390 से बढ़कर लगभग 825 पहुंच चुकी है और मेडिकल सीटें बढ़कर 1.25 लाख हो गई हैं। अगले दो-तीन वर्षों में 75 हजार नई सीटें जोड़ने का लक्ष्य है। दिल्ली एम्स के प्रभारी निदेशक डा. निखिल टंडन ने कहा कि एम्स एआइ आधारित स्वास्थ्य तकनीकों और वैश्विक अनुसंधान के क्षेत्र में तेजी से नई पहचान बना रहा है।

523 छात्रों को प्रदान की गई डिग्री: एम्स दीक्षा समारोह में 523 छात्रों को डिग्री प्रदान की गई। इनमें एमबीबीएस, एमडी, एमएस, एमडीएस, डीएम, पीएचडी, नर्सिंग व एलाइड हेल्थ साइंस पाठ्यक्रमों के छात्र शामिल हैं। विभिन्न पाठ्यक्रमों के मेधावी छात्रों को कुल 18 स्वर्ण पदक और प्रशंसा प्रमाणपत्र भी प्रदान किए गए। एम्स ने चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान के लिए पांच पूर्व फैकल्टी सदस्यों को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया।

मामा के बेटे ने की युवती की हत्या, कमरे में बेड में छिपाया शव

जागरण संवाददाता, मानेसर (गुरुग्राम): नशीले आइएमटी मानेसर थाना क्षेत्र के बासकुशला गांव में 23 वर्षीय युवती की गला दबाकर हत्या करने के बाद आरोपित ने उसके शव को कमरे में बेड के अंदर छिपा दिया। सोमवार रात करीब 12 बजे पुलिस ने एक घर के कमरे में स्थित बेड से युवती का शव बरामद किया। हत्या का आरोप युवती के मामा के लड़के पर लगा है। वह घटना के बाद से फरार है। आइएमटी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल हत्या के कारण साफ नहीं हैं।

मृतक युवती की पहचान मूल रूप से रायबरेली के हरदोई गांव की रहने वाली सोनी देवी के रूप में की गई। सोनी फरवरी में गुरुग्राम आई थी। वह दो अन्य युवतियों के साथ किराये के एक कमरे में रह रही थी और झज्जर के मेट सिटी में द्रुत ट्रांसमिशन कंपनी में कार्य कर रही थी। पुलिस को दी शिकायत में सोनी के बड़े भाई दिलीप कुमार ने बताया कि सोनी छोटी बहन थी। करीब पांच साल पहले मामा के लड़के देवेश उर्फ रिंकू ने सोनी को नौकरी लगवाने के बहाने कोर्ट मैरिज के कागजों पर साइन करा लिए थे। एक बार पंचायत भी हुई थी, जिसमें देवेश के परिजनों ने समझाने की बात कही। जब सोनी गुरुग्राम में नौकरी के लिए चली गईं तो देवेश भी बास कुशला गांव में उनके पास वाले कमरे में जाकर रहने लगा।

सेंट स्टीफंस कालेज में 145 साल में बनीं पहली महिला प्राचार्य

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

प्रो. सुसान एलियास।

30 वर्षों में शोध, शिक्षण में निभाई जिम्मेदारियां, एक जून को संभालेंगी कार्यभार

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) से संबद्ध सेंट स्टीफंस कालेज के 145 वर्ष के इतिहास में पहली बार महिला प्राचार्य नियुक्त की गई है। कंप्यूटर वैज्ञानिक और शिक्षाविद् चेन्नई की प्रो. सुसान एलियास आगामी एक जून से कालेज की नई प्राचार्य का पदभार संभालेंगी। उनकी नियुक्ति न केवल संस्थान के इतिहास में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, बल्कि लंबे समय से चल रहे प्रशासनिक विवाद का भी अंत माना जा रहा है। कालेज के 13वें प्राचार्य के रूप में जान वर्गीज का कार्यकाल फरवरी 2026 में समाप्त होने के बाद एक मार्च से यह पद औपचारिक रूप से रिक्त था।

प्रो. एलियास ने कंप्यूटर साइंस में इंजीनियरिंग स्नातक करने के बाद अन्ना विश्वविद्यालय से इंजीनियरिंग में परास्नातक व पीएचडी की। इसके बाद भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास में पोस्ट डाक्टरल फेलोशिप की। अपने करीब तीस वर्षों के करियर में उन्होंने शोध, शिक्षण और प्रशासन के क्षेत्र में कई अहम जिम्मेदारियां निभाई हैं। वह चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, लखनऊ कैंपस में प्रो वाइस चांसलर (रिसर्च), हिंदुस्तान इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी एंड साइंस में रिसर्च निदेशक और वेल्लोर इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी में डीन रह चुकी हैं। उनका शोध कार्य मशीन लर्निंग, एक्सप्लेनेबल एआइ, मेडिकल इमेजिंग, रोबोटिक्स और डिजिटल हेल्थ जैसे क्षेत्रों में रहा है। प्रो. एलियास के कई शोध परियोजनाओं को डीआरडीओ, डीएसटी और इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय का समर्थन मिला है। कालेज के चेयरमैन पाल स्वरूप ने कहा कि प्रो. एलियास की तकनीकी पृष्ठभूमि कालेज को नई दिशा देगी। कालेज की बसाइट के अनुसार 1879 में दिल्ली कालेज बंद होने के बाद सेंट स्टीफंस की स्थापना हुई थी।

इस वजह से नहीं चुनी गई महिला प्राचार्य: संस्थान में प्राचार्य चयन की प्रक्रिया सुप्रीम काउंसिल के माध्यम से होती है, जहां ऐतिहासिक रूप से पुरुष उम्मीदवारों का वर्चस्व रहा। साथ ही वरिष्ठ प्रशासनिक पदों पर भी महिलाओं की सीमित मौजूदगी भी एक वजह रही।

ये था विवाद: पूर्व प्राचार्य प्रो. वर्गीज का कार्यकाल समाप्त होने के बाद नए प्राचार्य पर विवाद हो गया था। कार्यकाल पूरा होने के बाद भी पद पर बने रहने, कार्यवाहक प्राचार्य की नियुक्ति व सुप्रीम काउंसिल और कालेज प्रशासन में मतभेद के कारण प्रक्रिया लंबी चली।

नर्सिंग इंटर्न का स्टाइपेंड बढ़कर 13,150 हुआ

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस पर मुख्यमंत्री ने एलएन अस्पताल पहुंच नर्सिंग संवर्ग के लिए की घोषणा
- 27 वर्षों बाद की गई स्टाइपेंड में बढ़ोतरी, नर्सों को पुष्प देकर सम्मानित किया, भावुक हुई नर्से

अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस पर लोकनायक अस्पताल में औचक निरीक्षण करने पहुंची मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता नर्सों के साथ सेल्फी लेती हुईं। सौजन्य :दिल्ली सरकार

दिल्ली सरकार ने नर्सिंग इंटर्न्स का स्टाइपेंड 500 रुपये से बढ़कर 13,150 कर दिया है। नर्सिंग संवर्ग को अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस के मौके पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एलएन अस्पताल पहुंच यह उपहार दिया। उन्होंने अस्पताल का औचक निरीक्षण कर नर्सिंग स्टाफ का हौसला भी बढ़ाया। मुख्यमंत्री बिना किसी पूर्व सूचना के अस्पताल पहुंचीं और विभिन्न वार्डों में जाकर नर्सों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने नर्सिंग स्टाफ को पुष्प भेंट कर सम्मानित किया और उनके सेवा कार्यों की सराहना की। मुख्यमंत्री के आत्मीय व्यवहार से कई नर्सें भावुक हो गईं। कई नर्सों ने उनके साथ सेल्फी ली और इसे अपने करियर का यादगार क्षण बताया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि नर्सिंग केवल नौकरी नहीं, बल्कि सेवा, संवेदनशीलता और मानवता की मिसाल है। उन्होंने कहा कि डाक्टर उपचार करते हैं, लेकिन नर्सें अपनी देखभाल और ममता से मरीजों को मानसिक शक्ति देती हैं। कठिन परिस्थितियों में भी नर्सों का धैर्य और समर्पण प्रेरणादायक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार ने 27 वर्षों बाद नर्सिंग इंटर्न्स के स्टाइपेंड में बढ़ोतरी की गई है। पहले नर्सिंग इंटर्न्स को केवल 500 रुपये स्टाइपेंड मिलता था, जिसे बढ़ाकर अब 13,150 रुपये कर दिया गया है। इस फैसले से 180 नर्सिंग इंटर्न्स को सीधा लाभ मिलेगा।

सरकारी गवाह बनने की अर्जी जैकलीन ने ली वापस

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ रुपये के मनी लांड्रिंग मामले में सरकारी गवाह बनने की अर्जी अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज ने वापस ले ली। जैकलीन के अधिवक्ता ने इस बात की पुष्टि की कि पटियाला हाउस के विशेष न्यायाधीश प्रशांत शर्मा के सामने दायर अपनी अर्जी अभिनेत्री ने वापस ले ली है।

जैकलीन ने यह कदम ईडी द्वारा उनकी अर्जी का विरोध करने के एक दिन बाद उठाया। ईडी ने अर्जी का विरोध करते हुए कहा था कि आरोपित सुकेश के आपराधिक इतिहास के बारे में पता होने के बावजूद नियमित रूप से उसके संपर्क में बनी रहीं थीं। सुकेश द्वारा अपराध से हासिल कमाई में अभिनेत्री बड़ी लाभार्थी रहीं हैं और उन्होंने महंगे तोहफे व सामान स्वीकार किए थे। ईडी ने यह भी कहा था कि इससे जैकलीन द्वारा किए गए अपराध की गंभीरता को कम होगी।

नोएडा एयरपोर्ट से यात्रा हुई सस्ती, दो एयरलाइन ने कम किया किराया

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा

- इंडिगो और अकासा दोनों के किराये में आई कमी
- किराया कम होने का यात्रियों को मिलेगा फायदा

इंडिगो और अकासा। फाइल

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से हवाई यात्रा करने की योजना बनाने वालों के लिए खुशखबरी है। अकासा और इंडिगो एयरलाइंस ने नोएडा एयरपोर्ट से विभिन्न शहरों के लिए अपने किराये में कटौती की है।

किराया कम होने से टिकट बुकिंग में भी तेजी आने की उम्मीद है। हालांकि इंडिगो के बेंगलुरु के किराये में बढ़ोतरी हुई है। आकासा ने सबसे कम बेंगलुरु के किराये में 2032 रुपये और नवी मुंबई के किराये में 1508 रुपये कमी की है। वहीं इंडिगो ने लखनऊ के किराये में 1587 रुपये की कमी की है।

नोएडा एयरपोर्ट से 15 जून से यात्री सेवा शुरू होगी। इंडिगो पहले दिन यानि 15 जून से चार शहरों के लिए विमान सेवा शुरू करेगी।

वहीं अकासा एयरलाइन ने 16 जून से नोएडा एयरपोर्ट से अपनी सेवाएं शुरू करने की घोषणा के साथ सोमवार से ही टिकट की बुकिंग शुरू की थी, लेकिन दोनों एयरलाइन का किराया दिल्ली की तुलना में अधिक होने के कारण सवाल उठने लगे थे कि आखिर नोएडा एयरपोर्ट से महंगा टिकट लेकर कौन यात्रा करना चाहेगा। मंगलवार को इंडिगो और अकासा दोनों एयरलाइंस ने किराये में पहले की तुलना में कटौती की है। इससे यात्रियों को फायदा होगा।

दोनों एयरलाइन का किराया

इंडिगो

शहर	पहले कराया	नया किराया
लखनऊ	4981	3394
बेंगलुरु	8979	9687
हैदराबाद	6198	6129
अमृतसर	3499	3499

अकासा एयर

शहर	पहले किराया	नया किराया
बेंगलुरु	8532	6500
नवी मुंबई	6506	4998

गाजियाबाद में एटीएम कैश वैन लूटकांड के दो फरार बदमाश मुठभेड़ में ढेर

जागरण संवाददाता, गाजियाबाद

- फायरिंग के बाद पुलिस ने की जवाबी कार्रवाई, तीन पुलिसकर्मी भी घायल
- लूट के 9.10 लाख रुपये, पिस्टल, तमंचे और सीसीटीवी डीवीआर बरामद

एनएच-नौ पर छह मई को एटीएम कैश वैन से 27 लाख रुपये लूटने के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। मंगलवार रात वेव सिटी थाना क्षेत्र में हुई मुठभेड़ में एक-एक लाख रुपये के इनामी बदमाश जुबैर अहमद व समीर खान ढेर हो गए। दोनों बदमाश प्रताप विहार सेक्टर 12 के रहने वाले थे व कैश वैन लूटकांड में फरार थे। मौके से दो अन्य बदमाश फरार हो गए।

पुलिस आयुक्त जे रविंदर गौड ने बताया कि छह मई को क्रासिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र में एचपी पेट्रोल पंप के पास बदमाशों ने फायरिंग कर कैश वैन से रुपये लूट लिए थे। मामले में क्रासिंग रिपब्लिक थाने में केस दर्ज था। जांच में लूटी रकम 27 लाख रुपये सामने आई थी। इससे पहले 11 मई को पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार कर आठ लाख छह हजार रुपये, बलेनो कार, तमंचा व कुल्हाड़ी बरामद की थी। मंगलवार रात स्वाट टीम व वेव सिटी पुलिस को सूचना मिली कि लूटकांड में शामिल अन्य बदमाश सिल्वर रंग की स्विफ्ट कार में घूम रहे हैं। पुलिस ने डासना रोड पर घेराबंदी की। पुलिस के रोकने पर बदमाशों ने कार रोकने के बजाय फायरिंग शुरू कर दी। पीछा करने पर कार एक पेड़ से टकरा गई। इसके बाद बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। इसमें स्वाट प्रभारी अनिल राजपूत व वेव सिटी थाना प्रभारी मानवेंद्र सिंह की बुलेटप्रूफ जैकेट पर गोली लगी, जबकि तीन अन्य पुलिसकर्मी घायल हुए। इनमें एक मुख्य आरक्षी संदीप भी हैं। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में जुबैर व समीर घायल हो गए।

यमुना बाढ़ क्षेत्र में धार्मिक व व्यावसायिक गतिविधि पर हाई कोर्ट ने लगाई रोक

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- पार्किंग स्थल व रखरखाव से जुड़ी निविदा को बहाल करने की मांग वाली याचिका की खारिज
- कहा, बाढ़ क्षेत्र में किसी भी प्रकार की धार्मिक-व्यवसायिक गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाना सुनिश्चित करे डीडीए

ददिल्ली हाई कोर्ट। फाइल

दिल्ली हाई कोर्ट ने यमुना नदी के बाढ़ क्षेत्र में किसी भी प्रकार की धार्मिक या व्यावसायिक गतिविधि पर रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के हित और क्षेत्र की पारिस्थितिक संवेदनशीलता को देखते हुए बाढ़ क्षेत्र में किसी भी प्रकार की व्यावसायिक/धार्मिक गतिविधियों पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया जाएगा। कोर्ट ने दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) को यमुना सुर घाट पर (बाढ़ क्षेत्र) धार्मिक-व्यावसायिक गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाना सुनिश्चित करने का आदेश दिया।

अदालत ने निर्देश दिया कि डीडीए यह सुनिश्चित करे कि उक्त भूमि पर पार्किंग या किसी भी प्रकार की गतिविधि की अनुमति न दी जाए, फिर चाहे पार्किंग किसी शुभ अवसर पर नदी के बाढ़ क्षेत्र में धार्मिक कार्य करने आने वाले लोगों की सुविधा के लिए ही क्यों न हो। अदालत ने उक्त आदेश दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) द्वारा यमुना सुर घाट पर स्थित पार्किंग स्थल के रखरखाव के लिए 2022 में जारी की गई निविदा को बहाल करने की मांग वाली सुरेश कुमार की याचिका पर पारित किया। डीडीए और एमसीडी के बीच हुए एक समझौता ज्ञापन के तहत यह टेंडर जारी किया गया था। रखरखाव कार्य के लिए सुरेश कुमार ने सबसे ऊंची बोली लगाई थी।

याचिकाकर्ता ने कहा कि पार्किंग स्थलों का भौतिक कब्जा उन्हें सौंप दिया गया था और निविदा के तहत काम शुरू हो चुका था। हालांकि, बाद में 2025 में एमसीडी और डीडीए द्वारा यह आवंटन रद कर दिया गया।

डीडीए ने अदालत को सूचित किया कि उक्त जमीन यमुना के बाढ़ वाले इलाकों में आती है और इसका इस्तेमाल व्यावसायिक उद्देश्य के लिए नहीं किया जा सकता। डीडीए के रुख को देखते हुए अदालत ने बाढ़ क्षेत्र में पार्किंग स्थल को बहाल करने की मांग को ठुकराते हुए याचिका खारिज कर दी।

नोएडा श्रमिक हिंसा के दौरान तीन सेकेंड में जलाए वाहन, प्रशिक्षित थे उपद्रवी

मुनीश शर्मा • जागरण

नोएडा : वेतन वृद्धि को लेकर 13 अप्रैल को हुई श्रमिक हिंसा की महीनेभर से चल रही एसआइटी की जांच में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई हैं। सूत्रों का कहना है कि उपद्रवियों के प्रशिक्षित होने और साजिश के तहत हिंसा भड़काने की पुष्टि हुई है। हिंसा के दौरान करीब तीन से पांच सेकेंड में वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया था।

उपद्रवियों को पता था कि बाइक का पाइप खोलकर कैसे आग लगाई जा सकती है। उपलब्ध ज्वलनशील पदार्थ को कहां पर डालना है, जिससे एकाएक वाहनों में आग भड़क उठे। जबकि किसी भी वाहन में आग लगाने में औसत दो से पांच मिनट का समय लगता है। नोएडा फेज दो व सेक्टर-63 आदि जगहों पर हिंसा के दौरान के वीडियो और प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ में इसकी तस्दीक हुई है। वहीं, उपद्रवियों ने फैक्ट्रियों तक पहुंच नहीं पाने पर आटोमोबाइल व होजरी फैक्ट्रियों को भी निशाना बनाया था। इसके पीछे उत्पादन चेन को प्रभावित करने की साजिश थी। एसआइटी की ओर से हिंसा भड़काने के लिए फंडिंग की जांच की जा रही है।

उत्पादन सप्लाई चेन प्रभावित करना चाहते थे

नोएडा में दोपहिया वाहनों से लेकर हेलिकाप्टर के कलपुर्जों तक का निर्माण किया जाता है। यहां की कानून व्यवस्था से लेकर आधारभूत सुविधाओं के बल पर नोएडा गुणवत्ता और उत्पादन के मामले में नए कीर्तिमान गढ़ रहा है। साथ ही, ड्रोन से लेकर मोबाइल, आटोमोबाइल और होजरी इकाइयों के स्थापित होने से चीन व पाकिस्तान को भी खटक रहा है। श्रमिकों के बीच घुसे उपद्रवी यहां की उत्पादन सप्लाई चेन प्रभावित करना चाहते थे।

60 दिनों का कच्चे तेल, 60 दिनों का एलएनजी और 45 दिन का एलपीजी स्टाक देश में फिलहाल उपलब्ध है। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने यह जानकारी देते हुए बताया है कि वैकल्पिक स्रोतों से आयात बढ़ा कर सप्लाई चेन को सुचारू बनाए रखा गया है।

पेट्रो उत्पादों की किल्लत नहीं, पर कंपनियों का घाटा चिंताजनक : पुरी

पेट्रोलियम मंत्री बोले ▶ तेल कंपनियां रोजाना उठा रहीं एक हजार करोड़ रुपये का नुकसान, यही स्थिति रही तो बढ़ सकता है संकट

- प्रति लीटर पेट्रोल पर 14, डीजल पर 42 और एलपीजी पर 674 रुपये प्रति सिलिंडर का घाटा
- पिछले दो महीने में ओएमसी को पेट्रो उत्पादों की बिक्री पर 1.98 लाख करोड़ रुपये की अंडर रिकवरी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: पेट्रो उत्पादों की खपत में संयम बरतने को लेकर पीएम मोदी की अपील के बाद देश में पेट्रो उत्पादों की उपलब्धता पर शुरू हुई चर्चा के बीच पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने देशवासियों को आश्वस्त किया है कि देश में पेट्रोल, डीजल या गैस की कोई किल्लत नहीं है, लेकिन तेल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) का बढ़ता घाटा चिंता का विषय है। यह घाटा इसलिए हो रहा है कि इंडियन आयल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम, भारत पेट्रोलियम जैसी कंपनियां काफी ज्यादा कीमत पर कच्चा तेल खरीद रही हैं और इसकी पूरी कीमत आम ग्राहकों से नहीं वसूल रहीं। ओएमसी को पिछले दो महीने में पेट्रो उत्पादों की बिक्री पर 1.98 लाख करोड़ रुपये की अंडर रिकवरी (तेल बनाने की कीमत और बिक्री का अंतर) हुई है।

सीआइआइ के सालाना सम्मेलन के एक सत्र को संबोधित करते हुए पुरी ने कहा, 'हमारी तेल कंपनियां रोजाना एक हजार करोड़ रुपये का नुकसान उठा रही हैं। अगर यही स्थिति जारी रही तो एक तिमाही में एक लाख करोड़ रुपये का घाटा हो सकता है, जो पूरे साल की कमाई को मिटा सकता है।' यहां स्पष्ट कर दें कि घाटा और अंडर रिकवरी में अंतर होता है। अंडर रिकवरी लागत व बिक्री मूल्य का कुल अंतर है, जबकि कंपनियों को सरकार से सब्सिडी वगैरह भी मिलती है, उसके समायोजन के बाद घाटा की राशि निकाली जाती है। पेट्रोलियम मंत्री ने बताया कि प्रति लीटर पेट्रोल पर 14 रुपये, डीजल पर 42 रुपये और एलपीजी पर प्रति सिलिंडर 674 रुपये का नुकसान हो रहा है।

चार वर्षों से पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं: पुरी ने इस बात को दोहराया कि पिछले चार साल से पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। वर्तमान में पेट्रोल 94.77 रुपये और डीजल 87.67 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। एलपीजी की कीमतें मार्च में थोड़ी बढ़ाई गईं, लेकिन वे अब भी लागत से काफी कम हैं। उन्होंने कहा कि देश में कहीं भी सूखा (पेट्रो उत्पादों की अनुपलब्धता) नहीं है।

इस बारे में अफवाहों को सिरे से खारिज करते हुए कहा, 'देश में कहीं भी पेट्रोल पंप पर पेट्रोल या डीजल की कमी नहीं आई है। एलपीजी की सप्लाई पर्याप्त से ज्यादा है।'

पीएम की अपील का मतलब लाकडाउन या राशनिंग नहीं: पेट्रोलियम मंत्री ने बताया कि देश के पास 60 दिनों का कच्चे तेल, 60 दिनों का एलएनजी और 45 दिन का एलपीजी स्टाक उपलब्ध है। एलपीजी उत्पादन को 35000-36000 टन प्रतिदिन से बढ़ाकर 54000 टन प्रतिदिन कर दिया गया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमने चुनौतियों को अवसर में बदल दिया है।

पेट्रो उपभोग में कटौती करने की पीएम मोदी की अपील को पुरी ने 'विजनरी' बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसका मतलब कोई लाकडाउन या राशनिंग नहीं है। अभी कोई चिंता करने की जरूरत नहीं है। लेकिन अगर संकट लंबा चला तो कुछ गतिविधियों को कम करने और एलपीजी से एलएनजी की ओर शिफ्ट करने पर विचार करना होगा। पुरी ने उद्योग जगत से अपील की कि वे जहां संभव हो एलपीजी की जगह पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) का उपयोग बढ़ाएं।

नई दिल्ली में मंगलवार को सीआइआइ के वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी। एएनआइ

दर्जनों देश ऊर्जा खपत की कटौती की कोशिश में

40 से अधिक देशों ने उठाए हैं अलग-अलग तरह के कदम

प्रतीकात्मक

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: पीएम नरेन्द्र मोदी की पेट्रोलियम उत्पादों की खपत कम करने, यात्रा संयम और ऊर्जा संरक्षण की अपील पर देश में चर्चा तेज है। कुछ लोग इसे जरूरी कदम बता रहे हैं तो कुछ इसकी आलोचना कर रहे हैं । हालांकि वैश्विक संदर्भ में देखें तो मोदी का यह आह्वान न तो अनोखा है और न ही अत्यधिक। पश्चिम एशिया संघर्ष के बाद उपजे तेल संकट के दौरान दुनिया के कई देश अपने नागरिकों से खपत घटाने, यात्रा कम करने और ऊर्जा बचाने की अपील कर रहे हैं। कई देशों ने तो अपील से आगे बढ़कर सख्त कदम उठाए हैं।

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आइईए) के आंकड़ों के अनुसार, करीब 40 देशों (यूरोपीय आयोग सहित) ने आपात ऊर्जा संरक्षण उपाय लागू किए हैं। इनमें 18 देशों ने ईंधन राशनिंग, वाहनों के लिए आड-ईवन, गति सीमा, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा और निजी वाहनों पर पाबंदी जैसे उपाय किए। दक्षिण कोरिया में आड-ईवन नियम, श्रीलंका में क्यूआर कोड राशनिंग, पाकिस्तान में स्पीड लिमिट और म्यांमार में अल्टरनेट डे सिस्टम लागू है।

13 देशों में सरकारी कर्मचारियों के लिए घर से काम करने (डब्लूएफएच) अनिवार्य या प्रोत्साहित किया गया। पाकिस्तान में चार दिवसीय कार्य सप्ताह और 50 प्रतिशत रिमोट वर्क, इंडोनेशिया में फ्राइडे को डब्लूएफएच, श्रीलंका में बुधवार को आफिस बंद करने जैसे कदम उठाए गए हैं। जार्डन, पाकिस्तान, मलेशिया, इंडोनेशिया और मिस्र जैसे देशों ने विदेश यात्रा और आधिकारिक यात्राओं पर अस्थायी प्रतिबंध लगाए हैं।

कई देशों में एसी तापमान 24-26 डिग्री तक सीमित, बाजार समय सीमित, पब्लिक कैंपेन और एलपीजी सिलिंडर आधा भरने जैसे कदम उठाए गए हैं। मेडागास्कर ने 15 दिनों का ऊर्जा आपातकाल घोषित किया है। भारत में अभी तक केवल अपील और स्वैच्छिक संयम पर जोर है। कोई राशनिंग, लाकडाउन या अनिवार्य पाबंदी नहीं लगाई गई है।

गुजरात के राज्यपाल देवव्रत करेंगे साधारण बस और ट्रेन से सफर

राज्य ब्यूरो, अहमदाबाद: विदेशी मुद्रा की बचत के लिए पेट्रोल-डीजल बचाने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील के बाद गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने साधारण बस व ट्रेन से सफर का फैसला किया है।

राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा कि प्रधानमंत्री आर्थिक स्वतंत्रता व आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए देशवासियों से ईंधन की बचत की अपील की है। गुजरात लोकभवन के उपयोग में आ रहे वाहनों को घटाने के साथ राज्यपाल ने हालात सामान्य होने तक साधारण बस अथवा ट्रेन से सफर करने का फैसला किया है। हवाई यात्रा से दूर रहेंगे साथ ही उनको जेड प्लस सुरक्षा के तहत मिले वाहनों के काफिले में वाहनों की संख्या भी घटाने की बात कही है। राज्यपाल ने राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति को पत्र भेजकर ईंधन की बचत के लिए सप्ताह में एक दिन जागरूकता कार्यक्रम करने तथा विद्यार्थियों को इलेक्ट्रिक वाहन के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए हैं। राज्यपाल ने इस एलान से पहले लोकभवन के प्रधान सचिव अशोक शर्मा, गृह विभाग के निदेशक एके जोशी, ओएसडी शुभम कुमार व अन्य अधिकारी-कर्मचारी के साथ बैठक की।

आयात के लिए 11 महीने का विदेशी मुद्रा भंडार, आइएमएफ के हिसाब से मजबूत स्थिति : गोयल

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि देश के पास 11 महीने का आयात करने के लिए विदेशी मुद्रा का भंडार उपलब्ध है। जबकि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) का मानना है कि अगर किसी देश के पास 8-12 महीने के आयात के लिए विदेशी मुद्रा का भंडार है तो यह मजबूत स्थिति है। गत वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने 770 अरब डालर का आयात किया। इस हिसाब से प्रति माह औसतन 64 अरब डालर का आयात किया जाता है। आरबीआइ के मुताबिक मई के पहले सप्ताह में भारत के पास विदेशी मुद्रा का भंडार 690 अरब डालर का था।

औद्योगिक संगठन सीआइआइ के कार्यक्रम में मंगलवार को गोयल ने कहा कि तमाम वैश्विक चुनौतियों के बावजूद गत वित्त वर्ष में भारत ने वस्तु व सेवा को मिलाकर 863 अरब डालर का निर्यात किया। मौजूदा स्थिति चुनौती भरी है और इस दौरान व्यापार सामान्य तरीके से नहीं हो सकता है। इस चुनौती भरे समय में जागरूकता फैलाने के लिए ही सोमवार को पीएम मोदी ने पेट्रोल व डीजल की खपत कम करने, सोने की खरीदारी को एक साल के लिए टालने और विदेशी दौरे नहीं करने की सलाह दी थी। गोयल ने कहा कि उन्हें इस बात का दुख है कि प्रधानमंत्री के इस संदेश को इंटरनेट मीडिया पर गलत तरीके से प्रचारित किया जा रहा है। विदेशी दौरे नहीं करने का मतलब यह नहीं है कि निवेश या व्यापारिक विदेशी दौरे को रद किया जाए। गोयल ने उद्यमियों से कहा कि वे निवेश लाने के लिए निश्चित रूप से विदेशी दौरा जारी रखें। जिन देशों के साथ भारत ने व्यापार समझौता किया है, खासकर उन सभी देशों में इस साल व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भेजे जाएंगे।

आयात पर निर्भरता कम करने की जरूरत: गोयल ने कहा कि इस बार हमें मैन्यूफैक्चरिंग में खुद को साबित करने का अवसर है। भारत लगातार विकसित देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते कर रहा है और अब इन देशों में निर्यात को बढ़ाना उद्यमियों का काम है और अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए आयात पर निर्भरता कम करें।

सीआइआइ के वार्षिक सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल। एएनआइ

कई आइटी कंपनियां पहले से हाइब्रिड मोड में

आइटी सेक्टर के औद्योगिक संगठन नैसकाम ने कहा है कि बड़ी संख्या में आइटी कंपनियां पहले से हाईब्रिड मोड में चल रही हैं। मतलब उन कंपनियों के कर्मचारी घर और आफिस दोनों जगहों से काम कर सकते हैं। या फिर उन्हें महीने में कुछ दिन आफिस आना अनिवार्य होता है।

मप्र में 250 गाड़ियों के साथ पदभार ग्रहण करने पहुंचे भाजपा नेता

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से पेट्रोल-डीजल का उपयोग कम करने की अपील की है लेकिन भाजपा नेता ही इस पर अमल करने को तैयार नहीं हैं। हाल ही में विभिन्न निगम-मंडलों में नियुक्त नेताओं ने भोपाल में आकर पदभार ग्रहण करने के औपचारिक कार्यक्रम में वाहनों की लाइन लगा दी। मध्य प्रदेश पाठ्यपुस्तक निगम के नवनियुक्त अध्यक्ष सौभाग्य सिंह उज्जैन से भोपाल करीब 250 गाड़ियों के साथ पहुंचे।

सोमवार शाम चार बजे सौभाग्य सिंह का काफिला भोपाल में घुसा तो देखने वाले हैरान रह गए। कुछ जगहों पर जाम भी लग गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, इस काफिले में कारों की संख्या 200-250 के आसपास थी। पुलिस 60-70 गाड़ियों के काफिले की बात ही स्वीकार कर रही है।

बता दें, उज्जैन निवासी सौभाग्य सिंह ठाकुर शासकीय स्कूल में शिक्षक थे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े हैं, विद्या भारती में सक्रिय रहे। वे विद्या भारती के प्रदेश अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

पीएम की अध्यक्षता में हो सर्वदलीय बैठक : पवार

राज्य ब्यूरो, मुंबई

- शरद पवार ने कहा, जनता के बीच विश्वास निर्माण करना होनी चाहिए प्राथमिकता

शरद पवार। फाइल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा एक दिन पहले पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने एवं सोने की खरीद एक वर्ष तक टालने की सलाह पर राकांपा (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की है।

शरद पवार ने 'एक्स' पर एक पोस्ट लिखकर कहा है कि पश्चिम एशिया में व्याप्त अस्थिरता और युद्ध जैसी स्थिति के मद्देनजर, प्रधानमंत्री ने दो दिन पहले कुछ घोषणाएं कीं। इनका देश की अर्थव्यवस्था पर व्यापक प्रभाव पड़ने की संभावना है। इन घोषणाओं ने आम नागरिक, उद्योग जगत और निवेशकों के बीच चिंता का माहौल पैदा कर दिया है। यह निश्चित रूप से चिंता का विषय है। इसलिए इस मुद्दे की गंभीरता को देखते हुए, प्रधानमंत्री को अपनी अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर सभी दलों के नेताओं को विश्वास में लेकर निर्णय प्रक्रिया को कार्यान्वित किया जाए।

शरद पवार ने कहा है कि केंद्र सरकार को अधिक संवेदनशीलता और व्यापक परामर्श को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। इसके साथ ही, प्रधानमंत्री को देश के प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों, उद्योग प्रतिनिधियों और संबंधित विशेषज्ञों की तत्काल बैठक बुलाकर स्थिति की गहन समीक्षा करनी चाहिए। हमारा दृढ़ विश्वास है कि इस समय देश की जनता के बीच विश्वास और स्थिरता का निर्माण करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। वहीं, शरद पवार की पार्टी के विधायक जीतेंद्र आह्वाड ने आज ठाणे में घोड़े की सवारी कर प्रधानमंत्री की सलाह के प्रति विरोध प्रदर्शित किया।

मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने केंद्र पर बोला तीखा हमला : दूसरी ओर मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने प्रधानमंत्री पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि दो दिन पहले प्रधानमंत्री ने देश के लोगों से मितव्ययिता अपनाने की अपील की है। ये ठीक है। लेकिन प्रधानमंत्री और वरिष्ठ नेता आज भी पूरे देश में विशाल काफिलों, रोड शो, हेलीकाप्टरों, फूलों की बारिश और बेहद खर्चीले राजनीतिक अभियानों के साथ यात्रा कर रहे हैं। क्या प्रधानमंत्री यह स्वीकार करेंगे कि ऐसी राजनीतिक फिजूलखर्ची हमारी गलती थी और हम सब, मैं खुद भी, इसे दोहराएंगे नहीं। राज ठाकरे ने सवाल किया है कि आम आदमी ही हमेशा त्याग क्यों करे। क्या मितव्ययिता सिर्फ नागरिकों के लिए है, राजनीतिक वर्ग के लिए नहीं ?

मंत्रियों को चार्टर्ड विमानों का उपयोग करने से पहले लेनी होगी मंजूरी

महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार को निर्देश जारी किया है कि मंत्रियों या सरकारी अधिकारियों को चार्टर्ड या सरकारी विमान का उपयोग करने से पहले मुख्यमंत्री कार्यालय से लिखित मंजूरी लेनी होगी। यह निर्णय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सरकारी खर्चों में कटौती एवं ईंधन की बचत की हालिया अपील के बाद लिया गया है। अब केवल बेहद जरूरी एवं आधिकारिक कार्यों के लिए ही हवाई यात्रा की अनुमति दी जाएगी।

पीएम मोदी से भी मिलेगा ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों का दल

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- विदेश मंत्री जयशंकर की अध्यक्षता में नई दिल्ली में 14-15 मई को होगी ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक
- चीन के विदेश मंत्री वांग यी नहीं लेंगे हिस्सा, उनकी ओर से भारत में चीन के राजदूत शी करेंगे शिरकत

भारत अपनी अध्यक्षता में 14-15 मई को नई दिल्ली में ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की महत्वपूर्ण बैठक की मेजबानी करने जा रहा है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर इस बैठक की अध्यक्षता करेंगे। बैठक में ब्रिक्स सदस्य देशों और पार्टनर देशों के विदेश मंत्री तथा प्रतिनिधि भाग लेंगे। बैठक में ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची समेत ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, रूस, इंडोनेशिया जैसे कई सदस्य देशों के विदेश मंत्री हिस्सा लेंगे। चीन के विदेश मंत्री वांग यी इस बैठक में हिस्सा नहीं लेंगे लेकिन ब्रिक्स के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों (एनएसए) की बैठक में हिस्सा लेने के लिए अगले महीने भारत आएंगे। गुरुवार से होने वाली ब्रिक्स बैठक में भारत में चीन के राजदूत शी फेइहोंग उनकी ओर से हिस्सा लेंगे। विदेश मंत्रालय की तरफ से बताया गया है कि 14 मई को ब्रिक्स विदेश मंत्रियों का दल पीएम नरेन्द्र मोदी से भी मुलाकात करेगा।

बैठक के पहले दिन ब्रिक्स सदस्य देशों के विदेश मंत्री वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर विचार-विमर्श करेंगे। दूसरे दिन ब्रिक्स के गठन के 20 वर्षों की उपलब्धियों और आगे की राह की थीम पर एक विशेष सत्र होगा। यह बैठक पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच हो रही है, इसलिए इसमें क्षेत्रीय सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा और बहुपक्षीय सुधारों पर खास चर्चा होने की संभावना है। ईरान और संयुक्त अरब अमीरात के प्रतिनिधियों की मौजूदगी भी इसे और दिलचस्प बनाएगी, क्योंकि दोनों देशों के बीच हालिया तनाव के बाद यह पहला आमने-सामने का अवसर हो सकता है। ईरान मांग कर रहा है कि इजरायल व अमेरिका के हमले के खिलाफ ब्रिक्स देश एक निंदा प्रस्ताव पास करें।

उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री और मंत्रियों के काफिलों से हटेंगी 50 प्रतिशत गाड़ियां

राज्य ब्यूरो, जागरण • लखनऊ

- अफसरों की बैठक में पीएनजी, मेट्रो, पब्लिक ट्रांसपोर्ट आदि के उपयोग पर भी दिया विशेष जोर
- वर्क फ्राम होम को प्राथमिकता देने की अपील, सरकारी बैठकें और कान्फ्रेंस वर्चुअली करने को कहा

वैश्विक परिस्थितियों और बढ़ती आर्थिक चुनौतियों के बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में बचत और स्वदेशी को बढ़ावा देने और संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग को लेकर बड़ा संदेश दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान से जुड़ते हुए उन्होंने प्रदेशवासियों से ईंधन की खपत कम करने, अनावश्यक सोने की खरीदारी से बचने और स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता देने की अपील की। उन्होंने मुख्यमंत्री, मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों की फ्लीट में तत्काल 50 प्रतिशत तक कमी करने का निर्देश देते हुए कहा कि काफिलों में अनावश्यक वाहनों को हटाया जाए।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को मुख्य सचिव एसपी गोयल, डीजीपी राजीव कृष्ण और सभी विभागों के अपर मुख्य सचिवों व प्रमुख सचिवों के साथ हुई उच्चस्तरीय बैठक में कई अहम निर्देश दिए। उन्होंने सरकारी बैठकों, सेमिनारों और वर्कशाप को अधिक से अधिक वर्चुअल माध्यम से आयोजित करने पर जोर दिया। कहा कि सप्ताह में एक दिन 'नो व्हीकल डे' मनाया जाए। मंत्री, सांसद, विधायक व अन्य जनप्रतिनिधि सप्ताह में कम से कम एक दिन सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें। मुख्यमंत्री ने मेट्रो, पीएनजी, इलेक्ट्रिक वाहनों, कार पूलिंग और परिवहन निगम की बसों के अधिक उपयोग पर भी बल दिया। उन्होंने औद्योगिक संस्थानों और बड़े स्टार्टअप में भी वर्क फ्राम होम संस्कृति को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। वहां सप्ताह में दो दिन वर्क फ्राम होम लागू करने के लिए एडवाइजरी जारी करने को कहा गया। शिक्षा विभाग को भी बैठकों और कार्यशालाओं को आनलाइन माध्यम से संचालित करने के निर्देश दिए गए।

योगी आदित्यनाथ। फाइल

सेल ने सभी बैठकें वर्चुअल करने का लिया निर्णय

जासं, बोकारो : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से देशवासियों से की गई खर्च कम करने की अपील को देखते हुए स्टील अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने अपनी सभी बैठकों को वर्चुअल तौर पर आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस कड़ी में 15 मई को नई दिल्ली में होने वाली सेल के बोर्ड आफ डायरेक्टर की मीटिंग भी आनलाइन होने की संभावना है। इस दिन सेल का वार्षिक वित्तीय परिणाम भी जारी होगा, जिसमें कंपनी के सभी कार्यवाहक व स्वतंत्र निदेशक बैठक में शामिल होंगे। वाहनों के प्रयोग में भी कंपनी कटौती करेगी।

शिक्षा उस भाषा में दें जिसे बच्चा अच्छी तरह समझता हो : सुप्रीम कोर्ट

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- कहा, राजस्थान स्कूली शिक्षा में राजस्थानी भाषा को दे मान्यता
- अनुच्छेद 19(1)(ए) में निहित है मातृभाषा में शिक्षा का अधिकार

सुप्रीम कोर्ट ने मातृभाषा में पढ़ाई के अधिकार और महत्व पर अहम फैसला दिया है। कहा कि मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार, संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) में निहित है, क्योंकि बोलने और अभिव्यक्ति की आजादी की गारंटी में अनिवार्य रूप से सार्थक और बोधगम्य रूप से जानकारी प्राप्त करने का अधिकार शामिल है।

ये अहम आदेश जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने राजस्थान हाई कोर्ट का आदेश रद कर याचिका स्वीकार कर लिया है। याचिका पर बहस करते हुए वरिष्ठ वकील मनीष सिंघवी ने मातृभाषा में स्कूली शिक्षा के महत्व पर जोर डालते हुए कहा था कि राजस्थान में करोड़ों लोग राजस्थानी बोलते हैं। करोड़ों लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषा को शामिल नहीं करना राज्य की सांस्कृतिक विरासत और मातृभाषा में शिक्षा के अधिकार का उल्लंघन है। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान को आदेश दिया कि वह राजस्थानी भाषा को स्थानीय या क्षेत्रीय भाषा के रूप में उचित दर्जा दिलाने की दिशा में काम करे और धीरे-धीरे इसे स्कूलों में शिक्षा के माध्यम के रूप में लागू करें। राज्य राजस्थानी भाषा को शैक्षिक उद्देश्यों के लिए एक स्थानीय/क्षेत्रीय भाषा के रूप में मान्यता देने और उसे उचित दर्जा प्रदान करने लिए आवश्यक उपाय करेगा।

कोर्ट ने राज्य सरकार की इस दलील को नकार दिया कि स्कूलों में केवल वही भाषा पढ़ाई जा सकती है जो संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल हो। कोर्ट ने कहा कि पूरे राज्य में कुछ विश्वविद्यालयों में राजस्थानी भाषा पढ़ाई जा रही है, इसलिए इस भाषा की संस्थागत या शैक्षणिक स्वीकृति को लेकर कोई सवाल ही नहीं है। कोर्ट ने कहा कि ये आदेश देना इसलिए जरूरी हो गया क्योंकि वर्तमान में संवैधानिक महत्व के इस क्षेत्र में एक स्पष्ट शून्यता है।

चीन को संदेश

चीनी सरकारी मीडिया ने पहली बार राजफाश किया–'आपरेशन सिंदूर' के दौरान बीजिंग ने पाक को तकनीकी सहायता दी थी, विदेश मंत्रालय ने कहा–हमने रिपोर्ट देखी हैं और यह उन्हीं तथ्यों की पुष्टि करती हैं जिनके बारे में हमें पहले से ही पता था

पाकिस्तान के साथ वाले देश अपनी छवि के बारे में सोचें : भारत

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

भारत ने चीन को साफ संदेश दिया है कि आतंकी बुनियाद को बचाने में पाकिस्तान का साथ देने वाले देशों को अपनी छवि और विश्वसनीयता पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। यह बयान ऐसे समय आया है जब चीनी सरकारी मीडिया ने पहली बार राजफाश किया है कि पिछले साल मई में भारत के 'आपरेशन सिंदूर' के दौरान बीजिंग ने पाकिस्तान को तकनीकी सहायता दी थी। चाइना सेंट्रल टेलीविजन (सीसीटीवी) ने एविएशन इंडस्ट्री कार्पोरेशन आफ चाइना (एवीआइसी) के चेंगदू एयरक्राफ्ट डिजाइन एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के इंजीनियर झांग हेंग का इंटरव्यू प्रसारित किया है, जिसमें इस बात की पुष्टि की गई है। पाकिस्तान की वायुसेना चीन निर्मित जे-10सीई जेट विमानों का उपयोग करती है जो एवीआइसी की सहायक कंपनी द्वारा निर्मित होते हैं। भारत लंबे समय से यह कहता आया है कि आपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को केवल पाकिस्तान ही नहीं, बल्कि चीन और तुर्किये जैसी शक्तियों का भी समर्थन मिला था।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को यहां संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा - 'हमने इन रिपोर्टों को देखा है और यह उन्हीं तथ्यों की पुष्टि करती हैं जिनके बारे में हमें पहले से ही पता था। आपरेशन सिंदूर पहलगाम में हुए आतंकी हमले का एक सटीक, लक्षित और नपा-तुला जवाब था। इसका उद्देश्य उस आतंकी ढांचे को नष्ट करना था, जो न केवल पाकिस्तान सरकार द्वारा प्रायोजित है, बल्कि पाकिस्तान से और उसके इशारे पर चलता है। अब यह स्वयं को जिम्मेदार मानने वाले उन राष्ट्रों पर निर्भर है कि वे इस बात पर आत्मचिंतन करें कि क्या आतंकी ढांचे को बचाने के प्रयासों का समर्थन करना उनकी प्रतिष्ठा और वैश्विक साख पर असर डालता है कि नहीं।

नई दिल्ली में मंगलवार को विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल एक प्रेस कांन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए। एएनआइ

भारत की नजर अब केवल पाकिस्तान पर ही नहीं, बल्कि उसके समर्थकों पर भी

22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 आम नागरिक मारे गए थे। इसके जवाब में सात मई 2025 को भारतीय सशस्त्र बलों ने 'आपरेशन सिंदूर' शुरू किया। इसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए गए, जिनमें 100 से ज्यादा आतंकवादी मारे गए। चार दिन बाद अमेरिकी मध्यस्थता से संघर्ष थमा। अब चीन के राजफाश ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि पाकिस्तान को बाहरी मदद मिल रही थी। जायसवाल के बयान से स्पष्ट है कि भारत अब केवल पाकिस्तान पर ही नहीं, बल्कि उसके समर्थकों पर भी नजर रखे हुए है।

कह कर रहेंगे

माधव जोशी

309 वोटों से जीत हासिल की है भाजपा के पीयूष कनोडिया ने 2026 के बंगाल विस चुनाव में रानीगंज से। उन्होंने तृणमूल के अब्दुल हुसैन को पराजित किया है। यह इस चुनाव में हार-जीत का सबसे कम अंतर है।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
बुधवार, 13 मई, 2026

अन्नाद्रमुक विधायक दल में फूट, 30 ने की टीवीके को समर्थन की घोषणा

पार्टी अध्यक्ष पलानीस्वामी पर लगाया द्रमुक से गठबंधन की कोशिश का आरोप

विधानसभा चुनाव में पार्टी ने जीती हैं केवल 47 सीटें

चेन्नई, प्रेट्र : तमिलनाडु में विपक्षी दल अन्नाद्रमुक में फूट पड़ गई है और पार्टी के 30 विधायकों ने पार्टी अध्यक्ष एडप्पदी के. पलानीस्वामी के विरुद्ध विद्रोह कर दिया है। बागी विधायकों ने पलानीस्वामी पर कट्टर प्रतिद्वंद्वी पार्टी द्रमुक के साथ गठबंधन करने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। साथ ही विधानसभा में बुधवार को होने वाले बहुमत परीक्षण से पहले मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कणगम (टीवीके) सरकार को समर्थन देने की घोषणा कर दी है।

वरिष्ठ नेता एसपी वेलुमणि और सी. वे षणमुगम के नेतृत्व में बागी विधायकों ने 23 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनावों में पार्टी की करारी हार के बाद पलानीस्वामी के नेतृत्व पर सवाल उठाए हैं। इन चुनावों में पार्टी 164 सीटों पर लड़ी थी जिसमें से उसने केवल 47 सीटें जीती हैं। पत्रकारों से वार्ता में षणमुगम ने कहा कि वह मुख्यमंत्री विजय से मिलकर उनकी सरकार के समर्थन में एक पत्र सौंपेंगे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पलानीस्वामी द्रमुक के समर्थन से सरकार बनाना चाहते थे। जबकि अन्नाद्रमुक का गठन द्रमुक का विरोध करने और उसे जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए किया गया था। पार्टी के सभी सदस्यों ने एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली पार्टी के समर्थन से सरकार बनाने के पलानीस्वामी के प्रस्ताव का विरोध किया क्योंकि यह अन्नाद्रमुक के मूलभूत सिद्धांतों के विपरीत है। पार्टी को अब नए सिरे से शुरुआत की जरूरत है और जयललिता का शासन वापस आना चाहिए, इसलिए टीवीके का समर्थन करना चाहिए।

मंगलवार को चेन्नई में मुख्यमंत्री सी विजय जोसेफ ने अन्नाद्रमुक नेताओं से मुलाकात की। प्रेट्र

अन्नाद्रमुक व द्रमुक ने खारिज किए आरोप : अन्नाद्रमुक के नेतृत्व ने षणमुगम के आरोपों को "अफवाह" बताकर खारिज कर दिया और बागी नेताओं पर अपने-अपने जिलों में जीत हासिल करने में विफल रहने के बाद "झूठ का पुलिंदा" खोलने का आरोप लगाया। पार्टी ने एक्स पर पोस्ट में आरोप लगाया कि वेलुमणि, षणमुगम और सी. विजयभास्कर खुद टीवीके सरकार में मंत्री पद पाने की कोशिश कर रहे हैं। गठबंधन के फैसले मुट्ठीभर विधायक नहीं ले सकते और पार्टी कार्यकर्ता पलानीस्वामी के साथ मजबूती से खड़े हैं। द्रमुक ने भी चुनाव बाद दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन की वार्ता के षणमुगम के दावों को खारिज कर दिया और अपनी ही पार्टी में "फूट" डालने की कोशिश करने का आरोप लगाया। द्रमुक के संगठन सचिव आरएस भारती ने दावा किया कि अन्नाद्रमुक नेता ने टीवीके सरकार का समर्थन करने का फैसला कर लिया है और इसीलिए उन्होंने यह बेबुनियाद आरोप लगाया है।

पार्टी ने कहा, कार्यकर्ता पलानीस्वामी के साथ: इस बीच अन्नाद्रमुक के वरिष्ठ नेताओं ने पलानीस्वामी से पार्टी की आम परिषद की बैठक बुलाने का आग्रह किया है, ताकि चुनावी हार के कारणों पर विस्तार से चर्चा की जा सके और पार्टी को मजबूत बनाया जा सके।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा टीवीके विधायक को मतदान से रोकने का मामला

- आर.श्रीनिवास सेतुपति की हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील, आज सुनवाई
- हाई कोर्ट ने एक वोट से जीतने वाले विधायक को फ्लोर टेस्ट में वोट देने से रोका

नई दिल्ली, प्रेट्र : तमिलनाडु के तिरुपत्तुर विधानसभा क्षेत्र से केवल एक वोट से जीत हासिल करने वाले टीवीके विधायक आर.श्रीनिवास सेतुपति को मद्रास हाई कोर्ट ने मंगलवार को 17वीं विधानसभा में मतदान करने से रोक दिया। बुधवार को टीवीके नेता सी.जोसेफ विजय सरकार के विधानसभा में होनेवाले फ्लोर टेस्ट में शामिल होने के लिए अब पूर्व मंत्री व विधायक सेतुपति ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। सर्वोच्च अदालत ने इस मामले पर बुधवार को ही सुनवाई करने पर सहमति जताई है।

सी.जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली टीवीके सरकार बुधवार को अपने फ्लोर टेस्ट का सामना करेगी, जो मुख्यमंत्री और उनके मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण के तीन दिन बाद होगा।

टीवीके विधायक आर.श्रीनिवास सेतुपति की याचिका को सुप्रीम कोर्ट में तत्काल सुनवाई के लिए प्रस्तुत किया गया। पीठ ने मामले को बुधवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई। सेतुपति ने शिवगंगाई जिले के नंबर 185 तिरुपट्टूर विधानसभा क्षेत्र में द्रमुक के नेता और पूर्व मंत्री केआर पेरीयाकरुप्पन के खिलाफ एक वोट के अंतर से जीत हासिल की थी।

सेतुपति ने चुनाव में 83,365 वोट प्राप्त किए, पेरियाकरुप्पन को 83,364 वोट मिले। पेरीयाकरुप्पन ने बाद में मद्रास हाई कोर्ट का रुख करते हुए मतगणना प्रक्रिया में अनियमितताओं का आरोप लगाया, जिसमें एक ऐसे डाक मतपत्र का अस्वीकृत होना शामिल था, जो गलती से दूसरे निर्वाचन क्षेत्र में भेजा गया था। पेरीयाकरुप्पन ने आरोप लगाया कि नंबर 185 तिरुपट्टूर निर्वाचन क्षेत्र के लिए एक डाक मतपत्र गलती से नंबर 50 तिरुपट्टूर विधानसभा क्षेत्र में भेजा गया था।

सुप्रीम कोर्ट।

आर.श्रीनिवास सेतुपति

मंगलवार को ही चेन्नई स्थित मद्रास हाई कोर्ट के जस्टिस एल.विक्टोरिया गोवरी और एन. सेंथिलकुमार की एक अवकाश पीठ ने इस अंतरिम निषेधाज्ञा को द्रमुक उम्मीदवार के.आर.पेरियाकरुप्पन की याचिका पर जारी किया, जो 23 अप्रैल को हुए चुनाव में टीवीके विधायक से हार गए थे।

टीवीके की जीत की भविष्यवाणी करने वाले को सीएम ने बनाया ओएसडी

चेन्नई, आइएएनएस : तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने किसी सरकारी अधिकारी के बजाय अपने करीबी सहयोगी, ज्योतिषी राधन पंडित को ओएसडी (आफिसर आन स्पेशल ड्यूटी) बनाया है। सरकार ने मंगलवार को इस संबंध में आदेश जारी किया। बताया जाता है कि राधन ने करीब एक साल पहले ही भविष्यवाणी कर दी थी कि जोसेफ विजय सत्ता में आएंगे और मुख्यमंत्री बनेंगे। सरकार का समर्थन कर रही कांग्रेस के ही सांसद ने इस फैसले पर सवाल उठा दिया है।

राधन पंडित वेट्रिवेल

प्रेट्र के अनुसार कांग्रेस सांसद शशिकांत सेंथिल ने 'एक्स' हैंडल पर उस पत्र की प्रति पोस्ट की, जिसमें राधन को मुख्यमंत्री के ओएसडी के रूप में नियुक्त किया गया है। उन्होंने पोस्ट किया, मुझे समझ नहीं आ रहा। क्या कोई समझा सकता है कि ज्योतिषी को ओएसडी पद की क्या ज़रूरत है?

मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी पत्र के अनुसार, रिक्की राधन पंडित वेट्ट्रीवेल को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से मुख्यमंत्री का ओएसडी के पद पर नियुक्त किया जाता है। इस संबंध में नियम और शर्तें अलग से जारी की जाएंगी। आदेश के अनुसार, राधन मुख्यमंत्री विजय के राजनीतिक सहायक के रूप में कार्य करेंगे।

असम को 'हिंसा के केंद्र' से शिक्षा, स्वास्थ्य-विकास का केंद्र बनाया : शाह

- गृह मंत्री बोले- भाजपा-राजग सरकारें विश्वास की सरकारें, लोग इन्हें बार-बार चुनते हैं
- राजनाथ ने कहा- राजग सरकार विकास, समावेशी विकास और समृद्धि की नई ऊंचाइयों को छुएगी

गुवाहाटी, प्रेट्र: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि राजग सरकार के 10 वर्षों ने असम को "हिंसा के केंद्र" से शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास के केंद्र में बदल दिया है। उन्होंने हिमंत बिस्वा सरमा के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेते हुए कहा कि लोग भाजपा नेतृत्व वाली सरकार को बार-बार चुनते हैं क्योंकि उनके कार्यों का रिकार्ड शानदार है। राजग सरकार ही राज्य का विकास कर सकती है।

शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा- "पिछले 10 वर्षों में असम को हिंसा के केंद्र से शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास के केंद्र में बदल दिया गया है।" पूर्वोत्तर राज्य ने कई दशकों तक उग्रवादी गतिविधियों का सामना किया है। राजग सरकार ने विकास और सुरक्षा की एक मजबूत नींव रखी है, जिस पर अब प्रगति की एक भव्य इमारत बनाई जाएगी। उन्होंने कहा- "तीसरी बार भाजपा नेतृत्व वाले राजग को चुनकर असम के लोगों ने यह पुष्टि की है कि भाजपा-राजग सरकारें विश्वास की सरकारें हैं। मैं असम के लोगों को ऐतिहासिक जनादेश के लिए नमन करता हूं।" गृह मंत्री ने कहा कि सरकार असम के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। समारोह में मौजूद रहे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आशा व्यक्त की कि असम में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में नई एनडीए सरकार विकास, समावेशी विकास और समृद्धि की नई ऊंचाइयों को छुएगी। सरमा ने कहा कि मोदी के कुशल नेतृत्व में राजग सरकार एक बेहतर और उज्ज्वल असम के निर्माण की दिशा में काम करती रहेगी। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि असम में 'डबल-इंजन' सरकार विकास कार्यों, निवेश और जन कल्याण कार्यक्रमों को गति देगी।

हिमंत लगातार दूसरी बार बने असम के सीएम

- भाजपा के रामेश्वर और नियोग, अगप के अतुल बोरा और बीपीएफ के चारण बोरो ने ली मंत्री पद की शपथ
- पीएम मोदी, शाह, राजनाथ समेत कई केंद्रीय मंत्री, राजग शासित राज्यों के सीएम-डिप्टी सीएम रहे मौजूद

गुवाहाटी, प्रेट्र : हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार को असम के मुख्यमंत्री के रूप में लगातार दूसरी बार शपथ ली। इसी के साथ इस पूर्वोत्तर राज्य में भाजपा नेतृत्व वाली राजग सरकार का तीसरा कार्यकाल शुरू हुआ। सरमा के साथ चार विधायकों भाजपा के रामेश्वर तेली और अजंता नियोग, सहयोगी दल असम गण परिषद (अगप) के अतुल बोरा और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के बीपीएफ के चारण बोरो ने भी मंत्री के रूप में शपथ ली। निओग, बोरा और बोरो इससे पिछली सरकार में भी मंत्री थे, जबकि पूर्व केंद्रीय मंत्री रामेश्वर हाल ही में राज्य की राजनीति में लौटे हैं।

राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने गुवाहाटी में आयोजित एक भव्य समारोह में सरमा और चार विधायकों को पद की शपथ दिलाई। इस शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, सर्बानंद सोनोवाल, पबित्रा मार्गेरिटा, भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन उपस्थित रहे।

धोती-कुर्ता पहने और पारंपरिक 'गमोसा' अपने गले में लपेटे हुए सरमा ने असमिया भाषा में शपथ ली। चार में से तीन विधायकों रामेश्वर, बोरा और नियोग ने भी असमिया में शपथ ली, जबकि बीपीएफ मंत्री ने बोडो भाषा में शपथ ली। सरमा ने शपथ ग्रहण समारोह के बाद मोदी, शाह, नवीन और असम के लोगों का धन्यवाद किया।

शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी और हिमंत बिस्वा शरमा। एएफपी

'राज्य में तीसरी बार राजग सरकार पद ग्रहण कर रही है। डा. हिमंत बिस्वा सरमा को दूसरी बार सीएम पद की शपथ लेने पर बधाई। सरमा ने एक शानदार प्रशासक के तौर पर अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने राज्य के लिए अग्रणीय कार्य किए हैं। उन्हें आगामी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं। **– नरेन्द्र मोदी, पीएम**

मां कामाख्या, महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव और असम की जनता के आशीर्वाद से मैंने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। हम मंत्री परिषद के साथ मिलकर अपने लोगों की सेवा करने और उनकी सभी आकांक्षाओं को पूरा करने को प्रतिबद्ध हैं। असम आने वाले दिनों में विकास के नए आयाम छुएगा। **–हिमंत बिस्वा सरमा, सीएम**

तमिलनाडु में मंदिरों, स्कूलों के करीब 717 शराब की दुकानों बंद होंगी

चेन्नई, प्रेट्र: तमिलनाडु में महिलाओं और कुछ राजनीतिक दलों द्वारा पूर्ण शराबबंदी लागू करने की मांग के बीच मुख्यमंत्री सी जोसफ विजय ने मंगलवार को राज्यभर में सरकारी स्वामित्व वाली 717 शराब दुकानों को बंद करने का आदेश दिया। ये सभी दुकानें मंदिरों, शिक्षण संस्थानों और बस स्टैंडों के 500 मीटर के दायरे में आती हैं। मुख्यमंत्री ने इन दुकानों को अगले दो हफ्तों के भीतर बंद करने का निर्देश दिया है।

जनता के कल्याण को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री विजय ने शराब की दुकानों को बंद करने का आदेश जारी किया है। विपक्षी दल द्रमुक ने इस कदम को महज प्रचार कहकर इसका मजाक उड़ाया है। राज्य सरकार के अनुसार, तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन वर्तमान में पूरे तमिलनाडु में शराब की 4,765 दुकानें चलाता है। मुख्यमंत्री के निर्देश मिलने के बाद अधिकारियों ने पूरे राज्य में एक विशेष सर्वे किया। इस जांच का मकसद उन दुकानों की पहचान करना था जो पूजा स्थलों, स्कूलों, कालेजों और बस अड्डों के बहुत करीब चल रही थीं। सर्वे के दौरान अधिकारियों ने पाया कि 276 शराब की दुकानें पूजा स्थलों के पास स्थित हैं।

मुख्यमंत्री विजय

राज्य के प्रमुख विपक्षी दल द्रमुक ने सरकार के इस कदम को महज प्रचार बताया

मुख्यमंत्री विजय ने आइयूएमएल प्रमुख से मुलाकात की

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने मंगलवार को चेन्नई में अपने सहयोगी दल इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आइयूएमएल) के नेताओं से मुलाकात की। यह मुलाकात तब हुई जब आइयूएमएल ने राज्य में सरकार बनाने के लिए टीवीके को बिना शर्त समर्थन दिया। विजय ने आइयूएमएल प्रमुख केएम कादर मोहिदीन से मुलाकात की और उनसे बधाई प्राप्त की।

कोलकाता के जादवपुर विवि में पहली बार आरएसएस की गतिविधियां शुरू

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता : बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद अब कोलकाता स्थित जादवपुर विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की गतिविधियां शुरू हो गई हैं। मंगलवार सुबह विश्वविद्यालय परिसर में आरएसएस की प्रभात शाखा ने शारीरिक अभ्यास और योग कार्यक्रम आयोजित किया। यह पहली बार है जब परिसर में संघ से ऐसा कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के मैदान में प्रभात शाखा के सदस्य योगासन और विभिन्न शारीरिक अभ्यास करते दिखाई दिए। बताया गया कि कार्यक्रम में शामिल सभी लोग विश्वविद्यालय के कर्मचारी हैं।

सत्ता परिवर्तन के बाद से ही भाजपा समर्थित कर्मचारी संगठन पश्चिम बंग विश्वविद्यालय कर्मचारी परिषद परिसर में सक्रिय हो गया है।

पिछले सप्ताह संगठन की ओर से घोषणा की गई थी कि विश्वविद्यालय अब राष्ट्रवादियों के कब्जे में है। इसके एक सप्ताह के भीतर प्रभात शाखा की शुरुआत को उसी गतिविधि का विस्तार माना जा रहा है।

तमिलनाडु में आधे मंत्रियों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज

- एडीआर की रिपोर्ट के अनुसार, मंत्रियों में सबसे धनी सीएम के पास 648.85 करोड़ की संपत्ति
- सबसे कम घोषित संपत्ति वाली मंत्री कीर्तना एस हैं, जिनके पास केवल 22.57 लाख रुपये है

नई दिल्ली, प्रेट्र: तमिलनाडु मंत्रिमंडल के नव निर्वाचित मंत्रियों में से आधे मंत्रियों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि 20 प्रतिशत मंत्रियों की संपत्ति 100 करोड़ रुपये से अधिक है। इन मंत्रियों में से केवल एक महिला है।

एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट के अनुसार, 10 मंत्रियों में से पांच यानी 50 प्रतिशत ने अपने खिलाफ आपराधिक मामलों की घोषणा की है, जबकि तीन यानी 30 प्रतिशत मंत्रियों ने अपने खिलाफ गंभीर आपराधिक मामलों की घोषणा की है। दो यानी 20 प्रतिशत मंत्रियों की संपत्ति 100 करोड़ रुपये से अधिक है, जिनमें मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय सबसे धनी हैं, जिनकी कुल संपत्ति 648.85 करोड़ रुपये है। मंत्रिमंडल की औसत संपत्ति 126.50 करोड़ रुपये है। सबसे कम घोषित कुल संपत्ति वाली मंत्री कीर्तना एस हैं, जिन्होंने शिवकाशी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव जीता है, जिनकी संपत्ति 22.57 लाख रुपये है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि तीन मंत्रियों ने अपनी शैक्षणिक योग्यता आठवीं से बारहवीं कक्षा के बीच बताई है, जबकि सात मंत्रियों ने स्नातक या उससे उच्चतर की शैक्षणिक योग्यता बताई है। एडीआर की एक पिछली रिपोर्ट, जिसमें 233 विजयी उम्मीदवारों के हलफनामों का विश्लेषण किया गया था, में कहा गया था कि 126 (54 प्रतिशत) उम्मीदवारों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की बात स्वीकार की है, जबकि 56 (24 प्रतिशत) गंभीर आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे हैं। 2021 में तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के दौरान विश्लेषण किए गए 224 विधायकों में से 134 (60 प्रतिशत) विधायकों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की बात स्वीकार की थी और 193 (83 प्रतिशत) विधायक करोड़पति हैं।

केरलम में मुख्यमंत्री तय करने की चर्चा निर्णायक दौर में, अगले चौबीस घंटे में नाम का एलान

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- विधायकों के संख्या बल से वेणुगोपाल का पलड़ा भारी तो जमीनी समर्थन के दम पर टिकी सतीशन की उम्मीद

कांग्रेस नेतृत्व ने केरलम में मुख्यमंत्री तय करने के लिए निर्णायक अंतिम दौर का विचार-विमर्श तेज कर दिया है। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने इस क्रम में मंगलवार को केरलम प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्षों समेत आधा दर्जन वरिष्ठ नेताओं से राज्य की सत्ता के नए नेतृत्व की पसंद को लेकर उनसे चर्चा की। अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी पार्टी संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी से मशविरा कर मुख्यमंत्री का नाम तय करेंगे। अगले चौबीस घंटे में केरलम के मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा कर दी जाएगी।

कांग्रेस हाईकमान से मंगलवार को हुई चर्चा के बाद केरलम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष के मुरलीधरन ने भी साफ कहा कि मंगलवार रात या बुधवार सुबह तक मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा हो जाएगी। मुख्यमंत्री का नाम तय करने को लेकर अंतिम दौर की मंत्रणा के क्रम में राहुल गांधी ने मंगलवार को मुरलीधरन समेत कई नेताओं से दस जनपथ पर अलग-अलग बातचीत कर उनकी राय जानी।

वीडी सतीशन और केसी वेणुगोपाल। फाइल

मुरलीधरन ने यह भी कहा कि मल्लिकार्जुन खरगे के शाम को बेंगलुरु से लौटने के बाद बातचीत का एक और दौर होगा और वे सोनिया गांधी) से भी बात करेंगे। इसके बाद देर रात या बुधवार सुबह तक सीएम के नाम की घोषणा हो जाएगी। राहुल गांधी ने केरलम कांग्रेस के जिन अन्य प्रमुख नेताओं से बातचीत की, उसमें पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के सुधारकरन, एमएम हसन, प्रदेश अनुशासन समिति के प्रमुख टी राधाकृष्णन, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष शफी परम्बिल, वीएम सुधीरन, एपी अनिल कुमार आदि शामिल थे।

केरलम के मुख्यमंत्री पद की रेस में विधायकों की पसंद के हिसाब से कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल का पलड़ा भारी है, जिन्हें कांग्रेस के नए चुने गए 63 विधायकों में से 43 का समर्थन हासिल है। उनके मुकाबले दूसरे प्रबल दावेदार वीडी सतीशन जमीनी लोकप्रियता और सहयोगी दलों की पसंद के तौर पर वेणुगोपाल के लिए कड़ी चुनौती पेश कर रहे हैं। जबकि, इस होड़ में शामिल तीसरे उम्मीदवार रमेश चेन्निथेला ने अपनी दावेदारी कांग्रेस हाईकमान पर छोड़ दी है। खरगे और राहुल गांधी ने बीते शनिवार से ही केरलम में सीएम का नाम तय करने के लिए विचार विमर्श का सिलसिला शुरू किया था।

ममता की सुरक्षा में कोई कटौती नहीं होगी, जेड प्लस बरकरार रहेगी

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता: बंगाल सरकार ने एक तरफ जहां सोमवार को एक बड़ा फैसला लेते हुए तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और डायमंड हार्बर के सांसद अभिषेक बनर्जी की 'जेड प्लस' सुरक्षा को तत्काल प्रभाव से वापस ले लिया। दूसरी तरफ, नए मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि पूर्व मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता की सुरक्षा में कोई कटौती नहीं होगी। ममता को पहले से मिली जेड प्लस सुरक्षा बरकरार रहेगी। सुवेंदु ने पुलिस को निर्देश दिया है कि वह यह सुनिश्चित करें कि पूर्व मुख्यमंत्री की सुरक्षा में कोई चूक न हो।

वहीं, हार के बाद तृणमूल सुप्रीमो ममता और राष्ट्रीय महासचिव व सांसद अभिषेक ने इंटरनेट मीडिया टीम के साथ मंगलवार को महत्वपूर्ण बैठक की। पार्टी प्रमुख ममता और अभिषेक ने पार्टी के समर्पित इंटरनेट मीडिया योद्धाओं से संगठन को मजबूत बनाने के साथ-साथ जनता तक पार्टी की बात प्रभावी ढंग से पहुंचाने पर चर्चा की।

रांकपा में आंतरिक कलह

सुनेत्रा पवार ने सूची में वरिष्ठ नेताओं का नाम न होने को लिपिकीय त्रुटि बताया, पार्थ पवार को राष्ट्रीय महासचिव और जय पवार को राष्ट्रीय सचिव की जिम्मेदारी

पदाधिकारियों की सूची से प्रफुल पटेल, सुनील तटकरे का नाम गायब

ओमप्रकाश तिवारी • जागरण

- पूरे विवाद को प्रफुल पटेल, सुनील तटकरे और छगन भुजबल जैसे वरिष्ठ नेताओं के पर कतरने की सोची-समझी रणनीति के रूप में देखा जा रहा

मुंबई: राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के भीतर नेतृत्व और संगठन पर नियंत्रण को लेकर चल रही तनातनी अब खुलकर सामने आ गई है। पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के नेतृत्व में केंद्रीय चुनाव आयोग को भेजी गई पदाधिकारियों की नई सूची से दो वरिष्ठ नेताओं प्रफुल पटेल एवं सुनील तटकरे का नाम गायब है। इसके साथ ही भेजी गई 22 सदस्यीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी की सूची में उनका नाम तो शामिल किया गया है, लेकिन उनके नामों के आगे पद का उल्लेख नहीं किया गया है। सवाल उठने के बाद सुनेत्रा पवार ने एक्स पर सफाई देते हुए इसे 'लिपिकीय' गलती बताया है।

सोमवार देर रात राकांपा पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी की सूची के सार्वजनिक होते ही जब राकांपा के भीतर और बाहर विवाद गहरा गया है। इन सूचियों में पार्टी की कमान पूरी तरह पवार परिवार के हाथों में केंद्रित होती दिख रही है। इस नई सूची में सुनेत्रा पवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में दर्शाया गया है, जबकि उनके बेटों पार्थ पवार को राष्ट्रीय महासचिव और जय पवार को राष्ट्रीय सचिव जैसे महत्वपूर्ण संगठनात्मक पदों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। ये दोनों सूचियां 29 अप्रैल को चुनाव आयोग को भेजी गई थीं। इन सूचियों पर विवाद गहराने के बाद अध्यक्ष सुनेत्रा पवार ने डैमेज कंट्रोल की कवायद शुरू की है। उन्होंने स्पष्टीकरण देते हुए एक्स पर लिखा कि मीडिया में प्रसारित हो रही राकांपा के पदाधिकारियों की सूची में कुछ लिपिकीय और तकनीकी त्रुटियां (क्लेरिकल मिस्टेक्स) हो गई हैं। इस प्रशासनिक चूक को जल्द ही सुधार लिया जाएगा। हालांकि, राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चुनाव आयोग को 29 अप्रैल को भेजी गई आधिकारिक सूची में इतनी बड़ी लापरवाही महज एक 'लिपिकीय गलती' नहीं हो सकती।

वरिष्ठ नेताओं के पर कतरने की सोची-समझी रणनीति: पार्टी सूत्रों के अनुसार, इस पूरे विवाद को प्रफुल पटेल, सुनील तटकरे और छगन भुजबल जैसे वरिष्ठ नेताओं के पर कतरने की सोची-समझी रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। पूर्व उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के असामयिक निधन के बाद से ही राकांपा में वर्चस्व की जंग छिड़ी हुई है। आरोप हैं कि अजीत पवार के निधन के तुरंत बाद प्रफुल पटेल और सुनील तटकरे ने सुनेत्रा पवार और उनके बेटों को विश्वास में लिए बिना चुनाव आयोग को एक पत्र लिखा था। इस पत्र में मांग की गई थी कि राष्ट्रीय अध्यक्ष की अनुपस्थिति में कार्यकारी अध्यक्ष (प्रफुल पटेल) को ही पार्टी के सभी व्यापक और अंतिम निर्णय लेने का अधिकार दिया जाए।

प्रफुल पटेल और सुनील तटकरे। फाइल

शरद पवार गुट ने कसा तंज

राकांपा की इस आंतरिक कलह पर विपक्षी दलों, विशेषकर शरद पवार गुट का कहना है कि जो नेता शरद पवार के साथ गद्दारी करके अलग हुए थे, आज उन्हीं के वजूद को पार्टी के भीतर समाप्त किया जा रहा है। बहरहाल, सुनेत्रा भले ही इसे तकनीकी खामी बताकर शांत करने की कोशिश कर रही हों, लेकिन इस सूची ने साफ कर दिया है कि राकांपा में 'पवार बनाम बाहरी' की आंतरिक लड़ाई आने वाले दिनों में महाराष्ट्र की राजनीति को एक नया मोड़ देने वाली है।

चुनाव बाद हिंसा के मामलों की नए सिरे से जांच के आदेश

प्रथम पृष्ठ से आगे

सोमवार शाम राज्य सचिवालय में शीर्ष पुलिस अधिकारियों और सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों (एसपी) के साथ प्रशासनिक बैठक में नए मुख्यमंत्री ने 2021 में विधानसभा चुनाव के बाद हुई हिंसा के 1,300 से ज़्यादा मामलों की नए सिरे से जांच के आदेश भी दिए। आधिकारिक सूत्रों ने इसकी जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि 2021 के चुनाव के बाद हुई हिंसा की उन शिकायतों को फिर से खोलना प्राथमिकता होनी चाहिए जिन्हें पुलिस में जीडी (जनरल डायरी) एंट्री के तौर पर दर्ज किया गया था। उन्होंने सांप्रदायिक हिंसा भड़काने वालों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए, जिसमें गैर-जमानती मामले दर्ज करना भी शामिल हैं।

अवैध हथियारों की जब्ती के भी निर्देश : उन्होंने अवैध हथियारों व बमों की जब्ती के लिए भी तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। सुवेंदु ने जबरन वसूली के मामलों की भी जांच और गिरफ्तारी के आदेश दिए।

इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री ने आपराधिक इतिहास वाले सभी लोगों से सुरक्षा कवर वापस लेने के भी निर्देश दिए। दुष्कर्म, दुष्कर्म के प्रयास और छेड़छाड़ के मामलों की नए सिरे से जांच के भी निर्देश दिए। मवेशियों की तस्करी पर पूर्ण रोक और अवैध बूचड़खानों को बंद कराने के भी निर्देश दिए। पुलिस अधिकारियों को यह निर्देश भी दिया कि उनके काफिले के आने-जाने के दौरान लोगों को कम से कम परेशानी हो और बेवजह हूटर न बजाएं।

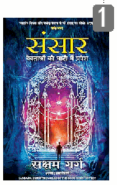

1 संसार : देवताओं...
लेखक: सक्षम गर्ग
अनुवाद: आशुतोष गर्ग
प्रकाशक: मंजुल पब्लिशिंग हाउस
यह फंतासी उपन्यास है, जिसकी कहानी हिमालय की एक घाटी में घटित होती है, जहां देवता व पौराणिक जीव रहते हैं और वहां एक प्राचीन सभ्यता निवास करती है।

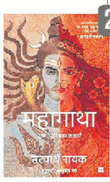

2 महागाथा : पुराणों से...
लेखक: सत्यार्थ नायक
अनुवाद: आशुतोष गर्ग
प्रकाशक: हार्पर कोलिंस पब्लिशर्स
इसमें लेखक ने पौराणिक प्रतीकों का उपयोग करते हुए ब्रह्मा जी की सृष्टि से लेकर विष्णु भगवान के सुदर्शन तक अनेक कहानियों को बहुत रोचक तरीके से समेटा है।

3 द हिडन हिंदू 1
लेखक: अक्षत गुप्ता
अनुवाद: अक्षत गुप्ता
प्रकाशक: प्रभात प्रकाशन
पौराणिक कथाओं और इतिहास को आधुनिक दुनिया से जोड़ती एक किताब। इसकी कहानी एक अघोरी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो कहता है कि वह चार युगों से जीवित है।

4 द हिडन हिंदू 3
लेखक: अक्षत गुप्ता
अनुवाद: अक्षत गुप्ता
प्रकाशक: प्रभात प्रकाशन
यह किताब अमरत्व, चिरंजीवियों और हिंदू पौराणिक कथाओं के छिपे रहस्यों को आधुनिक विज्ञान के साथ जोड़ती है, जो एक बहुत ही रोमांचक सफर है।

5 द नागा वारियर्स
लेखक: अक्षत गुप्ता
अनुवाद: अक्षत गुप्ता
प्रकाशक: मंजुल पब्लिशिंग हाउस
हमारे पूर्वजों ने नागा साधुओं के समूह का निर्माण किया, जो धर्म की रक्षा के लिए कटिबद्ध योद्धा थे जैसा कि आदि गुरु शंकराचार्य ने घोषणा की थी। ये निःस्वार्थ धर्म रक्षा के लिए डटे रहे।

6 द नागा वारियर्स 2
लेखक: अक्षत गुप्ता
अनुवाद: अक्षत गुप्ता
प्रकाशक: मंजुल पब्लिशिंग हाउस
खंड 2 की कहानी भाग्य, मिथक और इतिहास के ऐसे संगम को दर्शाती है, जो वास्तव में एक महाकाव्य जैसा है। प्रतिबद्धता की गाथा योद्धाओं और दुर्जेय अवतारों को साथ लाती है।

7 रा हिटमैन
लेखक: एस हुसैन जैदी
अनुवाद: रचना भोला यामिनी
प्रकाशक: साइमन एंड शूस्टर
लेखक असली कहानी में धोखे और साजिश से भरी बहुत ही रोचक दास्तान लेकर आए हैं। किताब अंत तक पाठकों का रोमांच और जिज्ञासा बनाए रखने में खरी साबित होती है।

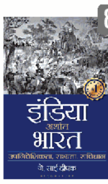

8 इंडिया अर्थात भारत
लेखक: जे साई दीपक
अनुवाद: पंकज सक्सेना
प्रकाशक: ब्लूम्सबरी पब्लिशिंग
यह यूरोपीय औपनिवेशिक मानसिकता की पड़ताल के साथ ही देश के संविधान की उत्पत्ति का रेखांकन करती है। इसमें सहिष्णुता व धर्मनिरपेक्षता की भी झलक है।

9 हृदय दीप
लेखक: बानू मुश्ताक
अनुवाद: चंद्रशेखर मदभावी
प्रकाशक: पेंगुइन रैंडम हाउस
सामाजिक सक्रियता से जुड़ी और कर्नाटक की मुस्लिम महिलाओं के संघर्षों को बयां करती हैं कहानियां। वे समाज और धर्म की बेड़ियों में जकड़े लोगों की आवाज बनती हैं।

10 द हिडन हिंदू 2
लेखक: अक्षत गुप्ता
अनुवाद: अक्षत गुप्ता
प्रकाशक: प्रभात प्रकाशन
द हिडन हिंदू के दूसरे भाग में लेखक ने पौराणिक पात्रों को समसामयिक संदर्भों व वास्तविक पृष्ठभूमि में रुचिकर और काल्पनिक कथा में बहुत अच्छे से पिरोया है।

विस्तारित सूची

कल पढ़िए कविता श्रेणी की सूची

11 एक दिन जिंदगी बदल जाएगी
लेखक: सरण्या उमाकांथन
अनुवाद: प्रिया लटवाल
प्रकाशक: प्रकाश बुक्स इंडिया

12 रा हिटमैन 2
लेखक: एस. हुसैन जैदी
अनुवाद: रचना भोला यामिनी
प्रकाशक: साइमन एंड शूस्टर

13 कितने गाजी आए कितने...
लेखक: केजेएस टाईनी ढिल्लों
अनुवाद: नितिन माथुर-आनंद राय
प्रकाशक: प्रभात प्रकाशन

14 बलिदान
लेखक: स्वप्निल पाण्डेय
अनुवाद: केतन मिश्रा
प्रकाशक: हार्पर कोलिंस

15 मैंगो मिलियनेयर
लेखक: राधिका गुप्ता-निरंजन अवस्थी
अनुवाद: असीम चांदना
प्रकाशक: मंजुल पब्लिशिंग हाउस

16 शौर्यगाथाएं
लेखक: विक्रम सम्पत
अनुवाद: संदीप जोशी
प्रकाशक: पेंगुइन रैंडम हाउस

17 आखिरी महारानी
लेखक: चित्रा बैनर्जी दिवाकरुणी
अनुवाद: नीलम भट्ट
प्रकाशक: मंजुल पब्लिशिंग हाउस

18 जुगलबंदी : भाजपा मोदी...
लेखक: विनय सीतापति
अनुवाद: नीलम भट्ट-सुबोध मिश्र
प्रकाशक: पेंगुइन रैंडम हाउस

19 कौन हैं भारतमाता
लेखक: पुरुषोत्तम अग्रवाल
अनुवाद: पूजा श्रीवास्तव
प्रकाशक: राजकमल प्रकाशन

20 असहमति की आवाजें
लेखक: रोमिला थापर
अनुवाद: अशोक कुमार
प्रकाशक: राजकमल प्रकाशन

एनटीए को नीट-यूजी प्रश्न पत्रों की छपाई व परिवहन के जोखिमों से किया गया था सतर्क

कमेटी ने परीक्षा से ठीक पहले डिजिटल तरीके से प्रश्न पत्रों को परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने का दिया था सुझाव

एनटीए से अपनी प्रिंटिंग प्रेस लगाने को कहा था

अरविंद पांडेय • जागरण

नई दिल्ली: नीट-यूजी के लीक हुए प्रश्नों के पीछे वैसे तो कई एंगल सामने आ रहे हैं लेकिन इनमें से एक अहम एंगल नासिक प्रिंटिंग प्रेस को लेकर भी है, जहां प्रश्न पत्रों को छपाई के लिए भेजा गया था। दावा यह किया जा रहा है कि छपाई के दौरान ही प्रिंटिंग प्रेस से प्रश्नों को लीक किया गया है। इन्हें बाद में बड़े ही शातिराना ढंग से सैंपल व गेस पेपर के रूप में छात्रों को पैसे लेकर बेचा गया। यदि इस एंगल में सच्चाई है तो यह तब हुआ है, जब हाईपावर कमेटी ने एनटीए को प्रश्न पत्रों की छपाई व परिवहन के जोखिमों से सतर्क किया था। साथ ही इससे बचने को अहम सुझाव दिए थे।

नीट-यूजी परीक्षा 2024 में गड़बड़ियों को लेकर लगे गंभीर आरोपों के बाद सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए में सुधार के लिए जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद शिक्षा मंत्रालय ने इसरो के पूर्व प्रमुख डा. के राधाकृष्णन की अगुआई में एक हाई पावर कमेटी गठित की थी। अक्टूबर 2024 में कमेटी ने एनटीए व परीक्षा में सुधार के लिए कई अहम सुझाव दिए थे। कमेटी ने कहा था कि प्रश्न पत्रों को डिजिटल माध्यम से परीक्षा के पहले केंद्रों तक पहुंचाया जाए। इसे परीक्षा से आधे घंटे पहले एक विशेष कोड के जरिए खोला जाए और उसे परीक्षा केंद्र पर ही एक प्रिंटर की मदद से तुरंत छाप कर छात्रों को दिया जाए। इससे पेपर लीक होने और परिवहन के दौरान उससे छेड़छाड़ का कोई खतरा नहीं रहेगा। साथ ही यह भी सुझाव दिया था यदि यह संभव न हो तो एनटीए अपनी खुद की एक प्रिंटिंग प्रेस स्थापित करें, जहां वह अपनी देखरेख व कड़ी सुरक्षा में जैसे बजट की छपाई होती है, वैसे ही पेपर छापे और उन्हें सुरक्षित

हाईपावर कमेटी ने यह अहम सुझाव भी दिए थे

- **दो चरणों में परीक्षा:** नीट-यूजी को भी जेईई मेन की तरह दो चरणों में आयोजित किया जाना चाहिए। इससे ठीक ढंग से प्रबंधन किया जा सकेगा।
- परीक्षा को आफलाइन पेन-पेपर मोड से जहां संभव हो उसे आनलाइन कराया जाए। जहां संभव नहीं है वहां डिजिटल तरीके से प्रश्न पत्रों को भेजकर इसे कराया जाए।
- **सरकारी विद्यालयों में ही बनाए जाएं परीक्षा केंद्र:** परीक्षा के लिए निजी केंद्रों की जगह केंद्रीय विद्यालयों के साथ ही जवाहर नवोदय विद्यालयों जैसे सरकारी संस्थानों का चयन किया जाए। परीक्षा केंद्रों के चयन में स्थानीय डीएम व एसपी के भी सुझाव लिए जाएं।
- **एनटीए का पुनर्गठन:** नेशनल टेस्टिंग एजेंसी में संविदा या ठेके पर काम करने वाले कर्मचारियों की जगह फुल टाइम कर्मचारियों की तैनाती की जाए। अभी इन परीक्षाओं के आयोजन में हर स्तर पर निजी एजेंसियां शामिल हैं।

NATIONAL TESTING AGENCY
Excellence in Assessment

प्रतीकात्मक

राजस्थान से 15 एवं महाराष्ट्र से दो हिरासत में

प्रथम पृष्ठ से आगे

नीट-यूजी पेपर लीक मामले में 15 लोगों को राजस्थान से और दो लोगों को महाराष्ट्र से हिरासत में लिया गया है। जयपुर संवाददाता के अनुसार, राजस्थान एसओजी ने जिन लोगों को हिरासत में लिया है उनमें जयपुर से मनीष यादव और सीकर से राकेश मंडावरिया भी शामिल हैं। अनौपचारिक रूप से मनीष को पेपर लीक का मास्टरमाइंड माना जा रहा है। एसओजी ने सीकर के दो कोचिंग संचालकों से भी पूछताछ की है। मंगलवार शाम टीम ने जयपुर पहुंचकर एसओजी के अधिकारियों के साथ बैठक भी की। जांचकर्ताओं ने इस मामले में नासिक से हरियाणा, केरल और तमिलनाडु तक फैले लिंक का पता लगाया है, जिससे एक अंतर-राज्यीय नेटवर्क की संभावना का संकेत मिला है। महाराष्ट्र से दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। इनमें से एक 30 वर्षीय शुभम खेरनार बीएएमएस का छात्र है। उसे नासिक के इंदिरा नगर इलाके से हिरासत में लिया गया। वह जिले के नंदगांव का रहने वाला है। सूत्रों का कहना है कि लीक हुई सामग्री कथित तौर पर नासिक में ही बांटी गई थी। शुभम ने पहचान छिपाने के लिए बाल कटवाकर अपना हुलिया बदल लिया था।

समाज सुधार के नाम पर धार्मिक स्वतंत्रता का हनन नहीं हो सकता : सुप्रीम कोर्ट

- सबरीमाला समेत धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के प्रवेश से जुड़े मामलों पर नौ जजों की पीठ में सुनवाई
- न्यायमूर्ति नागरत्ना बोलीं- संविधान निर्माताओं ने समाज की जरूरतों को ध्यान में रखकर प्रविधान बनाए

नई दिल्ली, प्रेट्र: सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि सामाजिक सुधार के नाम पर संविधान के तहत मिले धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने यह भी कहा कि संविधान निर्माताओं ने समाज की जरूरतों को ध्यान में रखकर प्रविधान बनाए थे और नौ जजों की संविधान पीठ भी उस मूल संतुलन को नहीं बदल सकती।

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआइ) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ सदस्यीय संविधान पीठ सबरीमाला मंदिर समेत विभिन्न धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के प्रवेश से जुड़े मामलों और विभिन्न धर्मों में धार्मिक स्वतंत्रता के दायरे पर सुनवाई कर रही है। पीठ में न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना, एमएम सुंदरेश, अहसानुद्दीन अमानुल्लाह, अरविंद कुमार, आगस्टीन जार्ज मसीह, प्रसन्ना बी वराले, आर महादेवन और जोयमाल्या बागची भी शामिल हैं।

सुनवाई के दौरान केरल सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता जयदीप गुप्ता ने कहा कि सामाजिक सुधार के नाम पर धर्म के मूल तत्वों को समाप्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म का महत्वपूर्ण पहलू पूजा का अधिकार है और यह पवित्र स्थलों पर संपन्न होता है। यदि इसे बाधित किया जाता है तो श्रद्धालुओं के अधिकारों का उल्लंघन होगा। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना ने कहा, ''सामाजिक सुधार के नाम पर अनुच्छेद 25(1) के तहत धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का हनन नहीं किया जा सकता।'' वरिष्ठ अधिवक्ता विजय हंसरिया ने दलील दी कि सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश पर रोक का आधार उनकी मासिक धर्म आयु है और मासिक धर्म को अब भी वर्जना के रूप में देखा जाता है। इस पर न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि यह नजरिये का सवाल है और महत्वपूर्ण यह है कि श्रद्धालु इसे किस रूप में देखते हैं।

सीजेआइ सूर्यकांत ने कहा कि यदि जनता अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों के माध्यम से किसी मुद्दे पर सामाजिक सुधार की मांग करती है, तो अदालत उसे स्वीकार कर सकती है। लेकिन यदि लोगों की इच्छा के विरुद्ध कुछ थोपा जाता है, तो अदालत हस्तक्षेप कर सकती है। वरिष्ठ अधिवक्ता संजय हेगड़े ने कहा कि तर्कवादी लोग धर्म समेत हर चीज को तर्क की कसौटी पर परखते हैं। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 51ए(एच) में वैज्ञानिक सोच और सुधारवादी दृष्टिकोण विकसित करने का दायित्व भी निहित है।

वरिष्ठ अधिवक्ता मेनका गुरुस्वामी ने तर्क दिया कि संविधान ने धर्म के भीतर सुधार की परिकल्पना की है और अनुच्छेद 25 व 26 को बहिष्करण वाली प्रथाओं के पूर्ण संरक्षण के रूप में नहीं पढ़ा जा सकता। इस पर न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि संविधान निर्माताओं ने उस समय की सामाजिक परिस्थितियों और सभ्यता की निरंतरता को ध्यान में रखकर प्रविधान किए थे। मामले की अगली सुनवाई बुधवार को होगी। गौरतलब है कि 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने 4:1 बहुमत से सबरीमाला अयप्पा मंदिर में 10 से 50 वर्ष आयु वर्ग की महिलाओं के प्रवेश पर लगी रोक को असंवैधानिक करार दिया था।

'पत्नी की करियर संबंधी महत्वाकांक्षा क्रूरता नहीं'

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने वैवाहिक विवादों और महिलाओं के अधिकारों को लेकर एक ऐतिहासिक और भावपूर्ण फैसला सुनाया है। इसने स्पष्ट कर दिया है कि एक शिक्षित और पेशेवर महिला का अपने करियर को चुनना या बच्चे के सुरक्षित भविष्य के लिए स्वतंत्र फैसला लेना 'क्रूरता' या 'परित्याग' की श्रेणी में नहीं आता। कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट्स के उस तर्क को पूरी तरह खारिज कर दिया, जिसमें एक डेंटिस्ट पत्नी द्वारा पति के साथ दूरदराज के इलाके में न रहने को वैवाहिक अपराध माना गया था।

नीट-यूजी रद होने पर बिफरा विपक्ष, इसे प्रशासनिक विफलता और छात्रों के प्रति असंवेदनशीलता करार दिया

- सरकार ने पुरानी प्रवेश प्रक्रियाओं व परीक्षाओं को खत्म कर भ्रष्टाचार ग्रस्त केंद्रीकृत व्यवस्था लागू की : कांग्रेस

मंगलवार को नई दिल्ली में एनएसयूआइ कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। एएनआइ >>

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

मेडिकल के स्नातक कोर्सों में दाखिले से जुड़ी परीक्षा नेट-यूजी के पेपर लीक होने और इसे रद करने को लेकर केंद्र सरकार विपक्ष के निशाने पर आ गई है। विपक्षी दलों ने सरकार पर हमला बोलते हुए इसे प्रशासनिक विफलता और छात्रों के प्रति असंवेदनशीलता करार दिया है। विपक्षी दलों के नेताओं ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के कामकाज पर सवाल उठाते हुए जवाबदेही तय करने की मांग की है। पेपर लीक के आरोपों के बीच एनटीए ने मंगलवार को तीन मई को आयोजित नीट-यूजी 2026 को रद कर दिया। सरकार ने इसकी जांच सीबीआइ को सौंपी है। यह परीक्षा अब नए सिरे से आयोजित की जाएगी।

कांग्रेस के संचार महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि नीट यूजी रद होने से एनटीए के उद्देश्य और कार्यक्षमता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। नीट-जेईई और सीयूइटी जैसी परीक्षाओं में लगातार त्रुटियों और देरी ने सभी शिक्षण संस्थानों के शैक्षणिक कैलेंडर को पूरी तरह अव्यवस्थित कर दिया है। इसके जरिये छात्रों को निजी विश्वविद्यालयों की ओर धकेला जा रहा है। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने कहा कि जब भी नीट के प्रश्नपत्र लीक होते हैं, जांच के लिए समिति नियुक्त की जाती है। अब इसकी जांच सीबीआइ को सौंप दी गई है। यह पूरी तरह से समय की बर्बादी है।

> 22 लाख से अधिक छात्रों की कड़ी मेहनत, त्याग और सपनों को इस भ्रष्ट भाजपाई व्यवस्था ने कुचल दिया है। प्रधानमंत्री का तथाकथित 'अमृतकाल' देश के लिए 'विषकाल' बन गया है। -**राहुल गांधी, कांग्रेस नेता**

राज्य सभा सदस्य कपिल सिबल ने कहा कि जो सरकार निष्पक्ष परीक्षा आयोजित नहीं कर सकती, वह देश चलाने में असमर्थ है। उन्होंने पीएम मोदी से आग्रह किया कि वह पेपर लीक से पीड़ित लोगों से 'मन की बात' करें और जो हुआ उसके लिए खेद व्यक्त करें। राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि लाखों छात्रों के भविष्य के साथ एक बार फिर खिलवाड़ किया गया है।

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने परीक्षा आयोजित करने की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि परीक्षा दोबारा आयोजित की गई तो प्रश्नपत्र लीक न होने की क्या गारंटी है। आरोप लगाया कि जब तक भाजपा सत्ता में रहेगी, प्रश्नपत्र लीक की समस्या बनी रहेगी। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि प्रभावित छात्रों को बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन का सहारा लेना होगा, क्योंकि सरकार केवल आंदोलन की भाषा समझती है।

सीबीआइ ने शुरू की जांच, प्राथमिकी दर्ज

चंद्रनाथ रथ हत्याकांड

- जांच टीम के सदस्यों ने घटनास्थल का किया निरीक्षण, यूपीआइ से टोल पर किए गए भुगतान से मिला सुराग

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता

मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की हत्या मामले की जांच अब सीबीआइ ने औपचारिक रूप से अपने हाथ में ले ली है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने मामले में प्राथमिकी भी दर्ज कर ली है।

केंद्रीय एजेंसी ने डीआइजी पंकज सिंह के नेतृत्व में सात सदस्यीय विशेष जांच दल का गठन किया है। जांच टीम के सदस्यों ने मंगलवार को घटनास्थल का निरीक्षण किया। मालूम हो कि गत छह मई को चंद्रनाथ रथ की उत्तर 24 परगना जिले के मध्यमग्राम में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। सीआइडी ने मामले में उप्र व बिहार से अब तक तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में मयंक राज मिश्रा, विक्की मौर्य और राज सिंह शामिल हैं।

चंद्रनाथ रथ। फाइल

प्रक्रिया के तहत सीबीआइ ने राज्य पुलिस की प्राथमिकी को अपने मामले के रूप में पुनः दर्ज किया है, जिसके आधार पर अब स्वतंत्र जांच की जाएगी। जांच पूरी होने के बाद सीबीआइ सक्षम अदालत में अपनी अंतिम रिपोर्ट या आरोपपत्र दाखिल करेगी। पुलिस के अनुसार, हत्या में इस्तेमाल की गई संदिग्ध कार बाली टोल प्लाजा से गुजरी थी, जहां कार सवार एक व्यक्ति ने यूपीआइ के माध्यम से टोल का भुगतान किया था। इसी डिजिटल सुराग के आधार पर जांच आगे बढ़ी और एसआइटी की टीम उत्तर प्रदेश तथा बिहार पहुंची।

कोयला कारोबार से भी जुड़ीं कड़ियां

जासं, वाराणसी : हत्या की कड़ियों को कोयला कारोबार से भी जोड़कर देखा जा रहा है। जिनके नाम आए हैं, उनमें गाजीपुर के विनय राय व बक्सर के अटल कोयले के कारोबार से जुड़े हैं। उप्र उत्तर प्रदेश में छापेमारी और छानबीन में बंगाल पुलिस की मददगार रही यहां की जांच एजेंसियां भी हत्या के पीछे कोयला कारोबार की प्रतिद्वंद्विता को खारिज नहीं कर रहीं, लेकिन अभी उन्हें आरोपितों की चंद्रनाथ से शत्रुता की वजह नहीं मिल रही।

यूनेस्को के नाम पर दुर्गा पूजा में 'धोखाधड़ी', ममता के करीबी पर आरोप

- 'प्रिव्यू शो' के नाम पर वसूली और यूनेस्को की छवि धूमिल करने का दावा, शोधकर्ता ने खोला मोर्चा

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता

कोलकाता की विश्वप्रसिद्ध दुर्गा पूजा एक बार फिर विवादों के घेरे में है। इस बार विवाद किसी थीम या विसर्जन को लेकर नहीं, बल्कि संयुक्त राष्ट्र संघ की संस्था 'यूनेस्को' के नाम के कथित दुरुपयोग को लेकर है। अंतरराष्ट्रीय पर्यटन संस्था के प्रमुख और दुर्गा पूजा शोधकर्ता जयदीप मुखर्जी ने 'मास आर्ट' के कर्णधार ध्रुवज्योति बसु उर्फ शुभो पर गंभीर वित्तीय और सांस्कृतिक धोखाधड़ी के आरोप लगाए हैं।

जयदीप मुखर्जी का आरोप है कि ध्रुवज्योति बसु ने साल 2022 से 'मास आर्ट' के बैनर तले कोलकाता की 24 चुनिंदा बड़ी पूजा समितियों को लेकर एक 'प्रिव्यू शो' आयोजित करता रहा है। इस दौरान विज्ञापनों और प्रचार में यह दावा किया गया कि यह आयोजन यूनेस्को के सहयोग से हो रहा है। इतना ही नहीं, 'प्रिविलेज्ड प्री-पूजा एंट्री टिकट' के नाम पर मोटी रकम वसूली गई, जिससे आम जनता और पर्यटकों के बीच यह संदेश गया कि यूनेस्को सीधे तौर पर इन पूजा पंडालों के चयन और टिकट बिक्री से जुड़ा है।

विवाद तब गहराया जब मुखर्जी ने यूनेस्को की प्रतिनिधि मालेका रयूबन से संपर्क किया। यूनेस्को ने लिखित जवाब में स्पष्ट किया कि 2022, 2023 और 2024 में 'मास आर्ट' के साथ उनका कोई व्यावसायिक अनुबंध नहीं था। संस्था ने साफ किया कि वह किसी भी पंडाल चयन, टिकट बिक्री या वित्तीय लेन-देन में शामिल नहीं है।

सीबीआइ ने ट्रैप लगाकर होटल में मारा छापा

प्रथम पृष्ठ से आगे

इस शिकायत के बाद सीबीआइ ने ट्रैप लगाया। 11 मई की रात को पता चला कि चंडीगढ़ के सेक्टर-35 स्थित एक फाइव स्टार होटल में 20 लाख रुपये की डील चल रही है। यह डील 13 लाख में फाइनल हुई। साथ ही एक सैमसंग गैलेक्सी जेड फोल्ड-7 मोबाइल देने की बात तय हुई। इसी दौरान सीबीआइ ने रेड कर आरोपित अंकित बधवा को शिकायतकर्ता से 13 लाख रुपये नकद और मोबाइल लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपित पिता-पुत्र और रीडर ओपी राणा मौके से भाग निकले। इसके बाद सीबीआइ की टीम ने पीछा कर विकास गोयल व उसके बेटे राघव को आधी रात को अंबाला से गिरफ्तार कर लिया। सीबीआइ ने मुक्तसर जिले के मलोट स्थित विकास गोयल के घर तथा चंडीगढ़ स्थित ओपी राणा के ठिकाने पर छापेमारी की। इस दौरान करीब नौ लाख रुपये और अहम दस्तावेज बरामद किए गए। सीबीआइ की टीम ने सोमवार शाम से कार्रवाई शुरू की। आधी रात को पंजाब विजिलेंस ब्यूरो के मुख्यालय में भी रेड की, जो मंगलवार शाम तक जारी रही।

मोहाली स्थित पंजाब विजिलेंस ब्यूरो से जुड़े रिश्वत मामले में गिरफ्तार आरोपित (लाल घेरे में) बिचौलिया राघव गोयल, विकास गोयल (नीली टीशर्ट) तथा अंकित वधवा (ग्रीन टीशर्ट)। जागरण

ऐसे चलता था खेल

डीजीपी विजिलेंस का रीडर ओपी राणा बिचौलियों को विजिलेंस ब्यूरो में लंबित मामलों की संवेदनशील सूचनाओं का आदान-प्रदान करता था। इसके बाद बिचौलिये पैसे ले-देकर मामलों को रफादफा करवाने का काम करते थे।

भाजपा से जुड़े हैं पिता-पुत्र, कौंसिल चुनाव लड़ने की तैयारी में थे

बिचौलिया विकास व उसका बेटा राघव करीब चार साल से भाजपा के साथ जुड़े थे और कार्यकर्ता के रूप में कार्य कर रहे थे। दोनों कंस्ट्रक्शन ठेकेदार हैं। राघव को पंजाब पुलिस की सिक्योरिटी भी मिली हुई है, जिससे उसने काफी दबदबा बना रखा था। राघव मलोट में नगर कौंसिल चुनाव लड़ने की तैयारी भी कर रहा था।

15 लाख की इनामी हार्डकोर महिला माओवादी कोलकाता में गिरफ्तार की गई है। नदिया जिले के चकदह की रहने वाली श्रद्धा 2005 से झारखंड के माओवादी गतिविधियों में सक्रिय थी।

न्यूज गैलरी

फ्लाइट में तकनीकी गड़बड़ी, बाल-बाल बचे 280 यात्री

चेन्नई : चेन्नई से अबू धाबी जा रही एतिहाद एयरवेज की एक फ्लाइट ईवाई 343 मंगलवार को उड़ान भरने से ठीक पहले तकनीकी खराबी के कारण वापस गेट पर लौट आई। विमान में करीब 280 यात्री सवार थे। सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। शुरुआती रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि विमान के बाएं विंग में आग दिखाई दी, जिसके बाद एयरपोर्ट पर हड़कंप मच गया। एहतियातन फायर सर्विस और इमरजेंसी टीमों को तुरंत सक्रिय किया गया। (प्रेट्र)

2,700 करोड़ रुपये के घोटाले में सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट अवैध कोयला खनन और चोरी से संबद्ध मनी लांड्रिंग के मामले में एक निजी कंपनी के निदेशक अनुप माझी की मिली अग्रिम जमानत के विरुद्ध ईडी की याचिका की सुनवाई करने पर मंगलवार को राजी हो गया। जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस विजय बिश्नोई की पीठ ने कोयले की खरीद-बिक्री के कारोबार से जुड़ी कंपनी के निदेशक अनुप माझी को नोटिस जारी कर ईडी की याचिका पर जवाब मांगा है। ईडी ने मनी लांड्रिंग मामले में दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा पिछले वर्ष जून में माझी को दी गई अग्रिम जमानत को चुनौती दी है। यह मामला 2020 में दर्ज किया गया था। (प्रेट्र)

आरजी कर कांड : जस्टिस मंथा की बेंच सुनवाई से हटीं

कोलकाता : आरजी कर मेडिकल कालेज में प्रशिक्षु डाक्टर के साथ हुए दुष्कर्म व हत्या मामले में एक नया मोड़ आया है। कलकत्ता हाई कोर्ट के जस्टिस राजशेखर मंथा की खंडपीठ ने खुद को इस मामले की सुनवाई से अलग कर लिया है। खंडपीठ ने टिप्पणी की कि अदालत ने मामले की अधिकता है और ऐसी संभावना है कि राज्य सरकार इस संवेदनशील मामले के लिए एक स्वतंत्र न्यायिक आयोग का गठन कर सकती है। नौ अगस्त 2024 को हुए इस घटना में सियालदह कोर्ट ने दोषी संजय राय को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है, लेकिन पीड़िता के माता-पिता सीबीआइ जांच और साजिश के बड़े पहलुओं को लेकर असंतुष्ट हैं। (राब्यू)

पीएम पर अभद्र टिप्पणी में सपा सांसद व समर्थकों पर मुकदमा

महोबा : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर अमर्यादित टिप्पणी करने व उन्हें देश विरोधी बताने वाले हमीरपुर-महोबा के सपा सांसद अजेंद्र सिंह लोधी व उनके समर्थकों पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी सत्येंद्र प्रताप गुप्ता की तहरीर पर शहर कोतवाली में दर्ज मुकदमे में उन पर बिना अनुमति पैदल मार्च निकालने, कलेक्टर कार्यालय का घेराव कर यातायात बाधित करने व शासकीय कार्य में बाधा डालने के भी आरोप लगे हैं। मुकदमे में कहा गया है कि सोमवार दोपहर सपा सांसद अजेंद्र सिंह व समर्थकों द्वारा बिजली व पानी की समस्या को लेकर रामकुंड मंदिर परिसर से कलेक्ट्रेट तक पैदल मार्च कर कलेक्ट्रेट का घेराव किया गया। इससे यातायात बाधित हुआ, सामान्य व शासकीय कर्मचारियों के कार्य में बाधा पहुंची। (जासं)

चार सप्ताह पूर्व पता चलेगा मानसून का हाल

उत्तर प्रदेश में प्रत्येक किमी के दायरे में दस दिन पहले मिलेगा सटीक वर्षा पूर्वानुमान

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- एआइ आधारित मौसम प्रणालियों से खेती से लेकर शहरों की तैयारी तक होगी आसान
- देश के अन्य हिस्सों में भी किया जाएगा इस तरह की हाइपर-लोकल सेवाओं का विस्तार

अब मानसून का इंतजार सिर्फ आसमान देखकर नहीं करना पड़ेगा। देश में मौसम पूर्वानुमान की व्यवस्था बड़े तकनीकी बदलाव के दौर में पहुंच गई है। भारत मौसम विभाग (आइएमडी) ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) आधारित ऐसी नई प्रणाली शुरू की है, जो चार सप्ताह पहले तक जिलावार मानसून की प्रगति का अनुमान दे सकेगी। साथ ही उत्तर प्रदेश में एक किलोमीटर क्षेत्र तक वर्षा पूर्वानुमान देने वाली नई सेवा भी प्रारंभ कर दी गई है, जो दस दिन पहले तक स्थानीय मौसम की जानकारी देगी। दोनों प्रणालियों से खेती की बेहतर योजना बनाने, शहरों की जलभराव और ड्रेनेज प्रबंधन संभालने और प्रशासन को आपदा से निपटने में मदद मिलेगी। इस तरह की हाइपर-लोकल सेवाओं का विस्तार देश के अन्य हिस्सों में भी किया जाएगा।

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान राज्यमंत्री डा. जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को दोनों प्रणालियों की शुरुआत की। पहली प्रणाली मानसून की प्रगति का एआइ आधारित पूर्वानुमान है और दूसरी उत्तर प्रदेश उच्च स्थानिक रिजोल्यूशन वर्षा पूर्वानुमान सेवा है। इन्हें आइएमडी, भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान, पुणे और राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र ने मिलकर विकसित किया है। एआइ आधारित मानसून प्रणाली हर बुधवार को अगले चार सप्ताह तक मानसून का पूर्वानुमान जारी करेगी। यह सेवा 16 राज्यों और तीन हजार से अधिक उप-जिलों के लिए तैयार की गई है। इससे बुआई, सिंचाई, खाद प्रबंधन और फसल सुरक्षा जैसे फैसले समय रहते ले सकेंगे। इस प्रणाली में एआइ माडल, विस्तारित अवधि पूर्वानुमान प्रणाली और तकनीकों को एक साथ जोड़ा गया है। अभी तक लंबे समय के मौसम अनुमान बड़े भौगोलिक क्षेत्र तक सीमित रहते थे, लेकिन नई तकनीक जिला और उप-जिला स्तर तक जानकारी देने में सक्षम होगी।

जलभराव रोकने, ट्रैफिक प्रबंधन में भी उपयोग : उत्तर प्रदेश में शुरू उच्च स्थानिक रिजोल्यूशन वर्षा पूर्वानुमान प्रणाली मौसम सेवाओं को और अधिक सूक्ष्म अध्ययन करेगी। प्रत्येक किलोमीटर में बारिश का अनुमान लगाया जा सकेगा। इसमें स्वचालित वर्षामापी, डाप्लर रडार एवं उपग्रह आधारित डाटा का उपयोग होगा। इससे जिले या शहर के भीतर भी अलग-अलग क्षेत्रों में बारिश की तीव्रता और समय का सटीक अनुमान लगाया जा सकेगा। ऐसी हाइपर-लोकल सेवाएं केवल खेती तक सीमित नहीं रहेंगी। शहरी इलाकों में जलभराव रोकने, ट्रैफिक प्रबंधन, यूएवी ट्रैफिक नियंत्रण, बिजली वितरण, जलाशयों के संचालन और आपदा प्रबंधन में भी इनका बड़ा उपयोग होगा।

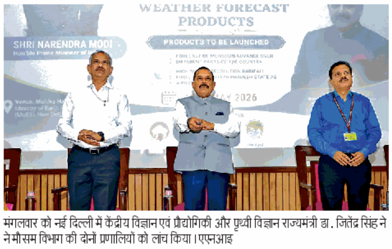

मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान राज्यमंत्री डा. जितेंद्र सिंह ने मौसम विभाग की दोनों प्रणालियों को लांच किया। एएनआइ

डाप्लर रडारों की संख्या 50

दस वर्ष पहले देश में केवल 16-17 डाप्लर रडार थे। अब उनकी संख्या 50 तक पहुंच गई है। 'मिशन मौसम' के तहत 50 और रडार लगाए जाने की योजना है। गंभीर मौसम घटनाओं के पूर्वानुमान की सटीकता में पिछले दस वर्षों में 40 प्रतिशत तक सुधार हुआ है। वहीं चक्रवात की दिशा, तीव्रता और तट से टकराने के समय का पूर्वानुमान भी पहले से कहीं अधिक भरोसेमंद बना है। मौसम संबंधी पूर्वानुमानों को अब मोबाइल एप्लीकेशन, एसएमएस अलर्ट, वाट्सएप किसान पोर्टल, टीवी और अन्य डिजिटल प्लेटफार्मों से जोड़ा गया है ताकि लोगों को समय रहते जानकारी दी जा सके।

पुंछ में घुसपैठ की बड़ा षड्यंत्र विफल, एक आतंकी ढेर

एलओसी पर गश्त करते जवान। फाइल

- एलओसी पर कृष्णा घाटी सेक्टर में सीमा पार से हुआ दुस्साहस का प्रयास
- मुठभेड़ के बाद एलओसी से सटे इलाकों में हाई अलर्ट, तलाशी अभियान जारी

जागरण संवाददाता, राजौरी

सेना ने सोमवार शाम पुंछ जिले के कृष्णा घाटी सेक्टर में एलओसी पर घुसपैठ की एक बड़ी साजिश को विफल बनाते हुए एक आतंकी को मार गिराया। सेना की त्वरित कार्रवाई से किसी भी प्रकार का सुरक्षा उल्लंघन नहीं हुआ और अन्य घुसपैठियों के वापस भाग जाने की आशंका है। फिलहाल, सेना ने पूरे क्षेत्र में हाई अलर्ट कर एहतियातन तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

शाम करीब चार बजे कृष्णा घाटी सेक्टर में एलओसी के पास संदिग्ध गतिविधियां देखी गईं। लगातार निगरानी और तकनीकी सर्विलांस के दौरान सेना को अपने क्षेत्र से करीब 300 मीटर अंदर कुछ संदिग्ध हलचल का पता चला। इसके बाद अग्रिम चौकियों पर तैनात जवानों ने क्षेत्र को घेराबंदी कर दी। जवानों ने घुसपैठ कर रहे आतंकियों को चुनौती दी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। कुछ देर दोनों तरफ से चली गोलीबारी में सेना ने एक घुसपैठिए को मार गिराया। सेना ने स्पष्ट किया कि एलओसी पर किसी प्रकार की सेंध नहीं लगने दी गई।

मारे गए घुसपैठिए के पास से हथियार, गोला-बारूद और अन्य संदिग्ध सामग्री बरामद होने की संभावना है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, गर्मियों की शुरुआत के साथ घुसपैठ की कोशिशों में तेजी आने की आशंका रहती है, क्योंकि बर्फ पिघलने के बाद कई दुर्गम रास्ते खुल जाते हैं।

टारगेट किलिंग की साजिश रच रहे आतंकियों के दो साथी गिरफ्तार : जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मंगलवार को लश्कर ए तैयबा के दो ओवरग्राउंड वर्करों को गिरफ्तार कर श्रीनगर में टारगेट किलिंग के एक षड्यंत्र को विफल बनाने का दावा किया है। दोनों आरोपितों से एक पिस्तौल, तीन मैगजीन, 21 कारतूस, दो मोबाइल फोन और लश्कर के 10 पोस्टर बरामद किए गए हैं। सूत्रों ने बताया कि पुलिस को लश्कर द्वारा किसी वारदात को अंजाम देने की साजिश रचने की सूचना मिली थी।

बंगाल के पूर्व मंत्री ने फर्जी कंपनियों व रेस्तरां से किया करोड़ों का हेरफेर

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता

नगर पालिका भर्ती घोटाला

- ईडी ने कोर्ट में किया दावा, 150 लोगों की अवैध नियुक्ति की सिफारिश करने का आरोप

नगर पालिका भर्ती घोटाले में गिरफ्तार बंगाल सरकार के पूर्व मंत्री सुजित बसु पर फर्जी कंपनियों और रेस्तरां कारोबार के जरिए करोड़ों रुपये के काले धन को सफेद करने का गंभीर आरोप लगा है। मंगलवार को बैंकशाल कोर्ट में सुनवाई के दौरान ईडी ने दावा किया कि सुजित और उनके परिवार के बैंक खातों में करोड़ों रुपये के संदिग्ध लेनदेन मिले हैं। जांच एजेंसी ने दावा किया कि कोरोना काल में फर्जी कंपनियों, रेस्तरां और अन्य कारोबार के माध्यम से अवैध रकम को वैध दिखाने की कोशिश की गई। मालूम हो कि सोमवार को ईडी ने लंबी पूछताछ के बाद सुजित को गिरफ्तार किया था। मंगलवार सुबह स्वास्थ्य परीक्षण कराने के बाद उन्हें बैंकशाल कोर्ट में पेश किया गया।

ईडी कहा कि कोविड काल और लाकडाउन के दौरान जब रेस्तरां बंद थे और कर्मचारी घर लौट चुके थे, तब भी सुजित से जुड़े रेस्तरां में करोड़ों रुपये का कारोबार दिखाया गया। जांच एजेंसी के अनुसार, एक चीनी रेस्तरां और अन्य प्रतिष्ठानों में भारी नकद जमा के प्रमाण मिले हैं। लाकडाउन के दौरान ही एक रेस्तरां में 1.11 करोड़ रुपये की बिक्री दिखाई गई, जबकि उस समय कारोबार पूरी तरह बंद था। सुजित के निजी खाते में 2.2 करोड़ रुपये जमा होने का भी दावा किया गया। ईडी ने अदालत को बताया कि दक्षिण दमदम पालिका में करीब 150 अभ्यर्थियों के नाम अवैध तरीके से सिफारिश किए गए थे। जांच में गिरफ्तार अयन शील के डिजिटल डाटा से यह जानकारी सामने आई है। निताई दत्त नामक व्यक्ति के जरिए नियुक्तियों की सिफारिश होने का भी आरोप लगाया गया। ईडी का कहना है कि कई स्रोतों से पैसा लेकर उसे अलग-अलग माध्यमों से 'चैनलाइज' किया गया।

बैंक घोटाले में हरियाणा के पांच वरिष्ठ आइएएस से पूछताछ करेगी सीबीआइ

राज्य ब्यूरो, जागरण • चंडीगढ़ : हरियाणा में करीब 590 करोड़ रुपये के बैंक घोटाले में पांच वरिष्ठ आइएएस अधिकारियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। सीबीआइ के अनुरोध पर सरकार ने इन पांचों आइएएस अधिकारियों की बैंक घोटाले की जांच में पूछताछ के लिए शामिल करने की अनुमति प्रदान कर दी। फाइल अब अंतिम स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के पास जाएगी।

हरियाणा में पिछले माह आइडीएफसी फर्स्ट बैंक में 590 करोड़ और एयू स्माल फाइनेंस बैंक में करीब 150 करोड़ रुपये के घोटाले हुए थे। दोनों बैंकों के अधिकारियों ने राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ मिलीभगत कर न केवल वित्तीय अनियमितताएं कीं, बल्कि सरकारी धन को फर्जी शेल कंपनियां बनाकर उनमें स्थानांतरित किया।

इतना ही नहीं, आइडीएफसी फर्स्ट बैंक के मैनेजर रिभव ऋषि ने अपने निजी सचिव, चालक और एक महिला के नाम पर फर्जी कंपनियां बनाई और उनमें सरकारी पैसा डालकर फर्जीवाड़ा किया।

मेवाड़ विश्वविद्यालय पर एक हजार से अधिक फर्जी डिग्री बेचने का आरोप

जागरण संवाददाता, जयपुर

- राजस्थान एसओजी की जांच में सामने आए 470 फर्जी डिग्री धारक
- फर्जी डिग्री गिरोह का मास्टरमाइंड वीरेंद्र सिंह गाजियाबाद से गिरफ्तार

राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले में स्थित मेवाड़ विश्वविद्यालय पर आरोप है कि संस्था ने एक गिरोह के साथ मिलकर पिछले चार साल में करीब एक हजार से अधिक फर्जी डिग्रियां एवं अंकतालिका बेची हैं। जिसके एवज में हर फर्जी डिग्री धारक से दो से ढाई लाख रुपये लिए गए। राजस्थान स्पेशल आपरेशन ग्रुप (एसओजी) की जांच में अब तक 470 फर्जी डिग्री धारक सामने आए हैं। इस मामले में एसओजी ने 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। बता दें कि एसओजी ने सोमवार को फर्जी डिग्री गिरोह के मास्टरमाइंड वीरेंद्र सिंह को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद से गिरफ्तार किया है। मंगलवार को उसे अजमेर के जिला एवं सत्र न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उसे एसओजी को रिमांड पर भेज दिया गया।

वीरेंद्र विश्वविद्यालय की डिग्री छपवाने के काम का प्रभारी था। अब तक की जांच और वीरेंद्र से हुई प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि मेवाड़ विश्वविद्यालय से फर्जी डिग्री हासिल करने के बाद करीब पांच दर्जन से अधिक लोगों ने सरकारी नौकरी हासिल की है। एसओजी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्याम सुंदर के अनुसार, वीरेंद्र पिछले छह माह से फरार था।

मुखबिर की सूचना पर एसओजी ने उसको गिरफ्तार किया है। एसओजी नकली डिग्री की खरीद-फरोख्त एवं उनके आधार पर सरकारी नौकरी हासिल करने वाले लोगों की जांच कर रही है।

चित्तौड़गढ़ जिले में स्थित मेवाड़ विश्वविद्यालय।

ऐसे हुआ खुलासा

वर्ष 2022 में राजस्थान में शारीरिक शिक्षक भर्ती परीक्षा आयोजित की गई थी। परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों के दस्तावेज की जांच के दौरान एक महिला अभ्यर्थी की डिग्री फर्जी मिली थी। इसके बाद सरकार ने चयनितों की सभी अभ्यर्थियों की डिग्री की महत्ता से जांच की तो सामने आया कि तीन दर्जन से अधिक लोगों ने फर्जी डिग्रियों के आधार पर सरकारी नौकरी हासिल की थी। जांच के बाद सरकार ने ऐसे 30 लोगों को नौकरी से बर्खास्त कर दिया था। जिनमें सबसे अधिक 18 शारीरिक शिक्षक बांसवाड़ा जिले से थे। एसओजी ने इस मामले में 20 मार्च 2023 अजमेर के सिविल लाइंस पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज किया था। इस मामले में एसओजी ने अब तक मेवाड़ विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी कीर्ति शर्मा एवं डीन कौशल किशोर सहित 13 लोगों को गिरफ्तार किया है।

बिहार में पत्नी ने दो प्रेमियों के साथ मिलकर पति को मार डाला

जागरण संवाददाता, पूर्णिया : बिहार में पूर्णिया जिले के निवासी गजेंद्र मंडल की हत्या उसकी पत्नी ने अपने दो प्रेमियों के साथ मिलकर की। इसके बाद शव को नहर के पास झाड़ी में छिपा दिया। आरोपित पत्नी ने रूपेश्वरी ओपी में पति के लापता होने का आवेदन भी दिया था। उसने पुलिस को बताया था कि तीन मई की दोनों दिब्रा बाजार से लौट रहे थे। रमजानी फाटक के पास पति ने उसे घर भेज दिया, लेकिन खुद वापस नहीं लौटा। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बनमनखी शैलेश प्रीतम ने बताया कि पति द्वारा घर निर्माण के लिए भेजी गई राशि को तीनों ने खर्च कर दिया था, जिसको लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ था। दो मई की रात गजेंद्र मंडल को शक हुआ, जिसके बाद उन्होंने पत्नी के साथ मारपीट की थी। पुलिस ने मामले में तीन मोबाइल फोन एवं एक मोटरसाइकिल भी बरामद की है। जांच में पता चला कि गणिता ने अपने दोनों प्रेमियों के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। सात मई को उसका शव बरामद हुआ था। पुलिस ने तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

बिहार में डायन होने के संदेह में 65 वर्षीय महिला को पीटकर हत्या : बिहार के गया जिले में दर्जनभर लोगों ने डायन होने के संदेह में 65 वर्षीय महिला की बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी। इसके बाद एक अन्य महिला समेत दो लोगों को भी पीटकर घायल कर दिया गया। महिला की हालत गंभीर है और उसे मगध मेडिकल कालेज गया रेफर किया गया है।

पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा को राहत नहीं, सुनवाई कल तक टली

राज्य ब्यूरो, जागरण • चंडीगढ़

पंजाब के कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने अपनी ईडी गिरफ्तारी और रिमांड आदेश को पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में चुनौती देते हुए दावा किया कि उन्हें राजनीतिक प्रतिशोध के तहत निशाना बनाया गया। अरोड़ा की ओर से दलील दी गई कि जैसे अदालत ने पहले भाजपा नेताओं या अन्य जनप्रतिनिधियों को संरक्षण दिया, वैसे ही उन्हें भी अवैध गिरफ्तारी से राहत मिलनी चाहिए। यलंबी सुनवाई के बाद कोर्ट ने अरोड़ा को तत्काल राहत न देते हुए सुनवाई 14 मई तक स्थगित कर दी। अरोड़ा ने अपनी याचिका में नौ मई को पीएमएलए के तहत हुई गिरफ्तारी को अवैध, मनमानी और अधिकार क्षेत्र से परे करार देते हुए तत्काल रिहाई की मांग की है।

उन्होंने गुरुग्राम के सत्र न्यायाधीश-सह-विशेष पीएमएलए अदालत द्वारा 16 मई तक ईडी हिरासत में भेजे जाने के आदेश को भी चुनौती दी है।

कहानियों में गढ़कर किताबी ज्ञान 'कथा लैब स्कूल' ने पाया वैश्विक सम्मान

स्लम एरिया स्थित स्कूल को पढ़ाने के विशेष तरीकों के चलते दुनिया के चुने गए 50 स्कूलों में किया गया शामिल

जागरण विशेष

50 दुनिया के शीर्ष स्कूलों में 'ग्लोबल स्कूल्स प्राइज वैज' के लिए चुना गया है स्कूल	1990 में स्कूल की शुरुआत की गई	2.5 लाख को मिल चुका है लाभ	
	56% से ज्यादा विद्यार्थी प्रति वर्ष कालेज में पाते हैं दाखिला	600 बच्चे हैं वर्तमान में स्कूल में पंजीकृत	

शालिनी देवरानी • जागरण

नई दिल्ली : कुछ बच्चे रोबोट का माडल बना रहे हैं तो कुछ कविता सुना रहे हैं। कुछ सांप-सीढ़ी का खेल खेलते हुए गिनती सीख रहे हैं। यह नजारा किसी एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटीज का नहीं, बल्कि दिल्ली के गोविंदपुरी में स्लम एरिया स्थित 'कथा लैब स्कूल' का है। आम स्कूलों की तरह यहां न तो बच्चों के हाथों में किताबें हैं और न ही परिणाम आने की चिंता। पढ़ाई ब्लैकबोर्ड और रटने तक सीमित नहीं है। प्रत्येक क्लास एक अनुभव की तरह है, जहां कहानियों से भाषा, गणित, विज्ञान सहित जिंदगी के सबक सिखाए जाते हैं। हाल ही में स्कूल को प्रभावशाली काम के लिए वार्की फाउंडेशन की ओर से दुनिया के शीर्ष 50 स्कूलों में 'ग्लोबल स्कूल्स प्राइज बैज' के लिए चुना गया है।

कलात्मक अभिव्यक्ति, सांस्कृतिक जागरूकता और रचनात्मक सोच को बढ़ावा देने में असाधारण प्रतिबद्धता निभाने वाले स्कूलों को 10 श्रेणियों में यह बैज मिला है। कथा लैब स्कूल को 'कला, संस्कृति व रचनात्मकता' श्रेणी में चुना गया है। अब टाप-10 स्कूलों की चयन प्रक्रिया जारी है। इस स्कूल का संचालन कथा नामक एनजीओ करता है, जिसके दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा व तमिलनाडु में स्कूल हैं।

गोविंदपुरी स्थित 'कथा लैब स्कूल' में अलग-अलग माडल तैयार करते स्कूली बच्चे • विपिन शर्मा

इस तरह तैयार होते हैं जिम्मेदार नागरिक

स्कूल में बच्चे घेरा बनाकर बैठे हैं और टीचर जुगनू की कहानी सुना रही हैं। इस बीच कोई बच्चा कापी में जुगनू बनाता है, तो कोई पूछता है- मैम, क्या हम भी किसी की जिंदगी में रोशनी बन सकते हैं? फिर शुरू होता है कल्पना का ऐसा दौर, जहां बच्चे खुद सवालों के जवाब पाते हैं। ऐसा नजारा इस स्कूल में देखने को मिलता है, क्योंकि स्कूल की खासियत 'स्टोरी पैडागाजी' है। कथा की वरिष्ठ सलाहकार परविंदर कौर बताती हैं कि बच्चे कहानी के किरदार बन अभिनय करते हैं, संगीत व नृत्य के साथ हिंदी-विज्ञान जैसे विषयों को समझते हैं और खेल-खेल में गणित के सवाल हल करते हैं। पानी, स्वच्छता, स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे मुद्दे कक्षा में चर्चा का हिस्सा होते हैं, ताकि बच्चे समुदाय में बदलाव लाने वाले जिम्मेदार नागरिक बन सकें। हर सत्र की एक विशेष थीम होती है, उसी पर हर विषय का करिकुलम तैयार होता है।

कथा स्कूल्स की डायरेक्टर रीता, कथा की वरिष्ठ सलाहकार परविंदर कौर (दाएं) • विपिन शर्मा

प्रोफेशनल कोर्स में 18 वर्ष से अधिक आयु के बाहरी युवाओं को भी दाखिला

पद्मश्री गीता धर्मराजन ने 1990 में पांच बच्चों के साथ इस स्कूल की शुरुआत की थी। वर्तमान में स्कूल में 600 बच्चे शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। स्कूल ने 'कथा रिलेटेड एजुकेशन फार आल-राउंड डेवलपमेंट' के तहत शिक्षा का ऐसा माडल तैयार किया है, जो अभी तक करीब ढाई लाख बच्चों का जीवन बदल चुका है। कथा स्कूल्स की डायरेक्टर रीता सूक्ष्मा बताती हैं कि प्राप्ति वर्ष स्कूल के 56 प्रतिशत से ज्यादा विद्यार्थी कालेजों में दाखिला पाते हैं। स्कूल में कटिंग एंड टेलरिंग, कारपेंटर, ब्रेकरी, रोबोटिक्स, आइटी व कंप्यूटर का प्रशिक्षण भी दिया जाता है। प्रोफेशनल कोर्सों में छात्रों के साथ 18 वर्ष से अधिक आयु के बाहरी युवा व युवतियां भी दाखिला ले सकती हैं। यह बताती हैं कि स्कूल से शिक्षा प्राप्त कर प्रिया कुमारी, लोकेश, ज्योति, गुलिस्ता देश-विदेश में कार्यरत हैं।

जारा और चंद्रिका ने किया प्रभावित

पुरस्कार के लिए 12 वर्षीय जारा प्रवीन और चंद्रिका की कहानी साझा की गई। जारा ने स्क्रैच जूनियर क्रिएशन के साथ मिलकर एनिमेटेड कहानी तैयार करते हुए कहानी व कोडिंग का तालमेल पेश किया है। साथ ही कारियन एजुकेशन सेंटर की ओर से हुए 'फोरियन आर्ट कांटेस्ट 2025' में चित्रकला प्रतियोगिता में पहला पुरस्कार जीता है। 'फोडिंग इंडिया 2024' ने 'अन्नरक्षण' प्रतियोगिता में खाने की बर्बादी रोकने को विचार मांगे थे, जिसमें जारा को दूसरा पुरस्कार मिला था। वहीं, चंद्रिका ने एक्सप्रेशन इन मोशन के तहत कलाकार के तौर पर संस्कृति और भारतीय विरासत को सहेजने और आगे बढ़ाने में भूमिका निभाते हुए कई पुरस्कार जीते हैं।

अंजलिका सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।

72 घंटे में नेपाल से भारत लौटना होगा, देरी पर जुर्माना

संवाद श्रीबास्तव • जागरण,

- 1500 रुपये जुर्माना आदेश के बाद ट्रांसपोर्टरों व व्यापारियों में बढ़ी नाराजगी

बहराइच : नेपाल में सत्ता परिवर्तन के बाद भारतीय मालवाहक वाहनों और व्यापारियों के लिए मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। नेपाल सरकार के नए फरमान के मुताबिक, अब भारतीय मालवाहक वाहनों को नेपाल में प्रवेश के 72 घंटे के भीतर वापस लौटना अनिवार्य होगा। यदि वाहन तय समय सीमा से अधिक रुकता है, तो प्रति वाहन 1500 भारतीय रुपये (2500 नेपाली रुपये) का जुर्माना प्रतिदिन की दर से वसूला जाएगा। इस आदेश से सीमावर्ती रुपईडीहा बाजार के ट्रांसपोर्टरों, व्यापारियों और चालकों में खलबली मच गई है। उ.प्र. उद्योग व्यापार मंडल, रुपईडीहा के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने कहा कि अचानक बढ़ी सख्ती से सीमाई क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था चरमरा रही है। भारत और नेपाल के बीच केवल व्यापारिक ही नहीं, बल्कि गहरे सांस्कृतिक और पारिवारिक संबंध हैं। नियमों को व्यावहारिक बनाना जरूरी है अन्यथा छोटे कारोबारियों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो जाएगा।

महिला से सामान छीनती नेपाल सेना की जवान। इंटरनेट मीडिया

नेपाल के आइसीपी (इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट) प्रबंधक तरक राज जोशी ने बताया कि यह व्यवस्था सीमा पर वाहनों की अनावश्यक भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लागू की गई है। हालांकि, भारतीय कारोबारियों का तर्क है कि कस्टम जांच, लोडिंग-अनलोडिंग और दुर्गम रास्तों के कारण अक्सर 72 घंटे से अधिक का समय लग जाता है। ऐसे में यह नियम व्यापारिक संबंधों के साथ-साथ दोनों देशों के बीच रोटी-बेटी के सांस्कृतिक रिश्तों पर भी चोट कर रहा है। नेपाल सरकार ने भारतीय बाजारों से 100 रुपये से अधिक की खरीदारी कर ले जाने वाले नागरिकों पर भी कस्टम शुल्क लगा दिया है।

भोपाल डीआइजी समेत चार पुलिसकर्मियों के विरुद्ध डकैती का परिवाद दर्ज

नईदुनिया प्रतिनिधि, ग्वालियर : ग्वालियर जिला न्यायालय ने भोपाल के डीआइजी देहात समेत तीन अन्य पुलिस कर्मियों के खिलाफ डकैती सहित अन्य धाराओं में परिवाद दर्ज किया है। मामला ग्वालियर जिले के थाटीपुर थाना क्षेत्र का है, जहां पुलिस ने वर्ष 2023 में चित्रलेखा जैन और विक्रम राणा पर धोखाधड़ी की एफआइआर दर्ज की थी। जिस शिकायतकर्ता ने यह एफआइआर दर्ज करवाई थी, उससे बाद में आरोपितों का समझौता हो गया। जांच अधिकारी ने मामला खत्म करने के एवज में आरोपितों से पैसे की मांग की थी। आरोप है कि लगभग पांच लाख 80 हजार रुपये ले भी लिए। पुलिस ने देखा कि आरोपित और भी पैसे दे सकते हैं तो उन्होंने सभी को थाने बुलाकर धमकाया और दो बार में 15 लाख और साढ़े नौ लाख रुपये और वसूल लिए। इसके बाद भी शिकायतकर्ता को 30 लाख रुपये देने और पुलिस को छह लाख रुपये और देने का दबाव बनाते रहे। इससे परेशान आरोपित के भाई अनूप राणा ने ग्वालियर के तत्कालीन एसपी राजेश चंदेल से शिकायत की। आरोप है कि तत्कालीन एसपी ने कोई कार्रवाई न करते हुए मामला उसी थाने को भेज दिया।

महिला को कुत्तों ने नोचा, खाना खिलाने वाले डाक्टर पर केस

जागरण संवाददाता, फिरोजपुर : पंजाब के फिरोजपुर के प्रीतम नगर में एक माह पहले एक महिला को आवारा कुत्तों द्वारा नोचने के मामले में थाना सिटी पुलिस ने कुत्तों को खाना खिलाने वाले एक डाक्टर के खिलाफ केस दर्ज किया है। दीपिका 10 अप्रैल की शाम के समय अपने घर के बाहर सैर कर रही थीं, तब 10-12 कुत्तों ने उन्हें नोच लिया। इनमें से छह कुत्ते डाक्टर मनीष कुमार उर्फ नंदा के पाले हुए हैं। डाक्टर ने उनको खाना देते हैं। पीड़िता ने बताया कि कुत्तों ने उनकी बाजू बुरी तरह से नोच दी। एएसआइ ने बताया कि पुलिस ने पीड़िता के बयान पर डाक्टर नंदा के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

खर्च में कमी से टाटा पावर का लाभ आठ प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली : टाटा पावर ने मंगलवार को बताया कि बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च 2026) के दौरान कम खर्च के कारण उसका शुद्ध लाभ आठ प्रतिशत बढ़कर 1,415.52 करोड़ रुपये रहा है। पिछले वर्ष समान अवधि में कंपनी को 1,306.09 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था। बीती तिमाही के दौरान कंपनी का कुल खर्च घटकर 14,876.50 करोड़ रुपये रहा है, जो पिछले वर्ष समान अवधि में 16,197.77 करोड़ रुपये रहा था। (प्रेट्र)

कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद कंपनी अगले दशक में धीरे-धीरे अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने और हर भारतीय को सेवा देने का लक्ष्य रख रही है।
– संजीव बजाज, चेयरमैन, बजाजफिनसर्व

सेंसेक्स	74,559.24	▼ 1,456.04
निफ्टी	23,379.55	▼ 436.30
सोना प्रति दस ग्राम	₹ 1,56,800	▲ ₹ 1,500
चांदी प्रति किलो ग्राम	₹ 2,77,000	▲ ₹ 12,000
डालर	₹ 95.68	▲ ₹ 0.40
क्रूड प्रति बैरल	$ 107.1	

एक नजर में

चालू वित्त वर्ष में 4-5% बढ़ सकती है बिजली की मांग

नई दिल्ली : रेटिंग एजेंसी फिच रेटिंग्स ने एक रिपोर्ट में अनुमान जताया है कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान भारत में बिजली की मांग वार्षिक आधार पर 4-5 प्रतिशत बढ़ सकती है। इसमें बीते वित्त वर्ष 2025-26 की 0.9 प्रतिशत की मामूली वृद्धि के मुकाबले बड़ा सुधार रहेगा। फिच रेटिंग्स ने कहा कि लगातार हो रही आर्थिक वृद्धि और देश में कूलिंग जरूरतों में आई तेज बढ़ोतरी का बिजली मांग बढ़ाने में प्रमुख योगदान रहेगा। (एएनआइ)

चार रुपये प्रति शेयर का लाभांश देगी बर्जर पेंट्स

नई दिल्ली : पेंट निर्माता कंपनी बर्जर पेंट्स के बोर्ड ने अपने शेयरधारकों को बीते वित्त वर्ष 2025-26 के लिए चार रुपये प्रति शेयर का लाभांश देने की सिफारिश की है। बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च 2026) के दौरान कंपनी का शुद्ध लाभ 27.52 प्रतिशत बढ़कर 335.25 करोड़ रुपये रहा है। लाभ बढ़ने में उत्पाद मिश्रण और कच्चे माल की कीमतों में नरमी का प्रमुख योगदान रहा है। कंपनी के सीईओ अभिजीत राय ने भविष्य की संभावनाओं पर कहा कि सभी श्रेणी और घरेलू मांग के संकेतकों में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। (प्रेट्र)

एक जून से लागू हो सकता है भारत-ओमान एफटीए

नई दिल्ली : वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत और ओमान के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के एक जून से लागू होने की उम्मीद जताई है। इस समझौते पर दोनों देशों ने दिसंबर, 2025 में हस्ताक्षर किए थे। इसके अमल में आने से भारत की 98 प्रतिशत निर्यात तक शुल्क मुक्त पहुंच मिलेगी। इसमें टेक्सटाइल, खेती और लेदर शामिल है। चिली के विदेश मंत्री के साथ हुई बैठक पर गोयल ने कहा कि दोनों देशों की आर्थिकी का आकार अलग-अलग है और एक-दूसरे को मिलने वाले मौकों के अलग-अलग स्तर को देखते हुए चुनौतियां हैं। (प्रेट्र)

खपत घटाने के लिए स्वर्ण आयात नीति की हो समीक्षा

जीटीआरआइ ने समझौते में यूएई से सोना आयात पर दी गई छूट का दिया उदाहरण

नई दिल्ली, प्रेट्र: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में विदेशी मुद्रा बचाने के लिए लोगों से एक वर्ष तक सोने की खरीद नहीं करने की अपील की है। इस बीच आर्थिक थिंक टैंक जीटीआरई ने कहा है कि सोने की खपत को कम करने के लिए सरकार को अपनी इस कीमती धातु संबंधी आयात नीति की समीक्षा करनी चाहिए। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ हुए व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) में कीमती धातुओं को टैरिफ छूट का उदाहरण देते हुए जीटीआरआइ ने कहा कि इसके बाद दुबई से सोना आयात काफी बढ़ा है।

- सीईपीए के चलते संयुक्त अरब अमीरात से सामान्य शुल्क से एक प्रतिशत कम पर आता है सोना
- समझौते से पहले भारत के सोना आयात में यूएई का हिस्सा 7.9% था, जो 2025 में 28% हुआ

2.9 अरब डालर के सोने की छड़ों का आयात हुआ था यूएई से वर्ष 2022 में

16.5 अरब डालर पर पहुंचा वर्ष 2025 में दुबई से सोना छड़ों के आयात का मूल्य

भारत-यूएई के बीच सीईपीए मई 2022 में लागू हुआ था। समझौते के तहत भारत ने टैरिफ रेट कोटा (टीआरक्यू) प्रणाली के माध्यम से यूएई से सोने के आयात पर सामान्य आयात शुल्क से एक प्रतिशत कम टैरिफ की अनुमति दी।

जीटीआरआइ के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि 2024 के बजट में भारत ने सोने के आयात शुल्क को 15 प्रतिशत से घटाकर छह प्रतिशत कर दिया। इससे दुबई से आयातित सोना भारत में केवल पांच प्रतिशत शुल्क पर ही प्रवेश कर पाया। तब से दुबई से आयात में भारी बढ़ोतरी हुई है। यूएई से भारत के सोने के बार (छड़) का आयात 2022 में 2.9 अरब डालर से बढ़कर 2023 में 6.7 अरब डालर और 2025 में 16.5 अरब डालर तक पहुंच गया। सीईपीए लागू होने से पहले भारत के सोना आयात में दुबई की हिस्सेदारी 7.9 प्रतिशत थी, जो 2025 में बढ़कर 28 प्रतिशत पर पहुंच गई।

श्रीवास्तव ने कहा कि यह रुझान चिंता पैदा करता है क्योंकि यूएई न तो सोने का खनन करता है और न ही वहां कोई बड़ी प्रसंस्करण गतिविधि होती है। इससे प्रतीत होता है कि इस व्यापार का एक बड़ा हिस्सा तीसरे देशों से सोने को दुबई के रास्ते भारत भेजना है, ताकि भारत के कम टैरिफ का फायदा उठाया जा सके। जीटीआरआइ ने विदेशी मुद्रा भंडार की रक्षा के लिए कीमती धातुओं के मूल-स्थान संबंधी नियमों को और कड़ा करने, एफटीए के तहत कीमती धातुओं पर दी गई रियायतों की समीक्षा करने और भविष्य के व्यापार समझौतों से सोना, चांदी, प्लेटिनम और हीरे को बाहर रखने की सिफारिश की है। बीते वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारत का सोना आयात मात्रा के लिहाज से 4.76 प्रतिशत घटकर 721.03 टन रहा है। लेकिन मूल्य के लिहाज से यह 24 प्रतिशत बढ़कर 71.98 अरब डालर रहा है। भारत के कुल सोना आयात में स्विट्जरलैंड की सबसे अधिक 40 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इसके बाद दुबई और दक्षिण अफ्रीका हैं।

रुपये में गिरावट से चांदी 12 हजार रुपये बढ़ी

नई दिल्ली, प्रेट्र: डालर के मुकाबले रुपये में गिरावट और भू-राजनीतिक तनाव के बीच घरेलू माहौल में मजबूती से मंगलवार को कीमती धातुओं की कीमतों में तेजी दर्ज की गई। आल इंडिया सराफा एसोसिएशन के अनुसार, सोना सोमवार के 1,55,300 रुपये के बंद स्तर से 1,500 रुपये या लगभग 1 प्रतिशत बढ़कर 1,56,800 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। वहीं चांदी 12,000 रुपये या 4.53 प्रतिशत बढ़कर 2,77,000 रुपये प्रति किलो हो गई। पिछले कारोबारी सत्र में यह सफेद धातु 2,65,000 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी।

- सोना 1,500 रुपये बढ़कर 1,56,800 रुपये 10 ग्राम हुआ
- दिल्ली में चांदी का मूल्य 2.77 लाख रुपये किलो हुआ

विदेशी बाजारों में हाजिर सोना 42.33 डालर या एक प्रतिशत गिरकर 4,692.64 डालर प्रति औंस पर आ गया। जबकि चांदी 3.04 प्रतिशत गिरकर 83.49 डालर प्रति औंस पर आ गई। ब्रोकरेज फर्म कोटक सिक्योरिटीज ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना तीन सप्ताह के उच्चस्तर से गिरकर 4,700 डालर प्रति औंस के करीब ट्रेड कर रहा है और मजबूत डालर और बढ़ते ट्रेजरी बांड यील्ड के दबाव में हाजिर चांदी 85 डालर से नीचे फिसल गया है। ब्रोकरेज फर्म ने कहा, "लगातार भू-राजनीतिक तनाव और महंगाई की अनिश्चितता सोने और चांदी की कीमतों को बढ़ाने में मददगार बनी हुई है।" एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (कमोडिटीज) सौमिल गांधी ने कहा, 'मंगलवार को डालर के मुकाबले रुपया 35 पैसे गिरकर 95.63 के अब तक के सबसे निचले स्तर पर बंद हुआ, जिससे घरेलू सोने की कीमतों को मजबूत समर्थन मिला।

रुपया 40 पैसे लुढ़ककर 95.68 प्रति डालर के नए रिकार्ड निचले स्तर पर

मुंबई, प्रेट्र: अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच वैश्विक बाजारों में जोखिम से बचने की प्रवृत्ति बढ़ने से मंगलवार को रुपया डालर के मुकाबले 40 पैसे लुढ़ककर 95.68 के अपने सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ।

विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.57 पर खुला और कारोबार के दौरान 95.74 के अब तक के निचले स्तर तक आ गया। कारोबार के अंत में यह 95.68 पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 40 पैसे की बड़ी गिरावट है। सोमवार को भी रुपया 79 पैसे टूटकर 95.28 के रिकार्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था। विश्लेषकों के अनुसार, कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और डालर की मजबूती से रुपये पर दबाव बना हुआ है। हालांकि, आरबीआइ के हस्तक्षेप से सहारा मिल सकता है। मिराए एसेट शेयरखान के विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा, 'अमेरिका-ईरान शांति वार्ता को लेकर व्याप्त अनिश्चितता के बीच रुपये में कमजोरी का रुख रह सकता है।

अप्रैल में मामूली बढ़कर 3.48 प्रतिशत पर पहुंची खुदरा महंगाई

नई दिल्ली, प्रेट्र: सोने-चांदी के साथ रसोई में इस्तेमाल होने वाले कुछ उत्पादों की कीमतों में वृद्धि अप्रैल में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 3.48 प्रतिशत हो गई। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआइ) पर आधारित इस महंगाई दर का आधार वर्ष 2024 है। मार्च में खुदरा महंगाई दर 3.40 प्रतिशत, फरवरी में 3.21 प्रतिशत और जनवरी में 2.74 प्रतिशत थी। अप्रैल में खाने-पीने की चीजों की महंगाई दर 4.20 प्रतिशत रही जबकि मार्च में यह 3.87 प्रतिशत थी।

- सोने-चांदी के साथ खाने-पीने के उत्पादों की कीमतों में वृद्धि से बढ़ी महंगाई
- ग्रामीण और शहरी इलाकों के लिए महंगाई दर क्रमशः 3.74 प्रतिशत और 3.16 प्रतिशत रही

राज्यवार महंगाई के आंकड़ों को देखें तो सबसे ज्यादा मुद्रास्फीति तेलंगाना (5.81 प्रतिशत) में और सबसे कम मिजोरम में 0.69 प्रतिशत दर्ज की गई। राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी आंकड़ों से पता चलता है कि ग्रामीण और शहरी इलाकों के लिए महंगाई दर क्रमशः 3.74 प्रतिशत और 3.16 प्रतिशत थी। अप्रैल में सबसे ज्यादा महंगाई चांदी की ज्वेलरी (144.34 प्रतिशत) में दर्ज की गई। इसके बाद नारियल-खोपरा में 44.55 प्रतिशत, सोना, हीरा, प्लेटिनम ज्वेलरी में 40.72 प्रतिशत, टमाटर में 35.28 प्रतिशत और फूलगोभी में 25.58 प्रतिशत दर्ज की गई। हालांकि, पिछले महीने आलू, प्याज, मोटर कार और जीप, मटर और एयरकंडीशनर की कीमतें घटी हैं। आरबीआइ ने 2026-27 में खुदरा महंगाई 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने लगातार चौथे साल कमाया लाभ

नई दिल्ली, प्रेट्र: सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) ने वित्त वर्ष 2025-26 में 1.98 लाख करोड़ रुपये का अब तक का सबसे अधिक शुद्ध लाभ दर्ज किया है। वित्त मंत्रालय के अनुसार, परिसंपत्ति की गुणवत्ता में सुधार, ऋण के स्वस्थ विस्तार और आय में वृद्धि ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान सरकारी बैंकों की लाभप्रदता में योगदान दिया। इस दौरान कुल शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 11.1 प्रतिशत बढ़कर 1.98 लाख करोड़ रुपये के रिकार्ड उच्च स्तर पर रहा।

सरकारी बैंकों का कुल कारोबार 31 मार्च, 2026 तक 283.3 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 12.8 प्रतिशत ज्यादा है। कुल जमा राशि सालाना आधार पर 10.6 प्रतिशत बढ़कर 156.3 लाख करोड़ रुपये रही, जो जमाकर्ताओं के निरंतर भरोसे और बैंकों द्वारा संसाधन जुटाने का परिणाम है।

कच्चे तेल में तेजी से 1456 अंक गिरा सेंसेक्स

मुंबई, प्रेट्र: कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और पश्चिम एशिया संघर्ष को लेकर अनिश्चितता के चलते लगातार चौथे दिन शेयर बाजार नीचे बंद हुए और सेंसेक्स और निफ्टी लगभग दो प्रतिशत गिर गए। बड़े पैमाने पर बिकवाली के बीच 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,456.04 अंक या 1.92 प्रतिशत गिरकर 74,559.24 पर बंद हुआ। दिन के दौरान, यह 1,565.78 अंक या दो प्रतिशत गिरकर 74,449.50 पर आ गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 436.30 अंक या 1.83 प्रतिशत गिरकर 23,379.55 पर बंद हुआ। लगातार विदेशी फंड की निकासी और रुपये के अब तक के सबसे निचले स्तर तक गिरने से निवेशकों की भावना पर भी असर पड़ा।

चार कारोबारी सत्रों में बीएसई 3,399.28 अंक या 4.36 प्रतिशत गिरा है जबकि निफ्टी में 951.4 अंक या 3.91 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में से टेक महिंद्रा, अदाणी पोर्ट्स, एचसीएल टेक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाइटन और भारत इलेक्ट्रानिक्स प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। वहीं सिर्फ भारतीय स्टेट बैंक में तेजी रही। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 2.75 प्रतिशत बढ़कर 107.1 डालर प्रति बैरल पर पहुंच गया। एशियाई बाज़ारों में, दक्षिण कोरिया का बेंचमार्क कास्पी, शंघाई का एसएसई कंपोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग नीचे बंद हुए। सोमवार को सेंसेक्स 1,312.91 अंक टूटकर 76,015.28 अंक पर बंद हुआ था, वहीं निफ्टी 360.30 अंक की गिरावट के साथ 23,815.85 पर रहा था।

विदेशी फंड की लगातार निकासी और रुपये के अब तक के सबसे निचले स्तर तक गिरने से निवेशकों की धारणा पर पड़ा असर

74,559 अंक पर बंद हुआ बीएसई का मानक सूचकांक सेंसेक्स

436 अंक की गिरावट से 23,379 पर आया निफ्टी

3,399 अंक गिरा है सेंसेक्स चार सत्रों में

951 अंक की गिरावट दर्ज की गई है निफ्टी में इस दौरान

गिरावट बड़े पैमाने पर थी और इसकी अगुआई सूचना-प्रौद्योगिकी और रियल्टी स्टाक ने की। एआइ से होने वाले मूल्य दबाव को लेकर चिंता बढ़ने से आइटी स्टाक का प्रदर्शन खराब रहा।
-विनोद नायर, रिसर्च हेड, जियोजित इन्वेस्टमेंट लिमिटेड

चार कारोबारी सत्रों में 16.77 लाख करोड़ घटी संपत्ति

पिछले चार कारोबारी सत्रों में निवेशकों की संपत्ति में 16.77 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई है। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का पूंजीकरण घटकर 4,56,02,981 करोड़ रुपये रह गया।

आइटी शेयर लुढ़के	
टेक महिंद्रा	4.44
एचसीएल टेक	4.11
टीसीएस	2.84
विप्रो	3.59
इन्फोसिस	3.09

बिजनेस से जुड़ी खबरों और अपडेट के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

अंतरराष्ट्रीय

न्यूज गैलरी

एअर इंडिया ने बढ़ाया इजरायल के लिए उड़ानों का निलंबन

यरुशलम : एअर इंडिया ने मंगलवार को कहा कि पश्चिम एशिया में अनिश्चितताओं के बीच तेल अवीव-दिल्ली मार्ग पर उड़ानों का निलंबन जून के अंत तक बढ़ा दिया गया है। इससे पहले अप्रैल में एअर इंडिया ने मई के अंत तक अपने परिचालन को रोकने की घोषणा की थी, लेकिन अब इसे और आगे बढ़ाने का फैसला किया गया है। (प्रेट्र)

बढ़ सकते हैं हंटावायरस के मामले : डब्ल्यूएचओ

मैड्रिड: डब्ल्यूएचओ ने हंटावायरस संक्रमण को लेकर नई चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि आने वाले हफ्तों में और मामले सामने आ सकते हैं। हालांकि फिलहाल वैश्विक स्तर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिम को कम बताया है। डब्ल्यूएचओ प्रमुख ने कहा है कि वायरस की लंबी इन्क्यूबेशन अवधि को देखते हुए नए संक्रमण आना संभव है। अब तक हंटावायरस के सामने आए 11 मामलों में तीन लोगों की मौत हो गई है। (आइएएनएस)

बंकर में होने का दावा खारिज करता पुतिन का वीडियो आया

मास्को : क्रेमलिन ने एक वीडियो जारी किया है, जिसमें रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन मास्को में कार ड्राइव करते हुए अपनी पुरानी स्कूल टीचर से बड़ा-सा गुलदस्ता लेकर होटल के लाबी में मिलते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह वीडियो तब जारी किया गया, जब पश्चिमी मीडिया ने एक खुफिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा था कि 'रूसी राष्ट्रपति कई हफ्तों तक बंकरों में छिपे रहे। (रायटर)

इजरायल में फांसी की सजा के लिए विशेष ट्रिब्यूनल को मंजूरी

यरुशलम : इजरायली संसद नेसेट ने सोमवार को एक ऐसे विधेयक को मंजूरी दे दी, जिसके तहत 7 अक्टूबर 2023 को हमास के हमले में शामिल आरोपितों की सुनवाई के लिए विशेष ट्रिब्यूनल गठित किया जाएगा। यह ट्रिब्यूनल दोष सिद्ध होने पर मृत्युदंड सुनाने का अधिकार रखेगा। 120 सदस्यीय नेसेट में विधेयक 93-0 के मत से पारित हुआ। विधेयक को इजरायल के इतिहास के सबसे भीषण हमले के दोषियों को दंडित करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। (एपी)

युद्धविराम पर संकट, ईरान ने परमाणु बम बनाने की दी चेतावनी

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: पश्चिम एशिया में पिछले एक महीने से कायम युद्धविराम अब टूटने की कगार पर पहुंच गया है। अमेरिका और ईरान के बीच शांति प्रस्तावों पर सहमति नहीं बनने से तनाव लगातार बढ़ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को ईरान के प्रस्ताव को खारिज करते हुए संकेत दिया कि युद्धविराम अब गंभीर संकट में है और ज्यादा दिन टिक नहीं पाएगा। इसके बाद खाड़ी क्षेत्र में फिर बड़े संघर्ष की आशंका गहरा गई है।

ट्रंप के बयान पर ईरान ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। तेहरान ने कहा कि वह अब भी बातचीत के जरिये समाधान चाहता है, लेकिन उसकी अंगुलियां ट्रिगर पर हैं। ईरान ने चेतावनी दी कि यदि उस पर दोबारा हमला हुआ तो वह परमाणु बम बनाने से पीछे नहीं हटेगा।

खाड़ी संकट के लंबे खिंचने का असर वैश्विक तेल बाजार पर भी दिखा और कच्चे तेल की कीमतें बढ़कर 108 डालर प्रति बैरल तक पहुंच गईं। वहीं, अमेरिका ने ईरान की मदद करने वाले व्यक्तियों और कंपनियों पर नए प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है।

ईरान की अमेरिका को कड़ी चेतावनी: रायटर के अनुसार, ईरान की संसदीय राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति आयोग के प्रवक्ता इब्राहिम रेजाई ने एक्स पर लिखा कि यदि देश पर दोबारा हमला हुआ तो ईरान यूरेनियम संवर्धन को 90 प्रतिशत शुद्धता तक ले जा सकता है। यह स्तर हथियार-ग्रेड संवर्धन माना जाता है। इससे पहले ट्रंप ने ईरान के 14 सूत्रीय शांति प्रस्ताव को 'कचरा' बताते हुए कहा था कि दोनों देशों के बीच संघर्षविराम 'वेंटिलेटर' पर है।

ईरानी संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकर गलीबाफ ने एक्स पर लिखा, 'हम हर विकल्प के लिए तैयार हैं। वे चौंक जाएंगे।' सरकारी एजेंसी फार्स न्यूज के अनुसार, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आइआरजीसी) नौसेना ने होर्मुज स्ट्रेट की अपनी सामरिक परिभाषा का विस्तार करते हुए इसे पहले से कहीं बड़ा 'आपरेशनल क्षेत्र' घोषित किया है। कहा कि अब जलडमरूमध्य को केवल कुछ द्वीपों तक सीमित क्षेत्र के रूप में नहीं देखा जाएगा। पहले होर्मुज और हेंगाम द्वीपों के आसपास सीमित माने जाने वाले इस क्षेत्र को अब पूर्व में जास्क शहर से लेकर पश्चिम में सीरी द्वीप तक फैला रणनीतिक क्षेत्र माना जाएगा। पहले जिस जलडमरूमध्य की चौड़ाई 20 से 30 मील मानी जाती थी, अब उसे बढ़ाकर 200 से 300 मील तक का क्षेत्र माना जा रहा है।

- ट्रंप की धमकी पर ईरान बोला- दोबारा हमला हुआ तो यूरेनियम संवर्धन 90% की शुद्धता तक ले जाएंगे

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पोस्ट की गईं एआइ तस्वीरें। सौ. ट्रुथसोशल

ट्रंप ने ईरान पर हमलों की एआइ तस्वीरें साझा कर दिए गंभीर संकेत

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध केवल खाड़ी में ही नहीं लड़ा गया, बल्कि इसका एक संस्करण इंटरनेट मीडिया पर भी देखा जा सकता है। ट्रंप ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई दर्शाने वाली एआइ-निर्मित तस्वीरें इंटरनेट मीडिया पर साझा की हैं। इनमें लेजर हथियारों से ईरानी विमानों को निशाना बनाते दिखाया गया है। ट्रंप ने अपने 'ट्रुथ सोशल' पर कई काल्पनिक युद्ध दृश्य पोस्ट किए हैं। एक तस्वीर में अमेरिकी युद्धपोत को ईरानी झंडा लगे विमान पर हमला करते दिखाया गया। इसके साथ ट्रंप ने लिखा, 'लेजर्स : बिंग, बिंग, गान!!!' एक अन्य एआइ तस्वीर में अमेरिकी ड्रोन को ईरान की तथाकथित 'फास्ट बोट्स' के ऊपर उड़ते दिखाया गया है।

पाक ने माना, खाड़ी युद्ध में ईरान को एयरबेस इस्तेमाल की दी थी छूट

इस्लामाबाद, एएनआइ: पाकिस्तान ने स्वीकार किया है कि खाड़ी युद्ध के दौरान उसने ईरानी विमानों को अपने रणनीतिक सैन्य एयरबेस इस्तेमाल की अनुमति दी थी। यह बात सामने आने के बाद अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे पाकिस्तान पर सवाल खड़े हो गए हैं। मामला तब चर्चा में आया जब सीबीएस न्यूज ने दावा किया कि पाकिस्तान ने चुपके से ईरानी सैन्य विमानों को अपना एयरफील्ड इस्तेमाल करने दिया, ताकि वे अमेरिकी हमलों से सुरक्षित रह सकें। रिपोर्ट में कहा गया कि युद्धविराम के बाद ईरान ने अपने कई विमान पाकिस्तान के नूर खान एयरबेस पर भेजे थे।

रिपोर्ट सामने आने के बाद पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर नूर खान एयरबेस पर ईरानी विमानों की मौजूदगी से जुड़ी खबरों को 'सिरे से खारिज' करने की कोशिश की। हालांकि, यह स्वीकार किया कि ईरानी और अमेरिकी विमानों ने वार्ता प्रक्रिया से जुड़े लोगों की आवाजाही के लिए पाकिस्तान के एयरस्पेस और एयरबेस का इस्तेमाल किया था।

अमेरिका में पाकिस्तान के प्रति अविश्वास बढ़ा

इस घटनाक्रम के बाद अमेरिका में पाकिस्तान की भूमिका को लेकर संदेह गहरा गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी माने जाने वाले रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने पाकिस्तान की मध्यस्थ भूमिका की समीक्षा की मांग की है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप प्रशासन के भीतर भी यह चिंता बढ़ रही है कि पाकिस्तान अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता की वास्तविक स्थिति सही तरीके से साझा नहीं कर रहा है।

'भारत की प्राचीन गणितीय विरासत ने रखी आधुनिक विज्ञान की नींव'

संयुक्त राष्ट्र, प्रेट्र : विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि वैज्ञानिक प्रगति को लंबे समय से 'संकीर्ण दृष्टिकोण' से देखा गया है जबकि जबकि भारत की प्राचीन गणितीय विरासत आधुनिक विज्ञान और तकनीक की नींव है। उन्होंने ऐतिहासिक गलत धारणाओं को 'ठीक' करने और भारत के योगदान को मान्यता देने पर जोर दिया। जयशंकर ने गणित के क्षेत्र में भारत के योगदान को दर्शाने वाली प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए ये बातें कहीं। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन द्वारा आयोजित 'शून्य से अनंत तक - गणित में भारतीय सभ्यता का योगदान' शीर्षक वाली प्रदर्शनी का आयोजन भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद ने किया है।

जयशंकर ने सोमवार को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में अपनी तरह की पहली गणितीय प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए कहा, भू-राजनीतिक उथल-पुथल के कारण राजनीतिक और आर्थिक अदलाव हो रहा है, और यह अनिवार्य रूप से सांस्कृतिक पुनर्संतुलन का मार्ग भी प्रशस्त कर रहा है। यह प्रदर्शनी 'सम्हिता' (दक्षिण एशियाई पांडुलिपियों का इतिहास और दस्तावेज संग्रह) परियोजना का हिस्सा है।

यह प्रदर्शनी गणित के क्षेत्र भारत के योगदान को दर्शाती है। भारत की प्राचीन गणितीय अवधारणाएं सहस्राब्दियों से दुनियाभर में फैली हैं।

संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित गणितीय प्रदर्शनी में विदेश मंत्री एस. जयशंकर। प्रेट्र

अमेरिकी शहर की मेयर निकली चीन की एजेंट, दिया इस्तीफा

न्यूयार्क टाइम्स से

वाशिंगटन : अमेरिका में कैलिफोर्निया प्रांत के अर्काडिया शहर की मेयर ईलीन वांग चीन की एजेंट पाई गई है। वांग ने चीन के एजेंट के रूप में काम करने का जुर्म स्वीकार कर लिया है और मेयर पद से इस्तीफा दे दिया है। इस मामले में वांग को अधिकतम दस वर्ष जेल की सजा हो सकती है।

ईलीन वांग। फाइल

संघीय अभियोजकों ने सोमवार को बताया कि 58 वर्षीय ईलीन वांग और उसके 65 वर्षीय पूर्व मंगेतर माइक सन पर चीनी सरकार के अधिकारियों के कहने पर अमेरिका में चीन के समर्थन में प्रचार करने का आरोप लगाया गया है।

अपनी ही पार्टी में घिरे ब्रिटिश पीएम स्टार्मर, पद छोड़ने का बढ़ा दबाव

न्यूयार्क टाइम्स से

- पीएम पर दबाव बनाने को तीन जूनियर मंत्रियों का त्यागपत्र
- 80 लेबर सांसदों ने कहा, पद छोड़ने की तिथि बताएं स्टार्मर

लंदन: ब्रिटेन में स्थानीय चुनावों में सत्तारूढ़ लेबर पार्टी की हार के बाद प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर अपनी ही पार्टी में घिर गए हैं। उन पर पद छोड़ने का दबाव बढ़ गया है। उनकी लेबर पार्टी के कई सांसदों और मंत्रियों ने इस्तीफे की मांग की है। हालांकि उन्होंने इस्तीफे की मांग को ठुकरा दिया है और पार्टी के अंदर अपने खिलाफ उठती आवाज को शांत करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन स्टार्मर सरकार के तीन जूनियर मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया और पीएम से भी ऐसा ही करने की अपील की है।

स्टार्मर ने सोमवार को माना कि पिछले सप्ताह इंग्लैंड, स्काटलैंड और वेल्स में हुए चुनावों में लेबर पार्टी के उम्मीदवारों को मतदाताओं ने अस्वीकार कर दिया। उन्होंने कहा, यह दुखद है। मैं इसे महसूस करता हूं और मैं इसकी जिम्मेदारी लेता हूं। रायटर के अनुसार, 80 से अधिक लेबर सांसदों ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि वे एक नई शुरुआत चाहते हैं।

दावेदारों में ये नेता शामिल: अगर स्टार्मर हटते हैं तो लेबर पार्टी के नेता के रूप में कई लोग दावेदार हो सकते हैं। इनमें सबसे आगे ग्रेटर मैनचेस्टर के मेयर एंडी बर्नहैम बताए गए हैं। वह पार्टी में काफी लोकप्रिय बताए जाते हैं। स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रीटिंग और पूर्व उप नेता एंजेला रेनर को भी दावेदारों में गिना जा रहा है। हालांकि किसी भी दावेदार को लेबर पार्टी के 81 सांसदों (कुल का 20 प्रतिशत) की जरूरत पड़ेगी और अंतिम फैसला सदस्य लेंगे।

युद्धविराम खत्म, रूस-यूक्रेन में फिर छिड़ा युद्ध

कीव, रायटर : रूस और यूक्रेन के बीच तीन दिन का युद्धविराम सोमवार मध्यरात्रि औपचारिक रूप से खत्म हो गया यद्यपि दोनों देशों की सेनाओं में उस दौरान भी लड़ाई होती रही। युद्धविराम खत्म होते ही सोमवार-मंगलवार रात रूस ने यूक्रेनी शहरों पर 216 ड्रोन हमले किए। इन हमलों से कीव और कुछ अन्य स्थानों में आग लग गई। एक व्यक्ति की मौत हुई और छह घायल हुए हैं। नागरिक सुविधाओं और बच्चों के स्कूल को भी निशाना बनाया गया।

यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्री सिबिहा ने बताया है कि उनके देश ने युद्धविराम को बढ़ाने का प्रस्ताव रखा था, लेकिन रूस उससे सहमत नहीं हुआ। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी इस युद्धविराम को बढ़ाए जाने की इच्छा जताई थी। उनकी मध्यस्थता में ही रूस और यूक्रेन युद्धविराम के लिए सहमत हुए थे। इस बीच रूसी राष्ट्रपति के कार्यालय क्रेमलिन ने यूक्रेन युद्ध जल्द खत्म होने की संभावना व्यक्त की है।

https://telegram.me/DailyPressNation

दैनिक जागरण

न सुख स्थायी होता और न दुख

परीक्षार्थियों से खिलवाड़

मेडिकल कालेजों में प्रवेश की पात्रता परीक्षा नीट के प्रश्नपत्र लीक होने से पूरी परीक्षा रद करने की मजबूरी जितनी शर्मनाक है, उतनी ही चिंताजनक। यह परीक्षा इसलिए रद करनी पड़ी, क्योंकि राजस्थान पुलिस को कुछ छात्रों के पास से ऐसे गेस पेपर मिले, जिनके 410 प्रश्नों में से 140 से अधिक परीक्षा के मूल प्रश्नों से हूबहू मिल रहे थे। साफ है कि परीक्षाओं में सेंध लगाने वालों ने परीक्षा के पहले ही कहीं से प्रश्नपत्र हासिल कर लिए। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि मामले की जांच सीबीआइ को सौंप दी गई और शीघ्र ही नीट का दोबारा आयोजन किया जाएगा, क्योंकि 22 लाख से अधिक छात्रों को दोबारा परीक्षा देनी पड़ेगी। इतनी बड़ी परीक्षा फिर से कराने का मतलब है छात्रों के साथ सरकार के समय और संसाधन की बर्बादी। छात्रों को मानसिक रूप से जो परेशानी उठानी पड़ी, उसकी तो क्षतिपूर्ति करना ही कठिन है। इससे बड़ी विडंबना और कोई नहीं कि जिस नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए का गठन ही इसलिए हुआ था कि प्रतियोगी परीक्षाएं नीर-क्षीर ढंग से हों, वह अपने उद्देश्य में नाकाम सिद्ध हो रही है। नीट में गड़बड़ी और अव्यवस्था के मामले पहले भी सामने आ चुके हैं।

गत वर्षों में कई बार इस परीक्षा में सेंध लगने के आरोप लगे और दो वर्ष पहले तो इन आरोपों ने इतना तूल पकड़ा कि एनटीए को कुछ केंद्रों की परीक्षा रद करके दोबारा करानी पड़ी थी। अतीत में एनटीए की ओर से आयोजित की जाने वाली कुछ और परीक्षाओं में भी गड़बड़ियां हो चुकी हैं या फिर धांधली की आशंका के चलते उन्हें टालना पड़ा है। स्पष्ट है कि यह एजेंसी कसौटी पर खरी नहीं उतर पा रही है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय को इसकी तह तक जाना होगा कि ऐसा क्यों है? उसे इसका आभास होना चाहिए कि एनटीए के साथ उसकी साख पर भी सवाल उठ रहे हैं। आखिर इंटरनेट और कंप्यूटर के इस युग में किसी परीक्षा के प्रश्नपत्र मुद्रित कर उन्हें देश भर के सैकड़ों केंद्रों में भेजने की पुराने जमाने की प्रक्रिया क्यों जारी है? इस प्रक्रिया में तो कहीं पर भी सेंध लग सकती है? यह समझना भी कठिन है कि जिस परीक्षा में लाखों छात्र बैठते हों, उसके प्रश्नपत्र के कई सेट क्यों नहीं तैयार किए जाते, ताकि यदि कभी कहीं प्रश्नपत्र लीक भी हो जाएं तो पूरी परीक्षा न रद करनी पड़े। एनटीए का काम इसलिए संतोषजनक नहीं, क्योंकि वह पुराने तौर-तरीकों से काम कर रही है और अपने तंत्र को इसके लिए प्रेरित नहीं कर पा रही कि वह विश्व की प्रतिष्ठित और भरोसेमंद परीक्षाओं से कोई सीख ले। दुर्भाग्य से यही स्थिति प्रतियोगी परीक्षाएं कराने वाली अन्य संस्थाओं की भी है। इसी कारण प्रश्नपत्र लीक होने का सिलसिला कायम है।

जाम से जूझते शहर

उत्तराखंड में प्रमुख शहरों को जाम से निजात नहीं मिल पा रही है। प्रयोग-दर-प्रयोग हो रहे हैं, लेकिन समस्या का हल नहीं निकल पा रहा है। कह सकते हैं कि समस्या और विकराल रूप लेती जा रही है। देहरादून, हरिद्वार, मसूरी, नैनीताल हो या फिर अन्य शहर, इन सभी में पूरे दिन जाम लगना सामान्य बात हो गई है। सप्ताहांत पर तो हालात और अधिक खराब हो जाते हैं। कई शहरों में तो पांच से आठ किलोमीटर तक लंबा जाम पर्यटकों के साथ-साथ स्थानीय लोगों की परीक्षा लेने लगता है। परिदृश्य पर नजर डालें तो प्रदेश में यातायात प्रबंधन के लिए न तो पर्याप्त संसाधन हैं और न ही उपलब्ध संसाधनों का ठीक से उपयोग करने की कोई प्रभावी योजना नजर आती है। किन शहरों में जाम की समस्या अधिक है, यह सभी को मालूम हैं। लेकिन विडंबना यह कि स्थानीय प्रशासन यातायात प्रबंधन में नाकाम रहता है। यहां जाम स्थलों पर यातायात पुलिस नजर ही नहीं आती है। एकाध जगह होमगार्ड जरूर दिख जाते हैं, लेकिन उनकी कोई सुनता ही नहीं है। वीकेंड और अन्य अवसरों के लिए स्थानीय प्रशासन बाकायदा यातायात प्लान जारी करता है, लेकिन उसे लागू करने की इच्छाशक्ति नहीं दिखती है। कई बार अव्यावहारिक प्लान जारी कर दिया जाता है, इससे दिक्कत और बढ़ जाती हैं। आला अधिकारियों को इस पर गौर जरूर करना चाहिए। यातायात प्रबंधन के लिए जरूरी है कि उपलब्ध संसाधनों का ठीक से उपयोग किया जाए। अगर इसमें विशेषज्ञों की मदद भी लेने पड़े तो परहेज नहीं किया जाना चाहिए।

> शहरों को जाम से निजात दिलाने के लिए मशीनरी को मूकदर्शक बने रहने की प्रवृत्ति छोड़नी होगी। अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करना होगा

और सशक्त हो परमाणु आवरण

दिव्य कुमार सोती

पोखरण परीक्षणों के करीब तीन दशक बाद भारत के लिए आवश्यक हो जाता है कि वह बदले हुए परिदृश्य में नए सिरे से परमाणु परीक्षण पर विचार करे

अवधेश राजपूत

हाल में भारत के परमाणु कार्यक्रम ने एक मील का पत्थर तब पार किया, जब कलपक्कम स्थित फास्ट ब्रीडर रिएक्टर ने क्रिटिकलिटी प्राप्त की। 'क्रिटिकलिटी' वह स्थिति है जब परमाणु विखंडन की श्रृंखला प्रक्रिया आत्मनिर्भर हो जाती है। इस स्वदेशी तकनीक पर आधारित उपलब्धि के साथ ही भारत ने 1950 में होमी भाभा द्वारा तैयार किए गए त्रि-चरणीय परमाणु कार्यक्रम का दूसरा चरण पूरा कर लिया, जिसके अंतर्गत परमाणु ऊर्जा संयंत्र जितना परमाणु ईंधन खर्च करता है, उससे अधिक उत्पादन करने की क्षमता रखता है। इस चरण में बनने वाले यूरेनियम-233 को तीसरे चरण में थोरियम-232 के साथ उपयोग करने पर यह और अधिक यूरेनियम-233 बनाता है और अंततः इस पूरी प्रक्रिया को चलाने के लिए मात्र थोरियम की ही आवश्यकता रह जाती है। इसका महत्व इससे और बढ़ जाता है कि दुनिया भर में थोरियम का एक चौथाई भंडार भारत के पास है। इस परमाणु कार्यक्रम का तीसरा चरण पूरा होने पर भारत अगले अनेक दशकों तक थोरियम से ऊर्जा का उत्पादन करता रह सकता है। अभी व्यावसायिक उपयोग हेतु उर्जा उत्पादन के लिए रूस और भारत ही दूसरे चरण में फास्ट ब्रीडर रिएक्टर्स का संचालन कर रहे हैं।

निःसंदेह कलपक्कम में प्राप्त हुई सफलता नागरिक उपयोग हेतु परमाणु ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में अप्रतिम उपलब्धि है, लेकिन इसके साथ ही यह भी आवश्यक है कि भारत का परमाणु हथियार कार्यक्रम भी उतनी ही तेजी से आगे बढ़े। हमने आज तक दो ही बार परमाणु परीक्षण किए हैं। पहली बार वर्ष मई 1974 में और अंतिम बार परमाणु परीक्षण 11 और 13 मई 1998 में किए थे। 1974 के परीक्षणों में मात्र एक डिवाइस का परीक्षण किया गया था, वहीं 1998 में परीक्षणों में पहले दिन तीन और फिर दो न्यूक्लियर डिवाइस का परीक्षण किया गया। 1998 में पहले दिन परीक्षण की गई शक्ति-1 की क्षमता भारत के दावे के अनुसार 58 किलोटन रही थी। जबकि अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों का आकलन इसके लगभग 40 किलोटन रहने का था। अगर सरकार के दावे को भी सही मानें तो यह इसलिए चिंता का विषय हो जाता है, क्योंकि चीन के पास 650 किलोटन से लेकर 3-4 मेगाटन के परमाणु हथियार हैं। चीन के हल्के परमाणु हथियार भी 150 किलोटन क्षमता के हैं।

परीक्षण ही किसी वैज्ञानिक क्षमता को हासिल कर लेने का प्रमाण होता है। यही कारण है कि अमेरिका ने आज तक लगभग 1000 से अधिक, रूस ने 715 और चीन ने 45 बार परमाणु परीक्षण किए हैं। इसके विपरीत भारत ने बेहद कम क्षमता के बस छह परमाणु परीक्षण ही किए हैं। बीते दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने फिर से परमाणु परीक्षण करने की बात कही थी। यदि अमेरिका परमाणु परीक्षण करेगा तो फिर रूस भी पीछे नहीं रहने वाला। ट्रंप ने यह दावा भी किया है कि रूस, चीन, उत्तर कोरिया और पाकिस्तान गुप्त रूप से भूमिगत परमाणु परीक्षण कर रहे हैं। चीन पिछले कई वर्षों से गुपचुप तरीके से छोटे परमाणु परीक्षण करने में लगा हुआ है। 2024-25 में उसने परमाणु बम बनाए। मिसाइल प्रतिरोधक प्रणालियों की बढ़ती क्षमताओं और चीन के आबादी बहुल क्षेत्रों का भारतीय सीमा से बहुत दूर स्थित होने, हाइपरसोनिक मिसाइल तकनीक में हमसे कहीं आगे होने जैसे पहलुओं को देखते हुए भारत के लिए चीन के सापेक्ष भरोसेमंद परमाणु प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए अपने परमाणु हथियार कार्यक्रम का विस्तार आवश्यक है।

हमें सामरिक तैयारी और मजबूत करनी होगी। यह न भूला जाए कि 2021 में लक्षद्वीप में अमेरिकी युद्धपोत यूएसएस जोन पोल जोंस अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन करते हुए भारत के एक्सक्लूसिव इकोनोमिक जोन में घुस आया था। बीते दिनों भी भारत से युद्धाभ्यास कर लौट रहे ईरानी नौसेना के जहाज को श्रीलंका के पास अमेरिकी नौसेना ने डुबो दिया था। यह भी ध्यान रहे कि अमेरिका हमारे पड़ोसी देशों में भारत विरोधी शक्तियों को वैसे ही हवा दे रहा है, जैसे रूस-यूक्रेन युद्ध छिड़ने से पहले उसने रूस के पड़ोसी देशों में रूस के विरुद्ध दी थी। इसे भी अनदेखा नहीं किया जा सकता कि अमेरिकी आक्रामकता से निपटने के लिए रूस ने भी स्मार्ट परमाणु हथियारों के विकास और परीक्षण का ही रास्ता चुना है। उसने परमाणु ऊर्जा से संचालित ब्यूरेवेस्टनिक नाइन एम 730 क्रूज मिसाइल का परीक्षण किया, जो बेहद कम ऊंचाई जैसे मात्र 50 से 100 मीटर पर हफ्तों तक उड़ान भरती रही सकती है, क्योंकि इसके अंदर लगा बेहद छोटा परमाणु संयंत्र इसे बहुत लंबे समय तक ऊर्जा मुहैया कराता रहता है। असीमित ईंधन होने के चलते वह सीधे रास्ते के बजाय चक्कर काटकर या समुद्र के ऊपर से घूमकर किसी भी दिशा से लक्ष्य पर हमला कर सकती है। मौजूदा मिसाइल प्रतिरक्षा प्रणालियां उसे रोक नहीं सकतीं। अक्टूबर 2025 में किए गए परीक्षण में इस मिसाइल ने लगातार 15 घंटों तक उड़ान भरी और 14,000 किमी की दूरी तय की। रूस द्वारा विकसित पोसीडान को भी दुनिया का सबसे अनोखा और खतरनाक परमाणु हथियार माना जाता है। यह एक विशाल परमाणु-संचालित अंतरमहाद्वीपीय टारपीडो है। इसमें लगा छोटा परमाणु रिएक्टर इसे असीमित दूरी तक ले जाने की क्षमता देता है और यह हफ्तों तक एक किमी से अधिक की गहराई पर समुद्र में विचरण करता रह सकता है। इसके प्रहार से ऐसी सुनामी लहरें पैदा हो सकती हैं जो न्यूयार्क या लंदन सरीखे तटीय शहरों को पूरी तरह तबाह कर सकती हैं और उस पूरे इलाके को दशकों के लिए रेडियोधर्मी प्रदूषण से अनुपयोगी बना सकती हैं। पोखरण परीक्षणों के लगभग तीन दशक बाद भारत के लिए भी आवश्यक हो जाता है कि वह बदले हुए परिदृश्य को देखते हुए नए सिरे से परमाणु परीक्षण करे। इसके साथ ही मिसाइल प्रतिरक्षा प्रणालियों को चकमा देने वाले स्मार्ट परमाणु हथियारों और उनकी वितरण प्रणालियों का विकास भी उतना ही आवश्यक है।

(लेखक काउंसिल आफ स्ट्रैटेजिक अफेयर्स से संबद्ध सामरिक विश्लेषक हैं)
response@jagran.com

बंगाल में जंगलराज का खात्मा

राजीव सचान

ममता बनर्जी का कुशासन एक किस्म का जंगलराज ही था और कुछ मायनों में तो यह बिहार से भी बदतर था

जब भी जंगलराज का उल्लेख होता है तो उस दौर के बिहार का स्मरण हो आता है, जब लालू यादव मुख्यमंत्री हुआ करते थे। उनके मुख्यमंत्री रहते समय बिहार अराजकता को लेकर इस कदर बदनाम हुआ कि राष्ट्रीय जनता दल को उसके दुष्परिणाम आज तक भोगने पड़ रहे हैं। चुनावों के समय राजद के विरोधी दल लोगों को लालू के जंगलराज के भयावह दिनों की याद दिलाते हैं और इतने से ही उनका काम आसान हो जाता है। इसका कारण यह है कि बिहार के लोग यह भूल नहीं सके हैं कि लालू यादव के शासनकाल में किस तरह अपहरण और फिरौती ने उद्योग का रूप ले लिया था और राज्य के अनेक शहरों में भी सांझ ढलते ही कैसा सन्नाटा छा जाता था। बिहार के लोग यह भी नहीं भूले हैं कि शहाबुद्दीन सरीखे माफिया का कैसा आतंक था और उनके जैसे बाहुबलियों को किस प्रकार लालू का संरक्षण प्राप्त था। जैसे यह पता नहीं कि बिहार राजद के जंगलराज की यादों से कब मुक्त होगा, वैसे ही यह कहना भी कठिन है कि पश्चिम बंगाल ममता बनर्जी के कुशासन की पराकाष्ठा को कब तक भूल सकेगा? यह कुशासन एक किस्म का जंगलराज ही था और कुछ मायनों में तो बिहार से भी बदतर था।

लालू यादव का शासन इसलिए जंगलराज के रूप में कुख्यात हुआ, क्योंकि अगस्त 1997 में किसी मामले को लेकर पटना उच्च न्यायालय ने यह टिप्पणी कर दी थी, 'बिहार में कोई सरकार नहीं है, यह जंगलराज से भी खराब है।" ऐसी कोई टिप्पणी कलकत्ता उच्च न्यायालय ने ममता शासन को लेकर तो नहीं की, पर हिंसा और भ्रष्टाचार के कई मामलों को लेकर उसने उसे न जाने कितनी बार फटकार लगाई, वह चाहे 2021 की चुनाव बाद की हिंसा रही हो या आरजी कर अस्पताल कांड या फिर शिक्षक भर्ती घोटाला। अभी हाल में ममता सरकार को सीमा पर बाड़ लगाने के लिए बीएसएफ को जमीन न देने के लिए फटकार लगी। ममता सरकार को कुछ मामलों में सुप्रीम कोर्ट से भी कई बार फटकार लगी। बंगाल में 2021 के विधानसभा चुनावों के बाद हिंसा के चलते जो लोग अपना घर-बार छोड़ने के लिए

पराजय के बाद वीरान पड़ा तृणमूल कार्यालय। फाइल

असम में शरण लेने को मजबूर हुए थे, उनमें से कुछ तो महीनों तक अपने घरों को लौट नहीं सके थे। यह हिंसा इतनी खुली और भीषण थी कि यदि नेहरू और इंदिरा का जमाना होता तो शायद ममता के शपथग्रहण के पहले ही राष्ट्रपति शासन लग जाता। न्यायपालिका के आदेश पर इस भीषण हिंसा की जांच राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने की थी, क्योंकि जब यह हिंसा हो रही थी तो पुलिस मूकदर्शक बनी हुई थी। इस आयोग ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा था कि बंगाल में कानून का शासन नहीं, बल्कि शासकों का कानून लागू है। अराजकता के मामले में संदेशखाली की हिंसा को भी नहीं भूला जा सकता।

अराजकता को बयान करने वाली मुर्शिदाबाद की घटना को भी नहीं भूला जा सकता। वक्फ कानून के कथित विरोध के नाम पर मुर्शिदाबाद में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा का जमकर नंगा नाच किया गया। तब उपद्रवी तत्वों के आतंक से डरे हुए लोगों ने असम और झारखंड जाकर अपनी जान बचाई थी। ममता के शासन के समय टीएमसी के बाहुबली नेताओं-कार्यकर्ताओं और उनके द्वारा संरक्षित गुंडों का दुस्साहस इतना अधिक बढ़ा हुआ था कि वे पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों को भी निशाना बनाने में संकोच नहीं करते थे। वे हर किसी से अवैध वसूली, उगाही करते थे। बंगाल में यह कट मनी यानी कमीशनखोरी और तोलाबाजी यानी अवैध वसूली के रूप में कुख्यात थी। बंगाल से गुजरने वाला कोई मालवाहक वाहन अवैध वसूली से बच नहीं पाता था। इसी तरह दो-चार सौ रुपये रोज कमाने वाले फुटपाथ दुकानदार भी हफ्ता वसूली के शिकार थे। लोग टीएमसी नेताओं को पैसे दिए बिना न तो जमीन खरीद सकते थे और न ही घर बनवाने के लिए सामग्री। इस सबसे ममता अनजान नहीं थीं और इसका प्रमाण यह है कि 2019 में उन्होंने कहा था कि उन्हें अपनी पार्टी में चोर नहीं चाहिए और जिन्होंने भी कट मनी वसूली है, उसे वे वापस करें।

ममता के 15 वर्षों के शासन में ऐसी न जाने कितनी घटनाएं घटीं, जिनसे राज्य सरकार की बदनामी हुई, लेकिन इस सबके बाद भी उनके कुशासन को कभी जंगलराज की संज्ञा नहीं मिली। इसका कारण यह रहा कि दिल्ली और कोलकाता के मीडिया का एक हिस्सा उन्हें सदैव फाइटर की संज्ञा देता रहा और बड़ी सेक्युलर नेता के तौर पर रेखांकित करता रहा। चूंकि ममता सेक्युलर नेता मानी जाती थीं, इसलिए लिबरल किस्म के लोगों ने यह देखने की चेष्टा ही नहीं की कि वे किस तरह अल्पसंख्यकों और यहां तक कि बांग्लादेशी घुसपैठियों के तुष्टीकरण में लिप्त हैं और उन्होंने अपने कैडर को किस प्रकार मनमानी करने की छूट दे रखी है। बंगाल में चुनाव नतीजों के बाद उत्साहित, भावुक और ममता के शासनकाल में प्रताड़ित अथवा पलायन करने को मजबूर हुए लोगों की जैसी खबरें आ रहे हैं, वे यही कह रहे हैं कि ममता का शासन निरंकुशता का खौफनाक पर्याय बनकर रह गया था।

(लेखक दैनिक जागरण में एसोसिएट एडिटर हैं)
response@jagran.com

ऊर्जा

ज्ञान का संचय

जीवन को सुचारु रूप से चलाने के लिए लोग नाना प्रकार के भौतिक संसाधनों का संचय करते हैं। यद्यपि इन वस्तुओं से परे एक अत्यंत महत्वपूर्ण संचय भी उतना ही आवश्यक होता है और वह है ज्ञान का संचय। धन का संचय आपको अभिमानी तो वस्तुओं का संचय आपको लालची बना देता है, किंतु ज्ञान का संचय आपको इन दुर्गुणों से सदा ही दूर रखता है। ज्ञान चक्षु सदा खुले रहें, इसके लिए आवश्यक है कि हम ज्ञान रूपी सागर में हमेशा गोते लगाते रहें।

समय के साथ भौतिक संसाधन तो नष्ट हो सकते हैं, किंतु अर्जित ज्ञान को कोई आपसे नहीं छीन सकता। ज्ञानार्जन के साथ यह भी स्मरण रहे कि हमारे भीतर अभिमान लेशमात्र भी जगह न बना पाए, क्योंकि ज्ञान जब अभिमान का चोला पहन लेता है तो हमारे उस संचय का क्षय होने लगता है। ज्ञान के संचय का क्षय होना इस बात का भी सूचक है कि हम उन अमूल्य बातों को धारण करने की योग्यता अब नहीं रखते। ज्ञान प्राप्ति की कोई उम्र भी नहीं होती और इसका आदान-प्रदान अंत समय तक संभव है। रावण ने भी मरते-मरते लक्ष्मण को ज्ञान से समृद्ध किया। भीष्म पितामह ने भी मृत्युशैया पर अपने प्रियजनों को जीवन के कुछ उपयोगी सूत्र दिए। जब किसी से कुछ ज्ञान ग्रहण करना होता है तो उसमें कृतज्ञता का भाव निश्चित ही होना चाहिए, क्योंकि तब कोई अपने समय और ऊर्जा से आपका मार्गदर्शन कर रहा होता है।

ज्ञान ही आपकी हर समस्या की कुंजी है, फिर चाहे कितनी ही विकट परिस्थितियों से आपका सामना हो रहा हो। ज्ञान की अनुभूति का भाव व्यक्ति को सही मार्ग से विचलित नहीं होने देता। समय के साथ बढ़ता अनुभव भी ज्ञान की धारा को और प्रखर बनाता है, जो जीवन की नैया को आगे बढ़ाने में पतवार की भूमिका निभाता है।

पारुल हर्ष बंसल

रैट-होल खनन से पर्यावरण को खतरा

सुधीर कुमार

रैट-होल खनन कोयला निकालने का एक पारंपरिक और अवैज्ञानिक तरीका है

मेघालय में टर्शियरी युग के कोयले का अकूत भंडार है। लेकिन अवैज्ञानिक खनन के तरीकों और विशेषकर प्रतिबंधित रैट-होल खनन के चोरी-छिपे प्रचलन से न केवल श्रमिकों की जान जा रही है, बल्कि बालश्रम को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ पर्यावरण निम्नीकरण का खतरा भी बढ़ता जा रहा है।

रैट-होल खनन कोयला निकालने का एक पारंपरिक और अवैज्ञानिक तरीका है। इस प्रक्रिया में सबसे पहले सतह की वनस्पतियों को काटकर भूमि को साफ किया जाता है, तत्पश्चात कोयला के भंडार तक पहुंचने के लिए चार-पांच फीट सुरंग बनाई जाती है। इसी सुरंग के जरिये श्रमिक कोयला प्राप्त करते हैं। यह सुरंग इतना पतला होता है कि इसमें मजदूरों को मुश्किल से रेंगकर अंदर-बाहर आना-जाना पड़ता है। इस दौरान होने वाले हादसों से आए दिन श्रमिकों को जान गंवानी पड़ती है। इसमें खराब निकास व्यवस्था के कारण दम घुटना, संरचनात्मक समर्थन की कमी के कारण खदानों का ढहना और बाढ़ आना आदि खतरे शामिल हैं। इसी वर्ष फरवरी माह में मेघालय के पूर्वी जयंतिया पहाड़ी में एक अवैध रैट-होल कोयला खदान में डायनामाइट विस्फोट के कारण 20 से अधिक लोगों की मृत्यु हो गई थी। रैट-होल खनन के इन्हीं खतरों को देखते हुए राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) ने 2014 में ही इसे अवैज्ञानिक और श्रमिकों के लिए असुरक्षित बताते हुए प्रतिबंधित कर दिया था। हालांकि यह आज भी प्रचलन में है, जिससे न सिर्फ श्रमिकों की जान खतरे में होती है, बल्कि इसमें बड़ी संख्या में बाल-श्रमिकों का इस्तेमाल भी चिंतित करती है। बच्चे इन पतली सुरंगों में आसानी से प्रवेश कर जाते हैं और कम मजदूरी दर पर उपलब्ध होते हैं, जिसके कारण उनका इस्तेमाल बहुतायत में किया जाता है। हालांकि अवैज्ञानिक खनन का यह स्वरूप पर्यावरण के लिए भी खतरनाक है। दरअसल राज्य के विभिन्न हिस्सों में चल रहे अवैध रैट-होल खनन से वनों की कटाई और भूमि क्षरण तथा खनन अपशिष्टों के जलस्रोतों में मिलने से जल प्रदूषण और जल में आक्सीजन में कमी का खतरा बढ़ता जा रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, मेघालय की दो नदियां-लूखा और म्यंटडू इतनी अम्लीय हो गई हैं कि उनमें जलीय जीवन का अस्तित्व संभव नहीं रह गया है।

संविधान की छठी अनुसूची में शामिल होने और अनुच्छेद 244 के तहत विशेष दर्जा प्राप्त होने के कारण मेघालय में राष्ट्रीय खनन कानूनों को लागू करने में कई जटिलताएं हैं। ऐसे में यहां के भूस्वामी ही नीचे मौजूद खनिजों के भी स्वामी माने जाते हैं, जिससे रैट-होल खनन को बढ़ावा मिला है। इस खनन के दुष्प्रभावों को लेकर एनजीटी और सुप्रीम कोर्ट भी गंभीर हैं। ऐसे में जरूरी है कि श्रमिकों और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए राज्य सरकार और यहां के नागरिक भी संजीदगी दिखाएं।

(लेखक बीएचयू में शोधार्थी हैं)

साझा प्रयासों से मिलेगी सफलता

'उचित अपील पर आपत्ति' शीर्षक से प्रकाशित संपादकीय में विदेशी मुद्रा से आयातित वस्तुओं के संयमित इस्तेमाल के लिए प्रधानमंत्री की अपील पर विपक्षी नेताओं की आपत्ति को अनुचित, गैर-जिम्मेदाराना और पूर्वाग्रह से ओतप्रोत बताया गया है। वैश्विक परिस्थितियों में भारत पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। इसके बावजूद अभी तक अर्थव्यवस्था में भूचाल जैसी परिस्थितियां नहीं बनी हैं। भारत ने पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर रखते हुए किसी तरह स्थिति पर नियंत्रण बनाए रखा है। देश के विदेशी मुद्रा भंडार का एक बड़ा हिस्सा सोना, तेल के आयात में खर्च होता है, लेकिन मौजूदा युद्ध संकट के कारण उनकी आपूर्ति भी बाधित हो रही है, जिसके परिणामस्वरूप खपत के अनुरूप वस्तुओं की आपूर्ति से संबंधित चुनौतियां बनी हुई हैं। ऐसी विकट परिस्थितियों में नागरिकों द्वारा बचत करना और संयमित उपयोग करना राष्ट्रहित में है। विपक्ष इसे सरकार की कमजोरी, नाकामी और नागरिक विरोधी बताने पर तुला हुआ है, लेकिन यह देश की अर्थव्यवस्था को सुधारने, स्थिर रखने और वर्तमान चुनौतीपूर्ण स्थितियों में आमजन से अपेक्षित व्यावहारिक कदम ही हैं। हालांकि सरकार से जुड़े लोगों को भी अपने कार्य एवं व्यवहार से किफायत का उदाहरण प्रस्तुत करना होगा। अन्यथा ऐसे सुझाव और निर्देश केवल दिखावटी ही साबित होंगे और जनता को प्रेरित नहीं कर पाएंगे। नागरिकों का भी नैतिक, सामाजिक, व्यक्तिगत और राष्ट्रीय दायित्व है कि वे संयमित व्यवहार अपनाएं और राष्ट्र के समक्ष चुनौती में सरकार के साथ कदमताल मिलाएं।

मोहित सोनी, कुक्षी, मध्यप्रदेश

मेलबाक्स

परीक्षा एजेंसियों का कुप्रबंधन

देश में बार-बार नीट जैसी प्रमुख परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होना और लाखों अभ्यर्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ होना सीधे तौर पर सरकार और उसके अधीन कार्यरत परीक्षा एजेंसियों के कुप्रबंधन की ओर इशारा करता है। आखिर प्रश्नपत्र कैसे और क्यों लीक हो जाते हैं? यदि एक-दो परीक्षाओं में ऐसा होता, तो इसे संयोग माना जा सकता था, लेकिन प्रादेशिक और राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं के प्रश्नपत्रों का बार-बार लीक होना उन लाखों अभ्यर्थियों के भविष्य के साथ गंभीर अन्याय है, जिनकी वर्षों की मेहनत कुछ लोगों की लापरवाही और भ्रष्ट व्यवस्था के कारण पानी की तरह बह जाती है। इससे न केवल लाखों रुपये की फीस व्यर्थ जाती है, बल्कि अभ्यर्थियों की आशाएं, सपने और अभिभावकों का विश्वास भी चकनाचूर हो जाता है। दुखद यह है कि ऐसे मामलों में राज्य और केंद्र के शिक्षामंत्री भी संतोषजनक जवाब नहीं दे पाते। जांच समितियां बनती हैं, मामले सुर्खियों में आते हैं, लेकिन समय बीतने के साथ फाइलें धूल फांकने लगती हैं। यदि प्रश्नपत्र लीक होने के इतिहास के पन्ने पलटे जाएं, तो ऐसी घटनाओं की लंबी फेहरिस्त सामने आ जाएगी। यह स्थिति शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करती है। सरकार को चाहिए कि वह परीक्षा एजेंसियों के कुप्रबंधन को सख्ती से सुधारे और इस प्रकार के अपराध में शामिल दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करे। साथ ही ऐसी प्रभावी और पारदर्शी व्यवस्था विकसित की जाए, जिससे भविष्य में लाखों अभ्यर्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ न हो सके।

शकुंतला महेश नेनावा, इंदौर (मप्र)

जनसहयोग की शक्ति

जब-जब देश कठिन परिस्थितियों से गुजरा, तब-तब सरकारों ने जनता के सहयोग को सबसे बड़ी शक्ति माना। 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने देशवासियों से सप्ताह में एक दिन उपवास रखने और अन्न बचाने की अपील की थी। आज पेट्रोलियम संकट और वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के बीच संसाधनों के संयमित उपयोग की अपील भी उसी परंपरा का विस्तार है। लोकतंत्र केवल अधिकारों का नाम नहीं, बल्कि सामूहिक उत्तरदायित्व का भी प्रतीक है। जनता और सरकार के बीच विश्वास ही राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी होती है।

आशुतोष पांडेय, सीतापुर, यूपी

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें:
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल: response@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त. पूर्व प्रधान संपादक-स्व. नरेन्द्र मोहन. नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली-110001 से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा-201309 से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष: नई दिल्ली कार्यालय: 011-43166300, नोएडा कार्यालय: 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली-न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।

10 से अधिक उपग्रहों की मदद ली गई थी आपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की गतिविधियों की निगरानी में। इससे भारत की सुरक्षा मजबूत हुई थी।

अभिषेक कुमार सिंह
संस्था टेली परफार्मेंसेज से संबद्ध

आपरेशन सिंदूर

भारत की तकनीकी श्रेष्ठता का परचम

आपरेशन सिंदूर 26 निर्दोष भारतीय नागरिकों की निर्मम हत्या का प्रतिशोध था, लेकिन इसने आत्मनिर्भर, सुरक्षित, सजग और समृद्ध भारत की ऐसी छवि पेश की है जिसकी छाया में रहते हुए हर नागरिक खुद को महफूज महसूस करता है। भारत अपने नजदीकी शत्रुओं का सजगता और सतर्कता से मुकाबला कर सकता है। इसमें वह विज्ञान, तकनीक और रणनीति का ऐसा तालमेल बिठा सकता है, जिससे जीत सुनिश्चित की जा सके

भारत की व्यापक सामरिक क्षमताओं का प्रतीक बना आपरेशन सिंदूर। फाइल

बीते वर्ष जब पाकिस्तान-समर्थित आतंकवादियों ने पहलगाम में 26 निर्दोष नागरिकों की धर्म पूछकर हत्या की थी, तो भारत ने इसके विरुद्ध एक सुविचारित-सुगठित सैन्य अभियान चलाया, जिसका कोडनेम आपरेशन सिंदूर था। यह महज एक सैन्य अभियान नहीं था। यह भारत की नई क्षमताओं का प्रतीक था-जहां रणनीतिक संयम एक सक्रिय प्रतिरोध में बदल गया था। आपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान-समर्थित आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ता प्रदर्शित की और विश्व स्तर पर भारत की उभरती हुई तकनीकी और वैज्ञानिक क्षमताओं को रेखांकित किया। खास तौर से सात मई, 2025 को शुरू किए गए अभियान में जिस तरह से पाकिस्तान के नौ प्रमुख आतंकी शिविरों पर मिसाइलों से और हवाई आक्रमण किए गए, भारतीय रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इनमें गुलाम कश्मीर और पंजाब प्रांत में मौजूद सौ से ज्यादा आतंकी मारे गए। इन हमलों में पाकिस्तान की किसी नागरिक सुविधा को जानबूझकर निशाना नहीं बनाया गया। वैसे तो यह पूरा अभियान शुरुआती 23 मिनट के प्रारंभिक चरण में ही पूरा कर लिया गया, लेकिन पाकिस्तानी जवाबी कार्रवाई के कारण यह चार दिन (सात-10 मई, 2025) तक चला। इस दौरान भारत ने हवाई श्रेष्ठता स्थापित की, पाकिस्तानी एयरबेसों को नुकसान पहुंचाया, और पाकिस्तान की ओर से किए गए ड्रोन और मिसाइल हमलों को विफल किया। भारत का आक्रमण कितना निर्णायक था, इसकी पुष्टि भारतीय प्रतिष्ठानों समेत कई विदेशी संगठनों और संस्थाओं ने की। उदाहरण के तौर पर, कारनेगी एंडोमेंट फार इंटरनेशनल पीस की रिपोर्ट के अनुसार, यह 1971 के बाद पाकिस्तान पर सबसे महत्वपूर्ण भारतीय हमला (कार्रवाई) था।

तकनीकी और वैज्ञानिक आत्मनिर्भरता का प्रमाण : भारत की सबसे बड़ी सफलता उसकी तकनीकी श्रेष्ठता थी, जिसमें डीआरडीओ, इसरो और निजी क्षेत्र की कई कंपनियों का संयुक्त योगदान था। इसमें सबसे ऊपर आती है भारत की मिसाइल एवं सुपरसोनिक स्ट्राइक संबंधी क्षमता। इस संदर्भ में ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का नाम उल्लेखनीय है। रूस के साथ संयुक्त रूप से विकसित की गई ब्रह्मोस मिसाइल को लड़ाकू विमान सुखोई-30 एमकेआइ के साथ एकीकृत करते हुए जितनी सटीकता से आक्रमण किए, वे गेम चेंजर साबित हुए। ब्रह्मोस को सुखोई के साथ एकीकृत करने की प्रक्रिया 2013 से शुरू हुई थी और इसका पहला परीक्षण 2017 में किया गया था। आपरेशन सिंदूर के दौरान सुखोई के साथ ब्रह्मोस के तालमेल ने पाकिस्तान पर किए गए हमलों को सटीकता और गति दी। इस तरह यह मिसाइल पाकिस्तानी एयर डिफेंस को चकमा देकर अपने सभी लक्ष्यों को नेस्तनाबूद करने में सफल रही। भारत ने पहली बार मल्टी-डोमेन वारफेयर का वास्तविक और सार्वजनिक प्रदर्शन किया। अर्थात भूमि, आकाश, समुद्र, साइबर और अंतरिक्ष-सभी क्षेत्रों में समन्वित सैन्य शक्ति का उपयोग किया गया। यह वही अवधारणा है, जिस पर अमेरिका और चीन वर्षों से काम कर रहे हैं।

आपरेशन सिंदूर का सबसे महत्वपूर्ण पहलू था भारतीय स्वदेशी रक्षा तकनीकों का वास्तविक युद्ध में परीक्षण करना। वर्षों से आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया के तहत जिन रक्षा प्रणालियों पर निवेश किया जा रहा था, उन्हें पहली बार आपरेशन सिंदूर के दौरान बड़े पैमाने पर युद्ध जैसी परिस्थिति में आजमाया गया। भारत की इंटीग्रेटेड काउंटर-यूएएस प्रणाली ने पाकिस्तान की ओर से भेजे गए हजारों ड्रोन और मिसाइल हमलों को निष्क्रिय किया। इसी तरह डीआरडीओ के नेतृत्व में विकसित एयर डिफेंस नेटवर्क ने कई महत्वपूर्ण सैन्य ठिकानों को सुरक्षित रखा। भारत की उपलब्धियों में स्वदेशी रडार और एयर डिफेंस सिस्टम, एआइ-आधारित कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम, इंटरनेट-आधारित वारफेयर प्लेटफार्म, आइएसआर यानी इंटेलीजेंस, सर्विलांस, स्वदेशी ड्रोन और एंटी-ड्रोन तकनीक तथा सेटेलाइट आधारित निगरानी प्रणालियों की सम्मिलित कार्रवाई को गिना जा सकता है। आपरेशन सिंदूर के दौरान की गई कार्रवाई केवल सैन्य उपलब्धि नहीं थी, बल्कि यह हमला भारतीय रक्षा उद्योग के लिए एक वैश्विक प्रूफ आफ कांसेप्ट भी था। प्रूफ आफ कांसेप्ट का अर्थ एक छोटा, प्रारंभिक परीक्षण होता है जो यह साबित करता है कि कोई नया विचार, उत्पाद या तकनीक व्यावहारिक रूप से काम करती है या नहीं। इसका मुख्य उद्देश्य किसी बड़ी परियोजना में समय और पैसा निवेश करने से पहले उसकी सफलता की संभावना को परखना और जोखिम को कम करना होता है।

आपरेशन सिंदूर में परीक्षण सिर्फ ब्रह्मोस का नहीं हुआ, बल्कि कई अन्य तकनीकों और उपकरणों की सटीकता को भी मापा गया। जैसे एआइ और ड्रोन वारफेयर का इस्तेमाल। आपरेशन सिंदूर में एआइ-संचालित ड्रोन जैसे कि हारोप, हेरान, स्काई-स्ट्राइकर और नागशस्त्र-1 को आजमाया गया। इन अभियानों के संचालन में भारत के एआइ-समर्थित इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस सिस्टम-आकाशतीर का अहम योगदान था, जिसने सैकड़ों पाकिस्तानी ड्रोनों और मिसाइलों को नष्ट किया। यह डीआरडीओ का स्वदेशी सुरक्षा-ढांचा (आयरन डोम जैसी प्रोटेक्शन शील्ड) था, जो विदेशी घटकों पर निर्भर नहीं था। हवाई सुरक्षा और इलेक्ट्रानिक वारफेयर में रूस से मिली एस-400 प्रणाली, स्वदेशी आकाश, इजरायल के साथ मिलकर विकसित की गई बाराक-8 बहु-स्तरीय प्रणाली ने पाकिस्तानी आक्रमण को विफल कर दिया। यही नहीं, इन प्रणालियों ने चीन की मदद से विकसित किए गए एयर डिफेंस को जाम कर दिया। चीन की पीएल-15 मिसाइलों और तुर्किये के ड्रोनों का जो मलबा मिला, वह साबित कर देता है कि शत्रु की तकनीकी योग्यता कितनी लचर और विदेशी आयात पर निर्भर थी। इसमें सबसे अहम योगदान इसरो के कार्टोसेट और आरआइसेट जैसे सेटेलाइट का भी था, जिन्होंने भारतीय सुरक्षा तंत्र को लक्ष्य पर सटीक निशाना लगाने और दुश्मन की ओर से आने वाली मिसाइलों-ड्रोन की रीयल-टाइम निगरानी में मदद की। इसके अलावा भारत की सर्विलांस, कमांड कंट्रोल, कम्युनिकेशंस, कंप्यूटर और इंटेलिजेंस की एकीकृत प्रणाली ने पाकिस्तान के खिलाफ आक्रमण को मजबूत धार दी।

हाइब्रिड वारफेयर के खतरे : आपरेशन सिंदूर की सफलता के बावजूद, खतरे कम नहीं हुए हैं। इतिहास के उदाहरण साबित करते हैं कि पाकिस्तानी सेना और उसकी खुफिया एजेंसी-आइएसआइ अपने आतंकी ढांचे को नया रूप देने, भारत पर साइबर हमले करने और ड्रोन के जरिये जासूसी और घुसपैठ की कोशिशें करती रहेंगी। हालांकि पाकिस्तान खुद भीषण आर्थिक संकट में फंसा हुआ है, लेकिन चीन और तुर्किये जैसे मुल्कों की मदद से भारत के खिलाफ कदम उठाते रहेगा। उधर चीन खुद भी नियंत्रण रेखा पर तनाव पैदा करने और पाकिस्तान को मिसाइलें एवं अन्य हथियारों की सप्लाई जारी रखे हुए है, जो भारत के लिए नई समस्याएं पैदा करता है। आपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को दी गई मिसाइलों (पीएल-15) और लड़ाकू विमान तकनीक (जे-10) की सीमाएं उजागर हुईं, लेकिन यह संभव है कि चीन इनके उन्नत संस्करण बना रहा होगा। भारत को हाइब्रिड खतरों के खिलाफ मुस्तैदी बरतनी होगी। ऐसे खतरों में एआइ-संचालित सामग्री, डीपफेक, इकोनमिक वारफेयर, साइबर हमले, हाइपरसोनिक हथियारों की होड़ और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी तकनीकों से पैदा चुनौतियों को गिना जा सकता है। खास तौर से हमारे पड़ोस में चीन खुद इनमें भारी निवेश कर रहा है और पाकिस्तान को भी ये चीजें भारत के खिलाफ मुहैया करा रहा है। इन चुनौतियों को नजर में रखते हुए भारत को कई स्तरों पर तैयारियां करने की जरूरत है। जैसे, पहला काम एआइ और स्वायत्त प्रणालियों (आटोनोमस सिस्टम्स) में निवेश बढ़ाना होगा। स्वार्म ड्रोन और स्वायत्त प्रणालियों को तेजी से अपनाने के अलावा हाइपरसोनिक तथा लेजर हथियारों के परीक्षण की गति बढ़ानी होगी।

युद्ध का नया क्षेत्र अंतरिक्ष और साइबर जगत

आपरेशन सिंदूर में साबित हुआ था कि भविष्य के युद्धों में अंतरिक्ष निर्णायक भूमिका निभाएगा। इसरो के प्रमुख वी. नारायणन ने बताया था कि आपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की सुरक्षा के लिए कम से कम 10 उपग्रह लगातार रणनीतिक निगरानी में संलग्न थे। भारत के लिए अंतरिक्ष आधारित युद्ध क्षमता अब विलासिता नहीं, बल्कि आवश्यकता है। चीन पहले ही एंटी-सेटेलाइट हथियार, स्पेस स्टेशन और सैन्य उपग्रह नेटवर्क विकसित कर चुका है। इसी तरह वर्ष 2019 में भारत ने मिशन शक्ति के जरिये अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया था, लेकिन अब जैसी चुनौतियां सामने आ रही हैं, उनके दृष्टिगत ज्यादा बड़े पैमाने पर तैयारियों की जरूरत है। इसमें सैन्य उपग्रहों की संख्या बढ़ाने, स्पेस सर्विलांस नेटवर्क मजबूत करने, एंटी-सेटेलाइट डिफेंस तकनीक विकसित करने और स्पेस साइबर सिक्योरिटी बढ़ाने की जरूरत है। उपग्रहों के निष्क्रिय होने से मिसाइलों, ड्रोन, जीपीएस का संचालन मुश्किल होगा। संचार सेवा प्रभावित होगी।

इसी तरह एक मोर्चा साइबर युद्ध का है। ऐसी रिपोर्ट आ चुकी हैं, जो बताती हैं कि आपरेशन सिंदूर के समय साइबर हमलों में तेजी आई थी। पाकिस्तान समर्थित समूहों ने भारतीय नेटवर्क को निशाना बनाने की कोशिश की थी। हालांकि भारतीय प्रतिष्ठानों, जैसे कि सर्ट-इन और रक्षा साइबर एजेंसियों ने साइबर सुरक्षा के कई उपाय किए हैं, लेकिन चीन की साइबर क्षमता की तुलना में भारत अभी भी पीछे माना जाता है। इसलिए एआइ-आधारित साइबर डिफेंस और क्वांटम एंक्रिप्शन में भारत को तेजी से निवेश बढ़ाना होगा।

-अभिषेक कुमार सिंह

खरी-खरी

नए जमाने में कृतज्ञता व्यक्त करने का तरीका

डा. प्रदीप मिश्र

अखबारों में मदर्स डे के समाचार पढ़ने के बाद चचा ने 'आज का सुविचार' की तर्ज में अपना स्टेटमेंट दिया, 'देखो तो लोग कितने शैतान हैं, अपनी ओरिजनल मां तक को थैंक यू बोलने से नहीं चूकते? जिसने नौ महीने पेट में रखा। अपने खून को दूध में बदलकर, उन्हें मोटा-तगड़ा किया। औलादों की हिफाजत के लिए आंधियों से, तूफानों से, जमानों से, कमीनों से...एकदम जा भिड़ी...और भिड़ी ही नहीं उनकी हालत खराब कर दी...और उसकी औलादें उसी को मुंह बिचका-उचकाकर थैंक यू कहे पड़ी हैं।' मैंने कहा, 'कोई गुनाह तो नहीं कर रहीं थैंक यू कहके? नए जमाने में कृतज्ञता व्यक्त करने का यही तरीका है।'

'औलादें अपनी माता को थैंक यू कहां जाकर कह रही हैं, मालूम है?' चचा सवाल करने पर उतारू थे। मैंने कहा, 'महंगे होटल में, रिसार्ट में, गार्डन में, महंगा गिफ्ट देकर, महंगा वाला केक काटकर, थैंक यू कहती हैं औलादें। जितना महंगा तामझाम उतनी विनम्र कृतज्ञता। देख मां! तेरे लिए मैंने कितनी आलीशान पार्टी रखी है। लाख रुपये का तो केक ही है। एक प्लेट खाना बारह हजार का पड़ा है। तेरे दूध का कर्ज, मैंने कई गुना ज्यादा करके चुकाया है। लोग कहते हैं, 'हर मां को भैयाजी सरीखा बाहुबली बेटा मिले?'

'मूर्खानंद! काश तुझे पता होता कि औलादें अपनी माताओं को थैंक यू कहने होटल नहीं, कहीं और जाती हैं?' चचा अड़े थे। मैं भन्नाया, 'तुम्हीं ज्ञानी हो तो बताओ कहां जाती हैं?' मैंने पूछा। चचा बोले, 'अपनी मां को थैंक यू बोलने औलादें वृद्धाश्रम जाती हैं।' 'चलो कहीं भी जाकर थैंक यू तो बोलती हैं। इसी बहाने, मां का हाल-चाल जान लेती हैं।' 'ज्यादातर तो यह देखने जाती हैं कि मां अभी और कितने दिन चलेगी? थोड़ी ठीक-ठाक हो तो महीने-दो महीने के लिए घर ले आएं, कामवाली बाई छोड़के चली गई है। जब कोई मिल जाएगी तो यही औलादें फिर छोड़ आएंगी, मां को वृद्धाश्रम में। मां भी आजकल यूज एंड थ्रो वाली वस्तु हो गई है?' चचा दनादन सच-पे-सच बोले पड़े थे। मैं स्तब्ध था।

पोस्ट

कांग्रेस में कुछ लोग पहले भी उदयनिधि की सनातन विरोधी टिप्पणियों से सहमत नहीं थे, लेकिन किसी ने भी विरोध का साहस नहीं दिखाया। विधानसभा में उन्होंने वही बात दोहराई तो कांग्रेस को खुशी होनी चाहिए कि अब वह द्रमुक के साथ नहीं है। पल्लवी घोष@_pallavighosh

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में पहले भाषण में विजय ने कहा कि वे गरीबी में पले-बढ़े हैं और उन्हें भूख का अनुभव है। यह सरासर झूठ है। उनके पिता फिल्म निर्माता थे, जिन्होंने अपने बेटे को फिल्मी करियर के लिए तैयार किया।
मनु जोसेफ@manujosephsan

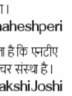

एनटीए द्वारा नीट रद किए जाने में आश्चर्य की बात नहीं। 2024 में भी कुछ ऐसा ही हुआ था, लेकिन आरोपों को दबा दिया गया था। अगर हमने 2024 में सख्ती से निपटा होता तो यह दोबारा नहीं होता।
महेश्वर पेरी@maheshperi

नीट का पेपर रद होना दर्शाता है कि एनटीए नितांत लाचार-कमजोर-लचर संस्था है।
मीनाक्षी जोशी@IMinakshiJoshi

हरियाणा डायरी

सुधीर तंवर
प्रमुख संवाददाता, हरियाणा ब्यूरो

राहुल गांधी का एकजुटता का संदेश बेअसर

सद्भाव यात्रा में शामिल हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी। फाइल

हरियाणा में गुटबाजी की शिकार कांग्रेस में कलह कम होने का नाम नहीं ले रही। कांग्रेस विदेश सहयोग विभाग के सह संयोजक और पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह की सद्भाव यात्रा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के शामिल होने से उम्मीद जगी थी कि यात्रा को निजी कार्यक्रम बताकर बहिष्कार करते आए हरियाणा के दिग्गज कांग्रेसी नेता अब थोड़ी गंभीरता दिखाएंगे। इसके उलट सांसद-विधायकों की बयानबाजी अनवरत जारी है। पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह के पुत्र और पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह को सात माह तक चलाई गई यात्रा में किसी कांग्रेस विधायक अथवा सांसद का समर्थन नहीं मिला। यात्रा में उनके साथ न कोई विधायक पैदल चला और न ही किसी सांसद ने रुचि दिखाई। गुरुग्राम में यात्रा में शामिल राहुल गांधी ने भले ही मंच से कांग्रेसियों को एकजुटता का संदेश दिया, लेकिन इसका असर फिलहाल तो नहीं दिखाई दे रहा। राहुल के दौरे के बाद कांग्रेस सांसद जयप्रकाश जेपी ने खुलकर बृजेंद्र सिंह की भूमिका पर सवाल उठा दिए।

बृजेंद्र सिंह जब हिसार से भाजपा के सांसद थे, तब उन्होंने मजबूरी में सही, पार्टी लाइन पर चलते हुए तीन कृषि कानूनों का समर्थन किया था। यही मुद्दा उनके गले की फांस बन गया है। कांग्रेस में उन्हें प्रबल विरोध सहना पड़ रहा है। विरोधी नेताओं की लामबंदी के चलते लोकसभा चुनाव में बृजेंद्र सिंह को टिकट नहीं मिल पाया, जबकि विधानसभा चुनाव में भी खेमेबाजी के चलते जींद की उचाना विधानसभा सीट से हार का मुंह देखना पड़ा। हालांकि यहां से जननायक जनता पार्टी (जजपा) नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला भी चुनाव हार गए, जिन्होंने हरियाणा में भाजपा के साथ गठबंधन सरकार में रहते तीन कृषि कानूनों का समर्थन किया था। रोहतक के कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा, हिसार के सांसद जयप्रकाश जेपी, सोनीपत के सांसद सतपाल ब्रह्मचारी और अंबाला के सांसद वरुण मुलाना ने सद्भाव यात्रा से पूरे समय दूरी बनाए रखी, ताकि बृजेंद्र सिंह द्वारा तीन कृषि कानूनों का समर्थन करने पर उन्हें लोगों के विरोध का सामना न करना पड़े। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी जब यात्रा के समापन पर गुरुग्राम आए, तब जजपा की यूथ विंग के अध्यक्ष दिग्विजय चौटाला ने एक पोस्ट कर राजनीतिक माहौल को पूरी तरह से गरम कर दिया था। उन्होंने एक्स पर लिखा कि राहुल गांधी तीन कृषि कानूनों का समर्थन करने वाले पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह के मंच पर आ रहे हैं। हम जब भाजपा की सरकार में थे, तब हमारा इन कानूनों को लेकर खूब विरोध किया गया। अब राहुल गांधी और बृजेंद्र सिंह से क्यों सवाल नहीं पूछे जा रहे हैं।

दिग्विजय चौटाला ने भले यह पोस्ट राहुल गांधी के आगमन से एक दिन पहले किया, लेकिन कांग्रेस सांसदों और विधायकों ने इस स्थिति को पहले ही समझ लिया था, जिस कारण सद्भाव यात्रा से उन्होंने दूरी बनाए रखी। हालांकि यात्रा के दौरान अलग-अलग समय पर सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा, पूर्व मंत्री कैप्टन अजय यादव और कांग्रेस महासचिव एवं राज्यसभा सदस्य रणदीप सिंह सुरजेवाला जरूर बृजेंद्र सिंह के साथ अलग-अलग अवसरों पर दिखाई दिए, लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री और विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा से लेकर प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र और हरियाणा प्रभारी बीके हरिप्रसाद के खेमे ने राहुल के हरियाणा आगमन तक यात्रा से पूरी तरह दूरी बनाए रखी।

सद्भाव यात्रा को कांग्रेस की अधिकृत यात्रा नहीं मानने वाले हरियाणा कांग्रेस के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने राहुल का दौरा तय होने के बाद बाकायदा पत्र जारी कर सभी सांसद-विधायकों और पार्टी जिलाध्यक्षों को इस यात्रा में शामिल होने के लिए निर्देशित किया, लेकिन गिने-चुने नेता ही मंच पर दिखाई दिए। बृजेंद्र की सद्भावना यात्रा के बाद अब राज्य में हुड्डा, सैलजा एवं सुरजेवाला के बाद बृजेंद्र सिंह का नया गुट खड़ा हो गया है। वहीं, लंबे समय बाद संगठन को दुरुस्त करने में लगी कांग्रेस कुछ जिलाध्यक्षों की किसी भी समय छुट्टी कर सकती है। प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने जिलाध्यक्षों के कामकाज की रिपोर्ट के आधार पर अपना फीडबैक शीर्ष नेतृत्व को दिया है। हरियाणा कांग्रेस के सह प्रभारी जितेंद्र बघेल ने संकेत दिए हैं कि जिन जिलाध्यक्षों की रिपोर्ट ठीक नहीं है, उन्हें काम में सुधार का अंतिम अवसर जरूर दिया जा सकता है। जिन जिलाध्यक्षों की छुट्टी होनी है, उनसे जवाब मांगा जा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष को संतुष्ट नहीं कर पाने की स्थिति में नए जिलाध्यक्षों की नियुक्तियां की जा सकती हैं। हालांकि प्रदेश अध्यक्ष ने स्वयं ही अभी तक अपनी राज्य स्तरीय टीम का गठन नहीं किया है, जिसकी बड़ी वजह कांग्रेस नेताओं की आपसी गुटबाजी भी है।

जागरण जनमत

कल का परिणाम

क्या विदेशी मुद्रा की बचत और ईंधन के किफायती उपयोग की प्रधानमंत्री की अपील पर विपक्ष की आपत्ति सही है?

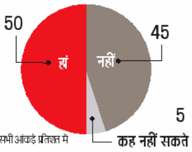

सभी आंकड़े प्रतिशत में

आज का सवाल

क्या नीट पेपर रद होना शिक्षा मंत्रालय की छवि को भी चोट पहुंचाने वाला है?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है

जनपथ

बिस्वा सरमा भी हुए कुर्सी पर आसीन,
दिखना चहिए हर तरफ योगी जैसा सीन।
योगी जैसा सीन दिखे ना कोई गुंडा,
एनकाउंटर हाफ सहे अब हर मुस्तण्डा!
पब्लिक होकर झूम रही है उत्सव धर्मा,
जीतें दिल दा शुभेन्दु होयं या बिस्वा सरमा!!
-ओम प्रकाश तिवारी

मंथन

रोहित कौशिक
वरिष्ठ पत्रकार

फिर याद आई विपक्ष की एकता

विपक्षी दल सिर्फ भाजपा-विरोध के नाम पर जनता को लंबे समय तक साथ नहीं जोड़ सकते। राजनीति में केवल चुनावी गठबंधन काफी नहीं होते, बल्कि साझा सोच और भरोसा भी जरूरी होते हैं

बंगाल में हार के बाद ममता बनर्जी को आइएनडीआइए की आई याद। फाइल

बंगाल का चुनाव हारने के बाद ममता बनर्जी कह रही हैं कि वह विपक्षी दलों के मोर्चे आइएनडीआइए को मजबूत करने का काम करेंगी। सवाल यह है कि अभी तक उन्होंने इसे मजबूत करने के लिए ठोस प्रयास क्यों नहीं किए? सच्चाई यह है कि कई मुद्दों पर उन्होंने गठबंधन से अलग राह भी अपनाई। सवाल केवल ममता बनर्जी का नहीं है, बल्कि विपक्ष के सभी राजनीतिक दलों और उनके नेताओं का है। क्या विपक्ष के छोटे और क्षेत्रीय दल अपने व्यक्तिगत स्वार्थों से ऊपर उठकर कांग्रेस के साथ मजबूती से खड़े हो पाएंगे? विपक्षी दलों को यह समझना होगा कि केवल व्यक्तिगत हितों की राजनीति करके वे भाजपा के सामने टिक नहीं सकते। भाजपा से लड़ना है, तो विपक्ष को अपने व्यवहार और राजनीतिक गतिविधियों में भी गंभीरता दिखानी होगी। उन्हें यह आत्ममंथन करना पड़ेगा कि आखिर भाजपा आज इस मुकाम तक कैसे पहुंची। कमरों में बैठकर यदि भाजपा की सफलता का रहस्य खोजने की कोशिश की जाएगी, तो विपक्ष भी उन्हीं कमरों तक सीमित रह जाएगा। जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझना और जमीनी स्तर पर संघर्ष करना ही किसी भी राजनीतिक दल की वास्तविक ताकत बन सकता है।

भाजपा ने कोई जादू की छड़ी घुमाकर राजनीतिक सफलता हासिल नहीं की है। इसके पीछे उसका लंबा संघर्ष और लगातार किया गया संगठनात्मक परिश्रम है। बंगाल में कभी भाजपा का कोई विशेष वजूद नहीं था, लेकिन आज उसने वहां भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा दी है। भाजपा जमीन पर मेहनत करना जानती है, पर सवाल यह है कि कितनी विपक्षी पार्टियां उसी स्तर पर जमीनी संघर्ष कर रही हैं? विपक्ष अक्सर चुनाव आयोग और सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग के आरोप लगाकर अपनी कमजोरियों पर पर्दा डालने की कोशिश करता है। जबकि इस दौर में सबसे पहले उसे अपनी संगठनात्मक कमजोरियों को दूर करना होगा। विपक्षी एकता तभी संभव है, जब राजनीतिक दल अपनी संकीर्ण मानसिकता छोड़कर किसी बड़े उद्देश्य पर ध्यान केंद्रित करें। एक राज्य तक सीमित क्षेत्रीय दलों को भी कांग्रेस के महत्व को समझना होगा। भले ही किसी राज्य में क्षेत्रीय दलों की स्थिति मजबूत हो, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर पूरे विपक्ष का व्यापक प्रतिनिधित्व करने की क्षमता अब भी कांग्रेस के पास ही है।

कांग्रेस एक बड़ी और राष्ट्रीय स्तर की पार्टी है, इसलिए छोटे दलों को कांग्रेस को उचित सम्मान देना होगा। इसके साथ ही कांग्रेस की भी जिम्मेदारी है कि वह क्षेत्रीय और छोटे दलों को सम्मान देकर विपक्षी एकता को मजबूत करे। छोटे दलों को यह आशंका बनी रहती है कि कांग्रेस कहीं उनकी राजनीतिक जमीन और सीटों पर कब्जा न कर ले, जिससे उनका अस्तित्व सीमित हो जाए। यही कारण है कि ऐसे दल कांग्रेस को सीटें देने में संकोच करते हैं। जब तक विपक्षी दल आपसी विश्वास और समझ को मजबूत नहीं करेंगे, तब तक इस स्थिति में किसी बड़े परिवर्तन की उम्मीद करना कठिन है। सभी विपक्षी राजनीतिक दलों को देर-सबेर यह समझना ही होगा कि एकता के बल पर ही उनका राजनीतिक अस्तित्व सुरक्षित रह सकता है। आज की राजनीति में केवल चुनावी गठबंधन काफी नहीं हैं, बल्कि साझा सोच और भरोसा भी जरूरी है। विपक्षी दलों को यह स्वीकार करना होगा कि सिर्फ भाजपा-विरोध के नाम पर जनता को लंबे समय तक नहीं जोड़ा जा सकता। जनता उन विकल्पों को ही गंभीरता से लेती है, जिनमें शासन की स्पष्ट दृष्टि, अनुशासन और स्थिरता दिखाई दे। यदि विपक्ष केवल चुनाव के समय एकजुट होकर, बाकी समय आपसी आरोप-प्रत्यारोप में उलझा रहेगा, तो वह जनता का विश्वास नहीं जीत पाएगा। इसके अलावा विपक्षी दलों को युवाओं, किसानों, बेरोजगारी और महंगाई जैसे मुद्दों पर एक साझा और स्पष्ट कार्यक्रम भी जनता के सामने रखना होगा। केवल सरकार की आलोचना करने से राजनीतिक विकल्प तैयार नहीं होता। जनता अब नारों से अधिक परिणाम देखना चाहती है। इतिहास गवाह है कि विपक्षी एकता पर बड़ी-बड़ी बातें करने वाले राजनीतिक दल एकता के रास्ते पर ज्यादा देर तक नहीं चल पाए। दरअसल इस दौर में विचारधारा की राजनीति खत्म होती जा रही है। कुछ छोटे दल तो एक विचारधारा पर टिक ही नहीं पाते हैं। ऐसे दल समय आने पर हर तरह की राजनीति का हिस्सा बन जाते हैं। इसलिए कुछ समय बाद विपक्षी एकता एक खोखला आदर्शवाद लगने लगती है। यह तो विपक्षी दलों को ही तय करना होगा कि वे किस रास्ते पर चलना चाहते हैं?

बल्लेबाज	रन
हेनरिक क्लासेन	508
साई सुदर्शन	501
अभिषेक शर्मा	481

गेंदबाज	विकेट
भुवनेश्वर कुमार	21
कैगिसो रबादा	21
अंशुल कंबोज	19

गुजरात टाइटंस ने अब घर में सनराइजर्स को फंसाया

रबादा और होल्डर की अगुआई में टाइटंस के गेंदबाजों ने हैदराबाद को उसके सबसे कम स्कोर 86 रन पर किया ढेर

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: गुजरात टाइटंस ने एक बार फिर साबित कर दिया कि मैच सिर्फ बड़े स्कोर से नहीं, बल्कि परिस्थितियों के अनुसार खेलकर भी जीते जाते हैं। गुजरात टाइटंस ने मंगलवार को सनराइजर्स हैदराबाद को रौंदते हुए आइपीएल अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल करते हुए प्लेआफ में जगह लगभग पक्की कर ली।

अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम की मुश्किल पिच पर बल्लेबाजों के लिए रन बनाना आसान नहीं था। पिछले मुकाबले में पंजाब किंग्स की टीम 167 रन पर सिमट गई थी। उसी तरह की सतह पर मंगलवार को गुजरात की शुरुआत भी डगमगा गई थी। शुरुआती विकेट जल्दी गिरने के बाद ऐसा लग रहा था कि टीम बड़ा स्कोर नहीं बना पाएगी, लेकिन साई सुदर्शन (61) और वाशिंगटन सुंदर (50) ने संयम और समझदारी से बल्लेबाजी करते हुए पारी को संभाला। दोनों की जिम्मेदार पारियों की बदौलत गुजरात किसी तरह 168 रन तक पहुंचने में सफल रही, जो उस पिच पर काफी चुनौतीपूर्ण स्कोर साबित हुआ। इसके बाद कैगिसो रबादा (3/28) और जेसन होल्डर (3/20) ने अपनी तेज गेंदबाजी से ऐसा कहर बरपाया कि सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाज पूरी तरह बिखर गए।

दोनों गेंदबाजों की रफ्तार, उछाल और सटीक लाइन-लेंथ के सामने हैदराबाद के बल्लेबाजों ने लगभग सरेंडर कर दिया। 169 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पूरी टीम महज 14.5 ओवर में 82 रन पर ढेर हो गई। ये सनराइजर्स हैदराबाद का आइपीएल में न्यूनतम स्कोर भी है।

अभिषेक शर्मा का विकेट लेने के बाद जश्न मनाते कैगिसो रबादा • एपी

बिखर गई हैदराबाद की बल्लेबाजी: लक्ष्य का पीछा करने उतरी सनराइजर्स हैदराबाद की शुरुआत बेहद खराब रही। मोहम्मद सिराज ने विकेट मेडन ओवर डालते हुए ट्रेविस हेड को चलता किया। इसके बाद कैगिसो रबादा ने अपनी तेज और सटीक गेंदबाजी से हैदराबाद के शीर्ष क्रम को झकझोर दिया। अभिषेक शर्मा (6), इशान किशन (11) और आर स्मरण को आउट कर रबादा ने हैदराबाद को पावरप्ले में ही बैकफुट पर धकेल दिया। हैदराबाद ने 32 रन पर ही चार विकेट गंवा दिए। इसके बाद भी विकेट गिरने का सिलसिला नहीं रुका। जेसन होल्डर ने भी शानदार गेंदबाजी करते हुए हेनरिक क्लासेन (14) और नितीश कुमार रेड्डी (2) को आउट किया। होल्डर की अतिरिक्त उछाल और धीमी पिच पर बदलाव भरी गेंदों ने बल्लेबाजों को पूरी तरह परेशान कर दिया। वहीं प्रसिद्ध ने भी दो बल्लेबाजों को आउट किया।

सुदर्शन-वाशिंगटन ने संभाली पारी: इससे पहले, सनराइजर्स के कप्तान पैट कमिंस ने टास जीतकर गेंदबाजी चुनी और उसके गेंदबाजों ने शुरुआत से ही गुजरात टाइटंस के बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा। खासतौर पर युवा तेज गेंदबाज प्रफुल्ल हिंगे ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पावरप्ले में शुभमन गिल (5) और जोस बटलर (7) के विकेट झटके। टीम ने शुरुआती छह ओवर में केवल 34 रन बनाए और दो अहम विकेट गंवा दिए, जो इस सीजन में पावरप्ले के दौरान उसका सबसे कम स्कोर रहा। कप्तान गिल शुरुआत में जीवनदान मिलने के बावजूद बड़ी पारी नहीं खेल सके। नीतीश रेड्डी उनकी कैच नहीं पकड़ पाए, लेकिन अगले ही ओवर में गिल मिड आन पर हेनरिक क्लासेन को आसान कैच दे बैठे।

इसके बाद बटलर भी ज्यादा देर टिक नहीं सके। विकेट के पार जाकर स्कूप खेलने की कोशिश में उनका बल्ले का किनारा लगा और इशान किशन ने विकेट के पीछे आसान कैच लपक लिया। लगातार विकेट गिरने के बाद गुजरात की टीम दबाव में आ गई थी। साई सुदर्शन और वाशिंगटन सुंदर ने मुश्किल में पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने जल्दबाजी दिखाने के बजाय धैर्य के साथ खेलते हुए स्ट्राइक रोटेट की और खराब गेंदों का पूरा फायदा उठाया। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 60 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी हुई, जिसने गुजरात को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। सुदर्शन ने अपनी पारी में पांच चौके और दो छक्के लगाए। उन्होंने एक छोर संभालकर बल्लेबाजी की और समय-समय पर आक्रामक शाट भी खेले। 19वें ओवर की अंतिम गेंद पर एहसान मलिंगा की लो फुल टास पर वाशिंगटन ने मिडविकेट के ऊपर से शानदार फ्लैट छक्का जड़ा। हालांकि अंत में साकिब हुसैन ने दोनों सेट बल्लेबाजों को आउट कर दिया।

स्कोर बोर्ड

टास: सनराइजर्स हैदराबाद (गेंदबाजी) परिणाम: गुजरात 82 रन से जीता

गुजरात टाइटंस: 168/5 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
सुदर्शन का. प्रफुल्ल बो. साकिब	61	44	5/2
गिल का. क्लासेन बो. प्रफुल्ल	5	7	1/0
बटलर का. इशान बो. प्रफुल्ल	7	11	1/0
निशांत का. क्लासेन बो. कमिंस	22	14	3/1
वाशिंगटन का. इशान बो. साकिब	50	33	7/1
होल्डर अविजित	11	10	0/0
तेवतिया अविजित	4	1	1/0

अतिरिक्त : 8 (लेबा : 2, वा : 6)
विकेटपतन : 1-15 (गिल, 2.2), 2-26 (बटलर, 5.1), 3-64 (निशांत, 9.3), 4-124 (सुदर्शन, 16.2), 5-165 (वाशिंगटन, 19.5)
गेंदबाजी : कमिंस 4-0-20-1, नीतीश 3-0-27-0, प्रफुल्ल 3-0-17-2, मलिंगा 4-0-46-0, साकिब 4-0-37-2, शिवांग 2-0-19-0

सनराइजर्स हैदराबाद : 86/10 (14.5 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
हेड का. निशांत बो. सिराज	0	4	0/0
अभिषेक बो. रबादा	6	4	0/1
इशान का. बटलर बो. रबादा	11	7	1/1
रविचंद्रन का. गिल बो. रबादा	9	15	1/0
क्लासेन का. बटलर बो. होल्डर	14	16	2/0
सलिल का. बटलर बो. प्रसिद्ध	2	4	0/0
नीतीश का. वाशिंगटन बो. होल्डर	2	4,	0/0
कमिंस का. सिराज बो. प्रसिद्ध	19	9	1/2
शिवांग का. बटलर बो. होल्डर	4	6	0/0
प्रफुल्ल स्टंप बटलर बो. राशिद	3	8	0/0
मलिंगा अविजित	0	3	0/0

अतिरिक्त : 2 (लेबा : 1, वा : 1)
विकेटपतन : 1-0 (हेड, 0.4), 2-6 (अभिषेक, 1.4), 3-23 (इशान, 3.1), 4-32 (रविचंद्रन, 5.5), 5-56 (सलिल, 9.4), 6-56 (क्लासेन, 10.1), 7-60 (नीतीश, 10.4), 8-72 (शिवांग, 12.2), 9-82 (कमिंस, 13.4)
गेंदबाजी : सिराज 3-0-11-1, रबादा 4-0-28-3, होल्डर 4-0-20-3, प्रसिद्ध 3-0-23-2, राशिद 0.5-0-3-1

अंक तालिका		मैच	जीत	हार	रद	नेट रन रेट	अंक
1	गुजरात	12	8	4	0	+0.551	16
2	आरसीबी	11	7	4	0	+1.103	14
3	हैदराबाद	12	7	5	0	+0.331	14
4	पंजाब	11	6	4	1	+0.428	13
5	चेन्नई	11	6	5	0	+0.185	12
6	राजस्थान	11	6	5	0	+0.082	12
7	दिल्ली	12	5	7	0	-0.993	10
8	कोलकाता	10	4	5	1	-0.169	9
9	मुंबई (E)	11	3	8	0	-0.585	6
10	लखनऊ (E)	11	3	8	0	-0.907	6

प्लेआफ की उम्मीदें जिंदा रखने उतरेगी केकेआर

दीपक शुक्ला • नईदुनिया

रायपुर: आइपीएल में प्लेआफ की दौड़ अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है। बुधवार को रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में होने वाले मुकाबले में रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) आमने-सामने होंगी। अंक तालिका में शीर्ष पर चल रही आरसीबी की नजर जीत के साथ अंतिम चार में अपनी जगह लगभग पक्की करने पर होगी, जबकि केकेआर के लिए यह मुकाबला 'करो या मरो' जैसा माना जा रहा है।

आरसीबी ने इस सीजन में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन पिछले कुछ मुकाबलों में उसकी बल्लेबाजी अपेक्षित लय में नजर नहीं आई। मुंबई इंडियंस के खिलाफ पिछले मैच में टीम को 167 रन के लक्ष्य तक पहुंचने में काफी संघर्ष करना पड़ा था। उस मैच में क्रुणाल पंड्या की जिम्मेदार पारी और अंतिम ओवर में भुवनेश्वर कुमार के छक्के ने टीम को जीत दिलाई थी। ऐसे में आरसीबी प्रबंधन नहीं चाहेगा कि उसकी बल्लेबाजी एक बार फिर दबाव में बिखरे।

पाटीदार की फार्म बनी चिंता: कप्तान रजत पाटीदार ने टूर्नामेंट के शुरुआती चरण में शानदार बल्लेबाजी की थी, लेकिन पिछले कुछ मुकाबलों में उनका बल्ला शांत रहा है। पिछली छह पारियों में वह केवल एक बार ही पचास रन का आंकड़ा पार कर सके हैं। मध्यक्रम में उनकी धीमी फार्म का असर टीम के संतुलन पर भी दिखाई दिया है।

अजिंक्य रजत पाटीदार

हालांकि विराट कोहली लगातार टीम की बल्लेबाजी की धुरी बने हुए हैं। देवदत्त पडिक्कल और टिम डेविड ने भी अहम मौकों पर उपयोगी पारियां खेलकर टीम को संभाला है। रायपुर की पिच अगर पिछले मुकाबले की तरह धीमी और चिपचिपी रही, तो आरसीबी के बल्लेबाजों की परीक्षा और कठिन हो सकती है।

नारायण-वरुण की जोड़ी बनेगी चुनौती: केकेआर की ताकत इस समय उसकी गेंदबाजी मानी जा रही है। शुरुआती लड़खड़ाहट के बाद टीम ने लगातार चार जीत दर्ज कर वापसी की है। सुनील नारायण और वरुण चक्रवर्ती की स्पिन जोड़ी विरोधी बल्लेबाजों के लिए लगातार परेशानी खड़ी कर रही है। इनके अलावा वैभव अरोड़ा, कार्तिक त्यागी और अनुकूल राय ने भी जरूरत के समय विकेट निकालकर टीम को मजबूती दी है।

केकेआर के लिए हार का मतलब बाहर होना: तीन बार की चैंपियन केकेआर अभी अंक तालिका में निचले हिस्से में संघर्ष कर रही है। टीम के खाते में 10 मैचों में सिर्फ नौ अंक हैं और अब हर मुकाबला उसके लिए बेहद अहम हो चुका है। यहां हार मिलने पर प्लेआफ की राह लगभग बंद हो सकती है।

हार्दिक पर सस्पेंस, लखनऊ जा सकते हैं धौनी

हार्दिक

मुंबई के कार्यवाहक कप्तान सूर्यकुमार यादव भी धर्मशाला नहीं पहुंचे, बाद में टीम से जुड़ेंगे

धौनी

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली : मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या की फिटनेस को लेकर सस्पेंस लगातार बना हुआ है। पीठ में ऐंठन की समस्या से जूझ रहे हार्दिक पंजाब किंग्स के विरुद्ध गुरुवार को होने वाले आइपीएल मुकाबले से पहले टीम के साथ धर्मशाला नहीं पहुंचे। मुंबई इंडियंस की टीम और सहयोगी स्टाफ सोमवार दोपहर हिमाचल प्रदेश पहुंच गया, लेकिन हार्दिक उनके साथ नजर नहीं आए।

हार्दिक पिछले दो मुकाबलों से बाहर हैं और उनके टीम के साथ यात्रा नहीं करने से अब उनकी वापसी को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। हालांकि टीम से जुड़े सूत्रों का कहना है कि अभी मैच में समय बाकी है और वह बाद में टीम से जुड़ सकते हैं। बताया जा रहा है कि मुंबई में टीम का मेडिकल स्टाफ उनकी चोट का लगातार आकलन कर रहा है। इस बीच, इंटरनेट मीडिया पर हार्दिक को लेकर कई तरह की चर्चाएं चल रही हैं, लेकिन टीम प्रबंधन ने साफ किया है कि मामला केवल चोट से जुड़ा है। हार्दिक का इस सीजन प्रदर्शन भी उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है। उन्होंने आठ मैचों में केवल 146 रन बनाए हैं और गेंदबाजी में सिर्फ चार विकेट हासिल किए हैं। वहीं, सूर्यकुमार यादव भी टीम के साथ धर्मशाला नहीं गए। हालांकि उनका मामला निजी कारणों से जुड़ा है, क्योंकि हाल ही में वह पिता बने हैं। सूर्यकुमार बाद में धर्मशाला पहुंच सकते हैं। इस बीच, चेन्नई सुपर किंग्स खेमे से खबर है कि महेंद्र सिंह धौनी लखनऊ के विरुद्ध अगले मुकाबले के लिए टीम के साथ यात्रा कर सकते हैं। पिंडली की चोट से उबर रहे धौनी इस सीजन ज्यादातर मुकाबलों में टीम के साथ यात्रा करने से बचते रहे हैं। सीएसके के सीईओ काशी विश्वनाथन ने पुष्टि की है कि धौनी का टिकट बाकी टीम के साथ बुक कर दिया गया है और फ्रेंचाइजी को उम्मीद है कि वह लखनऊ जाएंगे।

बेमन सीखी गेंदबाजी, अब बल्लेबाजों की आफत बने माधव

कपीश दुबे • नईदुनिया

दिल्ली कैपिटल्स के आलराउंडर माधव तिवारी को अब तक मप्र में रणजी टीम से नहीं मिला मौका, बेटे के प्रदर्शन पर पिता हुए भावुक

12 वर्ष की उम्र में माधव तिवारी सीखने पहुंचे थे क्रिकेट, कोच अमय खुरासिया ने सिखाई गेंदबाजी की अहमियत

इंदौर: भारत में हर बच्चा क्रिकेटर तो बनना चाहता है, लेकिन आनंद बल्लेबाजी में आता है। फील्डिंग या गेंद फेंकने में दिलचस्पी कम होती है। इंदौर में 12 साल का एक बच्चा भी जब क्रिकेट का ककहरा सीखने पहुंचा तो कोच की पारखी निगाह ने उसमें आलराउंडर देखा। मगर यह तो सिर्फ बल्लेबाजी करने पर अड़ा था। कई बार प्यार से समझाया तो कई बार डांट भी लगाई। आखिर में गेंद ऐसी थामी की बल्लेबाजों की शामत बन गया। आइपीएल के वर्तमान सत्र में पहला ही मैच खेलने उतरे इस 22 साल के युवा को दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने पंजाब किंग्स के खिलाफ जब गेंद थमाई तो निर्भीकता से प्रियांश आर्य और कूपर कोनोली जैसे दिग्गजों को डगआउट पहुंचा दिया। फिर जब बल्लेबाजी की बारी आई तो भी अंतिम क्षणों में 225 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हुए अपनी टीम को हारी हुई बाजी जिता ले गया।

दिल्ली कैपिटल्स के आलराउंडर माधव तिवारी • फाइल फोटो, प्रेट्र

यह कहानी है मध्य प्रदेश के माधव तिवारी की। तिवारी अपनी कहानी यूं बताते हैं, जब मैं बचपन में क्रिकेट कोचिंग लेने पहुंचा तो सिर्फ बल्लेबाजी करना पसंद था। गेंदबाजी में वैसे भी थकावट होती है तो मैं इससे बचता था। मगर मेरे कोच अमय खुरासिया के पास बहुत अनुभव है, उन्होंने मुझे समझाया कि गेंदबाजी क्यों जरूरी है। इसके बाद उन्होंने ही मेरी गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों पर समान रूप से मेहनत की और इसका फायदा मिला। पिता अवधेश तिवारी बेटे के प्रदर्शन से कुछ भावुक नजर आए और कोच के प्रति कृतज्ञता का भाव भी शब्दों में दिखा। कहने लगे, हमने 12 साल की उम्र में कोच खुरासिया को इसे सौंप दिया था। हमने इसे जन्म दिया है, लेकिन उसे क्रिकेटर बनाने वाले गुरू हैं। कोच ने तब कहा था कि यह बड़ा क्रिकेटर बनेगा, मौका तो मिलने दीजिए। वह दो साल से मप्र क्रिकेट लीग में में भी प्रभावी प्रदर्शन कर रहा है। माधव भले ही आइपीएल की पारी से चर्चा में है, लेकिन वास्तविकता यह है कि अपने ही राज्य मध्य प्रदेश की सीनियर टीम में किसी भी प्रारूप में उसे अब तक मौका नहीं दिया गया। प्रदेश की अंडर-23 टीम में जरूर शामिल किया जाता रहा, लेकिन यहां भी शीर्षक्रम में बल्लेबाजी नहीं मिलती। इसके बावजूद गेंद या बल्ले से जब मौका मिला, उपयोगिता साबित की। कोच अमय खुरासिया बताते हैं, माधव बहुत आत्मविश्वासी है। उसे चुनौतियां पसंद हैं। यही उसकी ताकत है। मुझे याद आता है, जब यह 12-13 साल का था तो क्लब मैच में गेंद लगने से अंगूठा सूज गया। टीम को जीत के लिए अंतिम ओवर में विकेट की जरूरत थी और चोटिल अंगूठे के साथ कोच से गेंदबाजी मांगने पहुंच गया।

खेल डायरी

अक्षर पटेल पर लगा 12 लाख रुपये का जुर्माना

धर्मशाला, प्रेट्र: दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल पर पंजाब किंग्स के विरुद्ध अपनी टीम की जीत के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। आइपीएल की ओर से कहा गया, अक्षर पटेल पर धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट संघ स्टेडियम में पंजाब किंग्स के विरुद्ध मैच के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए जुर्माना लगाया गया है। धीमी ओवर गति से संबंधित आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत यह उनकी टीम का इस सत्र का पहला अपराध था इसलिए अक्षर पटेल पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। दिल्ली कैपिटल्स का अगला मुकाबला रविवार को राजस्थान रायल्स से होगा।

ईटीपीएल में धौनी को देखना चाहूंगा: अभिषेक

नई दिल्ली, प्रेट्र: अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के छह साल बाद भी महेंद्र सिंह धौनी का करिश्मा जस का तस है। अभिनेता व ईटीपीएल के सह संस्थापक अभिषेक बच्चन का कहना है कि वह नई यूरोपीय टी-20 प्रीमियर लीग में भविष्य में 'कैप्टन कूल' को देखना चाहेंगे। उन्होंने डबलिन से दिए साक्षात्कार कहा कि क्या किसी को इस बात का कोई कारण देने की जरूरत है कि आप महेंद्र सिंह धौनी को क्रिकेट के मैदान पर क्यों देखना चाहते हैं। 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदा ले चुके धौनी आइपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा हैं, लेकिन मौजूदा सत्र में चोट के कारण अभी तक खेले नहीं हैं। बीसीसीआइ के नियमों के तहत सभी तरह के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और आइपीएल से संन्यास ले चुके भारतीय पुरुष क्रिकेटर ही विदेश में टी-20 लीग खेल सकते हैं। अभिषेक ने स्वीकार किया कि मौजूदा भारतीय सितारों की कमी खलेगी। उन्होंने कहा कि भारतीय क्रिकेटर ईटीपीएल का हिस्सा होते तो हमें खुशी होती, लेकिन नियमों के तहत यह हो नहीं सकता।

पुरस्कार राशि के मुद्दे पर मिला पेगुला का साथ

रोम, एपी: पुरुष एवं महिला वर्ग में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी जानिक सिनर और एरिना सबालेंका का टेनिस टूर्नामेंट विशेषकर ग्रैंडस्लैम प्रतियोगिताओं की पुरस्कार राशि बढ़ाने के अभियान को जेसिका पेगुला का भी समर्थन मिला है, जो खिलाड़ियों को इस मामले में एकजुट करने की भूमिका निभा रही हैं। सबालेंका ने पिछले सप्ताह कहा था कि खिलाड़ियों को टूर्नामेंट के राजस्व में बड़ा हिस्सा पाने के लिए बहिष्कार पर विचार करना चाहिए, जबकि सिनर ने कहा कि आयोजकों में खिलाड़ियों

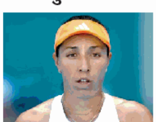

के प्रति सम्मान की कमी है। यूएस ओपन 2024 की उपविजेता पेगुला के लिए यह स्वाभाविक है, क्योंकि वह खेल प्रबंधकों के परिवार में पली-बढ़ी हैं। उनके माता-पिता एनएफएल की बफेलो बिल्स के मालिक हैं।

बांग्लादेश ने टेस्ट में पाक को लगातार तीसरी बार हराया

सीरीज के पहले टेस्ट मैच में बांग्लादेश ने पाकिस्तान को 104 रन से हराया, नाहिद ने दूसरी पारी में झटके पांच विकेट

ढाका, एपी: तेज गेंदबाज नाहिद राणा के पांच विकेट की बदौलत बांग्लादेश ने मंगलवार को पाकिस्तान के विरुद्ध पहले क्रिकेट टेस्ट के पांचवें और अंतिम दिन 104 रन से जीत हासिल की। टेस्ट में बांग्लादेश की यह पाकिस्तान पर लगातार तीसरी जीत है, वहीं अपने घर पर बांग्लादेश की यह पाकिस्तानी टीम पर पहली जीत है। इससे पहले बांग्लादेश ने पाकिस्तान को 2024 में उसके घर में 2-0 से टेस्ट सीरीज हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी।

मंगलवार को बांग्लादेश के 268 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान 163 रन पर सिमट गया, जिसमें नाहिद ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 40 रन देकर पांच विकेट चटकाए। चाय के बाद उन्होंने अपने तीन ओवर में पांच रन देकर सऊद शकील, मोहम्मद रिजवान और नोमान अली को आउट किया। तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद ने भी उनका अच्छा साथ निभाते हुए 40 रन पर दो विकेट चटकाए।

दूसरी पारी में पाकिस्तान को पदार्पण करने वाले दो खिलाड़ी आरंभिक बल्लेबाज अजान अवैस (15) और अब्दुल्ला फजल (66) ने सधी हुई शुरुआत दिलाई और दूसरे विकेट के लिए 54 रन की साझेदारी की। आफ स्पिनर मेहदी हसन ने पहली पारी में शतक जड़ने वाले अवैस को बोल्ड करके इस साझेदारी को तोड़ा। नाहिद ने कप्तान शान मसूद (02) को विकेट के पीछे कैच कराके पाकिस्तान का स्कोर तीन विकेट पर 68 रन किया। फजल ने सलमान आगा (26) के साथ पारी को संभाला लेकिन चाय के ब्रेक के बाद बांग्लादेश ने जल्दी-जल्दी दो विकेट लेकर वापसी की। बाएं हाथ के स्पिनर ताइजुल इस्लाम (2/22) ने फजल को एलबीडब्ल्यू करके सलमान के साथ उनकी 51 रन की साझेदारी तोड़ी। शकील (15) और रिजवान (15) ने पाकिस्तान की उम्मीद जगाई लेकिन नाहिद ने तीन ओवर में तीन विकेट लेकर बांग्लादेश को जीत की दहलीज पर पहुंचाया।

बांग्लादेश के नाहिद राणा • एएफपी

इससे पहले कप्तान नजमुल हुसैन शांतो के 87 रन की मदद से बांग्लादेश ने पाकिस्तान को जीत के लिए 268 रन का लक्ष्य दिया। बांग्लादेश ने दिन की शुरुआत तीन विकेट पर 152 रन से करने के बाद दूसरी पारी नौ विकेट पर 240 रन घोषित की। बांग्लादेश ने पहली पारी में 413 रन बनाए थे और फिर पाकिस्तान को 386 रन पर आउट करके 27 रन की बढ़त हासिल की थी। दूसरा टेस्ट शनिवार से सिल्हट में होगा।

सात्विक-चिराग की थाइलैंड ओपन में जीत से शुरुआत

बैंकाक, प्रेट्र: शीर्ष वरीय सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने मंगलवार को थाइलैंड ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के पुरुष डबल्स मुकाबले के रोमांचक तीन-गेम वाले शुरुआती मैच में इंडोनेशिया के मुह पुत्रा एरवियानस्याह और बगास मौलाना को हरा दिया। हालांकि इस दौरान भारतीय जोड़ी को कड़े मुकाबले का सामना किया। दुनिया की चौथे नंबर की भारतीय जोड़ी ने 64 मिनट में मुह और बगास पर 19-21, 23-21, 21-10 से जीत दर्ज की।

पहला गेम हारने के बाद भारतीय जोड़ी दूसरे गेम में भी 11-16 से पीछे चल रही थी, लेकिन फिर लगातार सात अंक बनाकर उन्होंने मैच का रुख पलट दिया। तीसरे गेम में सात्विक और चिराग ने अपना दबदबा कायम रखा। इससे पहले चोट के बाद वापसी कर रहे मलेशिया के ओलिंपिक कांस्य पदक विजेता ली जी जिया ने क्वालीफाइंग मैच में भारत के मानव चौधरी को 21-19, 21-18 से हरा दिया। वहीं मिक्सड डबल्स क्वालीफाइंग में भारत के एम जगलान और एल जगलान को चीनी ताइपे की जोड़ी ने हरा दिया।

सात्विक और चिराग • इंटरनेट मीडिया

नहीं आईं विनेश, जुबानी कुश्ती जारी

रमन मिश्र • जागरण

गोंडा: पहलवान विनेश फोगाट के मंगलवार को नंदिनीनगर आगमन को लेकर दिनभर लोगों की निगाहें टिकी रहीं, लेकिन वह नहीं आईं। इस बीच, ओलिंपिक पदक विजेता पहलवान साक्षी मलिक ने इंटरनेट मीडिया में अपने बयान से खेल जगत में नई हलचल पैदा कर दी।

विनेश फोगाट

फेसबुक पर वीडियो साझा कर साक्षी ने प्रधानमंत्री, खेल मंत्री व भारतीय कुश्ती संघ से विनेश का ट्रायल कराने की पुरजोर मांग की है। साक्षी ने तर्क दिया कि दूसरे देशों में खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए नियम बदले जाते हैं, जिससे मां बनने के बाद भी महिला खिलाड़ी देश के लिए मेडल जीत सकें। हमारे यहां ऐसे नियम बनाए जा रहे हैं कि विनेश फोगाट जैसे दिग्गज खिलाड़ी वापसी ही न कर सकें। उधर, भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष व पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने नई दिल्ली में पत्रकारों से कहा कि ये जो रायता फैलाकर गई हैं देवीजी (विनेश फोगाट), हम उसको निपटा रहे हैं, मामला कोर्ट में है और वहां कुश्ती चल रही है। कुश्ती कहां होगी और कहां नहीं, ये मेरा विषय नहीं है। भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि हमने जब उन्हें प्रतिबंधित कर दिया है, तो वह यहां कैसे आ सकती हैं।

विरोध प्रदर्शन से प्रभावित हुआ मेरा करियर: दीपक पूनिया

गोंडा, प्रेट्र: एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता दीपक पूनिया का मानना है कि जंतर-मंतर पर पहलवानों के विरोध प्रदर्शन से पैदा हुए व्यवधान से भारत के कई खिलाड़ियों का करियर प्रभावित हुआ था। इसमें वह खुद भी शामिल हैं। दीपक एक समय 86 किलोग्राम वर्ग में भारत की तरफ से निरंतर अच्छा प्रदर्शन करने वाले पहलवान थे। वह टोक्यो में कांस्य पदक से चूक गए थे।

ग्रीको रोमन कुश्ती में भी हरियाणा रहा नंबर वन

जासं, गोंडा : तीन दिवसीय सीनियर नेशनल ओपेन रैंकिंग कुश्ती प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग की फ्री-स्टाइल के बाद ग्रीकोरोमन कुश्ती में भी हरियाणा के पहलवानों का दबदबा दिखा। हरियाणा ने आठ स्वर्ण, चार रजत व 14 कांस्य समेत 26 पदक जीतकर 235 अंक के साथ प्रथम स्थान हासिल किया। उत्तर प्रदेश दूसरे और दिल्ली तीसरे स्थान पर रहा।

लीग-1 के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बने डेंबेले

फुटबाल डायरी

पेरिस, एपी: पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) के फारवर्ड ओस्मान डेंबेले को लगातार दूसरे साल फ्रेंच फुटबाल टूर्नामेंट लीग-1 का प्लेयर आफ द सीजन चुना गया है। डेंबेले ने सोमवार देर रात यह अवार्ड जीता। इसके साथ ही पीएसजी के किसी खिलाड़ी ने लगातार 10वीं बार यह अवार्ड अपने नाम किया है। रीयल मैड्रिड में शामिल होने से पहले काइलियन एमबापे ने लगातार पांच बार यह अवार्ड जीता था। गत सीजन में पीएसजी को लीग का खिताब जिताने में डेंबेले ने अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने 21 गोल किए थे और बेलन डी आर पुरस्कार भी जीता था। हालांकि चोटों के कारण इस सीजन में उनका प्रभाव थोड़ा कम रहा है। हालांकि इस सीजन में भी वह अब तक 10 गोल कर चुके हैं और समय-समय पर अपनी टीम को अपने प्रदर्शन से जीत दिला रहे हैं।

पुरस्कार के साथ डेंबेले • एएफपी

फीफा विश्व कप के प्रसारण मामले पर कोर्ट ने मांगा जवाब

जासं, नई दिल्ली: 11 जून से शुरू हो रहे फीफा विश्व कप-2026 के प्रसारण की मांग वाली याचिका पर मंगलवार को दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार और प्रसार भारती से जवाब मांगा है। अधिवक्ता अवधेश बैरवा की याचिका पर न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव की पीठ ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले पर अगली सुनवाई 20 मई को होगी। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने कहा कि एक नागरिक को ऐसे प्रसारण तक पहुंच का अधिकार है। फीफा विश्व कप दुनिया का सबसे ज्यादा देखे जाने वाला आयोजन है।

क्रिकेट और स्पोर्ट्स की अन्य खबरों के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

दैनिक जागरण
सप्तरंग
सेहत भरे जीवन का
बुधवार 13 मई, 2026

जरूरी है बीपी पर लगाम

लगभग हर चौथा भारतीय हाइपरटेंशन की मुसीबत में घिर चुका है। तनाव भरी दिनचर्या, अस्वस्थ खानपान और शहरी जीवनशैली ब्लडप्रेशर को नियंत्रित रखने की चुनौती को लगातार बढ़ा रही है। ऐसे में हाइपरटेंशन से बचाव के क्या हैं उपाय और स्वस्थ आदतों का कैसे करें विकास, बता रहे हैं

ब्रह्मानंद मिश्र

हाइपरटेंशन दिवस (17 मई)

अगर खानपान को लेकर आप सचेत नहीं हैं और आपको इस बात से भी फर्क नहीं पड़ता कि भोजन में कितना नमक या चीनी है या फिर वह कितना तला-भुना है, तो आप बीमारी की वेटिंग लिस्ट का हिस्सा बन चुके हैं। कहीं दिनभर बैठे रहने, शरीर को हर समय आराम में रखने की आदत भी बना चुके हैं, तो तय मानिये बिना किसी चेतावनी के बीमारी कभी भी दस्तक दे सकती है। दरअसल, वजन बढ़ने, खराब दिनचर्या, तंबाकू, अल्कोहल जैसी आदतें चुपके से पहले ब्लडप्रेशर की रेंज को बढ़ा देती हैं और फिर हार्टअटैक, स्ट्रोक, पैरालिसिस जैसी बीमारियां घेरने के लिए तैयार खड़ी हो जाती हैं। ब्लडप्रेशर जब अपनी तय सीमारेखा (120/80) को पार करके लगातार ऊपर की रेंज में बना रहता है, तो उसे हाइपरटेंशन कहते हैं। दुनियाभर के 1.4 अरब वयस्क इस समस्या की गिरफ्त में आ चुके हैं और यही लोग हार्टअटैक और स्ट्रोक के संभावित शिकार भी हैं। आज बड़ी संख्या में मौतों के पीछे हाइपरटेंशन, डायबिटीज जैसी गैर संचारी बीमारियां सबसे बड़ा कारण बन रही हैं, जिसे आप आहार-व्यवहार में सामान्य परिवर्तन से भी रोक सकते हैं।

चुपके से घेरता है हाइपरटेंशन

ज्यादातर लोगों में हाइपरटेंशन का कोई स्पष्ट लक्षण महसूस ही नहीं होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का अनुमान है कि हाइपरटेंशन वाले 46 प्रतिशत वयस्कों को इसके बारे में लंबे समय तक पता ही नहीं चलता, जिससे वे शरीर में पनप रही बीमारी से बेखबर बने रहते हैं। हालांकि, उच्च रक्तचाप अधिक होने की स्थिति में सिरदर्द होने, धुंधला दिखने, सीने में दर्द जैसी समस्याएं होती हैं। ब्लडप्रेशर तय सीमा को पार न करे या नई बीमारियों का कारण न बने, इसके लिए सबसे जरूरी है कि सेहत की नियमित अंतराल पर जांच कराई जाए। अगर हाइपरटेंशन का समय रहते उपचार नहीं किया जाता, तो आगे चलकर किडनी, हार्ट जैसे अनेक अंगों के लिए यह मुसीबत बन सकता है। सर गंगाराम अस्पताल, नई दिल्ली के कार्डियोलाजिस्ट डा. अरुण मोहंती के अनुसार, हाइपरटेंशन की समस्या अब युवाओं को भी तेजी से गिरफ्त में ले रही है। इसलिए, कम उम्र में ही बीपी को लेकर सतर्कता बढ़ाने की जरूरत है।

व्यवस्थित करनी होगी जीवनशैली

पहले ग्रामीण इलाकों में यह समस्या बहुत कम देखने में आती थी, लेकिन अब शहरी और ग्रामीण दोनों ही आबादी इसकी चपेट आ रही है। इसका प्रमुख कारण है अव्यवस्थित होती जीवनशैली।

भारत समेत लगभग सभी दक्षिण एशियाई देशों में शिथिल जीवनशैली, मोटापा खासकर पेट के आसपास जमा फैट, तंबाकू, धूमपान, कार्बोहाइड्रेट की अधिकता वाला भोजन, स्लीप एप्निया जैसे कारण ऐसे रोगों का जोखिम बढ़ा रहे हैं। आमतौर पर, खर्राटे लेने की बीमारी को नजरअंदाज कर दिया जाता है, जबकि यह सेहत के लिए खराब होने का शुरुआती संकेत हो सकता है। डा. मोहंती की मानें तो किसी एथलीट या शारीरिक तौर पर सक्रिय रहने वाले व्यक्ति में खर्राटे की समस्या अक्सर देखने में नहीं आती। जो लोग चलते-फिरते या व्यायाम नहीं करते हैं या जिन्हें मोटापा, डायबिटीज जैसी समस्या है, उन्हें स्लीप एप्निया होने की आशंका अधिक रहती है। हाइपरटेंशन होने के पीछे भी यह एक बड़ा कारण होता है।

• फ्रीपिक

जोखिम को कम करने के उपाय

तनाव को कम करने और उसे नियंत्रित रखने का प्रयास करना चाहिए।
- नियमित रूप से ब्लड प्रेशर की जांच कराते रहना चाहिए।
- हाइ ब्लडप्रेशर का सही इलाज कराएं।
- प्रदूषित हवा के संपर्क में आने से बचें।

सामान्य से अधिक बीपी

रेंज मिमी. (मर्करी मिलीमीटर) में है।

हाइ ब्लड प्रेशर		
	140+ / 90+	स्टेज-2 हाइपरटेंशन
	130-139 / 80-89	स्टेज-1 हाइपरटेंशन
	120-129 / <80	बढ़ा हुआ बीपी

बीपी सही रखने के लिए सुधारें जीवनशैली

डा.अरुण मोहंती
सीनियर कंसल्टेंट कार्डियोलाजी, सर गंगाराम अस्पताल, नई दिल्ली

एक गलत धारणा है कि नमक खाने से हाइपरटेंशन होता है, जबकि सामान्य रूप से सेवन गलत नहीं है। अधिक मात्रा से ही समस्या होती है। हाइपरटेंशन समेत अधिकांश क्रोनिक बीमारियां किसी आर्गन की क्षमता प्रभावित होने के कारण उभरती हैं। ये साइलेंट बनी रहती हैं और एक अंग से दूसरे अंग को खराब कर रही होती हैं, इसलिए स्वास्थ्य की जांच बहुत महत्वपूर्ण है। पहले बीपी के 150 से 160 पर होने पर इसे हाइपरटेंशन की श्रेणी में रखा जाता था। वह कटआफ अब 130 पर आ गया है। हाइपरटेंशन से बचाव के लिए जीवनशैली में बदलाव जरूरी है। फिजिकल एक्टिविटी को बढ़ाना चाहिए, लो कार्बोहाइड्रेट भोजन लेना चाहिए। दो-तीन महीने में बीपी की निगरानी करनी चाहिए। अगर जीवनशैली में सुधार करने या वजन घटाने के बावजूद बीपी की समस्या (130-80 से ऊपर रहती है) बनी हुई है तो मेडिकल थेरेपी की जरूरत पड़ती है। आजकल बहुत सारी दवाइयां आ गई हैं जो बीपी में काफी प्रभावी हैं। इससे भविष्य में हार्टअटैक, स्ट्रोक, किडनी डैमेज होने या पैरालिसिस की आशंका कम हो जाती है।

जीवनशैली में करें सुधार

- स्वस्थ और कम नमक वाले भोजन को प्राथमिकता दें।
- वजन को नियंत्रण में रखने का प्रयास करें।
- दिनभर शारीरिक रूप से सक्रिय रहें।
- अधिक बीपी होने पर निर्धारित दवाएं लेते रहें।
- अगर ब्लडप्रेशर में लगातार उतार चढ़ाव हो रहा है तो डाक्टर को इसके बारे में बताएं।

क्या है बचाव का सही तरीका

क्या करें
- भोजन में मौसमी फलों और सब्जियों की मात्रा बढ़ाएं।
- कम बैठें, शारीरिक रूप से कुछ करते रहें। जैसे- चलना, दौड़ना, तैरना, वजन उठाना जैसे ताकत बढ़ाने वाले व्यायाम करें।
- सप्ताह में कम से कम 150 मिनट तक मध्यम से तीव्रता वाली एरोबिक गतिविधि करें या 75 मिनट तक तेज एरोबिक गतिविधि करें।
- सप्ताह में कम से कम दो दिन या उससे अधिक स्ट्रेंथ ट्रेनिंग और तीव्रता वाले व्यायाम करें।
- अगर वजन अधिक है, तो प्रतिदिन की सक्रियता के साथ वजन कम करने की शुरुआत करें।
- डाक्टर द्वारा बताई गई दवाओं का नियमित रूप से सेवन करें। जरूरत होने पर डाक्टर से मिलें।

क्या न करें
- बहुत अधिक नमक वाला भोजन।
- सैचुरेटेड या ट्रांस फैट वाले खाद्य पदार्थ का सेवन।
- दवा लेने में लापरवाही।
- धूमपान या तंबाकू और अल्कोहल का सेवन।

हाइपरटेंशन/ हाइ ब्लडप्रेशर

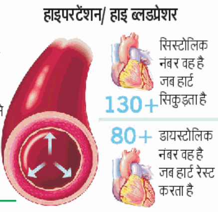

धमनी की दीवाल पर रक्त का दबाव फोटो: क्लीवलैंड

सेहत की जांच है जरूरी

किसी भी बीमारी से बचाव के लिए स्क्रीनिंग बहुत आवश्यक है। एम्स द्वारा कुछ वर्ष पहले एक स्कूल सर्वे हुआ था, जिसमें पाया गया था 30 प्रतिशत स्कूली बच्चों में मोटापे और हाइपरटेंशन की समस्या लगातार बढ़ रही है। इन समस्याओं से बचने के लिए खानपान और दिनचर्या में सुधार की तत्काल आवश्यकता है। हाइपरटेंशन दो तरह का होता है। प्राइमरी हाइपरटेंशन, जिसका कारण नहीं पता होता है। सेकंडरी हाइपरटेंशन, जो किडनी, आर्टरी, वैस्कुलाइटिस आदि बीमारियों के कारण होता है। फिलहाल, मुख्य रूप से यह प्राइमरी हाइपरटेंशन से बचाव पर फोकस बढ़ाने की जरूरत है। अगर पहली बार में बीपी की माप सामान्य से अधिक आ रही है तो उसके पीछे के कारण को जानना आवश्यक है, जैसे मोटापा या स्लीप एप्निया है, यह पता करना चाहिए। इसके बाद दिनचर्या और खानपान में सुधार से शुरुआत करनी चाहिए।

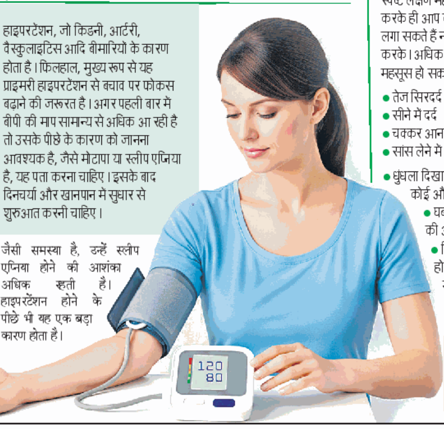

ऐसे लक्षणों पर रखें नजर

चूंकि, हाइ ब्लडप्रेशर में ज्यादातर लोगों को स्पष्ट लक्षण महसूस नहीं होते। इसे चेक करके ही आप बीपी की सही स्थिति का पता लगा सकते हैं न कि लक्षणों का इंतजार करके। अधिक ब्लडप्रेशर होने पर ये लक्षण महसूस हो सकते हैं :
- तेज सिरदर्द
- सीने में दर्द
- चक्कर आना
- सांस लेने में दिक्कत
- जी मिचलाना
- उल्टी होना
- मतिभ्रम होना
- धुंधला दिखाई देना या आंखों की रोशनी में कोई और बदलाव
- घबराहट
- कानों में भिनभिनाहट की आवाज
- नाक से खून आना
- दिल की धड़कन का अनियमित होना
- अगर कोई भी लक्षण महसूस हो रहा है, तो तुरंत डाक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

लेख विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें।

इन दिनों

गर्मी में पेट की समस्या

गर्मी के दिनों में पाचन शक्ति अन्य मौसम की तुलना में थोड़ी कमजोर हो जाती है। ऐसे में अव्यवस्थित खानपान से पेट दर्द और अपच की समस्या हो सकती है। पेट फूलने से लेकर पेट में ऐंठन, अपच और अन्य समस्याओं से कैसे करना है बचाव, आइए जानें...

गर्मी के दिनों में उच्च तापमान और शरीर में पानी की कमी अर्थात डिहाइड्रेशन के कारण पेट संबंधी समस्याएं अक्सर बढ़ जाती हैं। पानी की कमी होने पर पेट के अंदर बैड बैक्टीरिया को पनपने के लिए अनुकूल माहौल मिल जाता है। इस कारण पाचन संबंधी समस्याएं बढ़ जाती हैं। शरीर में पानी की कमी के कारण पेट में एसिड की मात्रा भी काफी बढ़ जाती है। इससे पेट और सीने में जलन होने लगती है। पानी की कमी होने पर कब्ज की समस्या भी होती है। इसके साथ ही ब्लोटिंग यानी पेट फूलने और पेट में गैस बनने की समस्या भी सामने आती है। अगर पेट में लगातार दर्द बना रहता है तो इसे अनदेखा नहीं करना चाहिए, किसी कुशल चिकित्सक से संपर्क कर इसका उपचार कराना चाहिए।

खानपान में सतर्कता है जरूरी

गर्मी के दिनों में अधिक वसा वाले भोजन का प्रयोग करना भी हानिकारक साबित हो सकता है। इससे अपच संबंधी समस्या हो सकती है। गर्मी के दिनों में बहुत से लोग आइसक्रीम और अन्य ठंडे पेय पदार्थों का यह सोचकर सेवन बढ़ा देते हैं कि ये तो ठंडे पदार्थ हैं, लेकिन ठंडे तापमान और शक्कर की अधिक मात्रा का संयोजन पेट की समस्याएं पैदा कर सकता है। जो लोग लैक्टोज या डेयरी उत्पादों के प्रति संवेदनशील हैं, उनके लिए भी ये खाद्य पदार्थ पेट में गैस, ऐंठन और दस्त का कारण बन सकते हैं।

समस्याओं से ऐसे होगा बचाव

- अगर आपको किडनी संबंधी और पेट संबंधी अन्य कोई समस्या नहीं है तो गर्मी के दिनों में दिनभर में कम से कम ढाई से तीन लीटर पानी अवश्य पिएं।
- इलेक्ट्रोलाइट्स कमी पूरी करने के लिए नींबू शिकंजी, नारियल पानी, ओआरएस का घोल लें। नारियल पानी से पेट का पीएच स्तर संतुलित रहता है।
- ठंडी तासीर वाले खाद्य पदार्थों का भरपूर सेवन करें, जैसे दही, छाछ, रायता, लस्सी। इनसे पेट की गर्मी शांत होती है और पाचनतंत्र सही रहता है।
- पेट और पाचनतंत्र को सही रखने के लिए मौसमी फलों का सेवन अवश्य करें, जैसे तरबूज, खरबूजा, खीरा, ककड़ी आदि। इससे शरीर में पानी की कमी नहीं होने पाती है।
- बाहर के खाने के बजाय घर का बना ताजा खाना खाएं।
- अधिक मात्रा में चाय, काफी, कार्बोनेटेड ड्रिंक्स का सेवन करने से बचें।

घरेलू उपाय हैं बहुत लाभकारी

वैद्य अच्युत कुमार त्रिपाठी
सदस्य एवं गुरु, राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ

गर्मी में वात, पित्त में असंतुलन हो जाने से उदर समस्याएं बढ़ जाती हैं। इनसे बचने के लिए कुछ घरेलू उपायों पर अमल करें। रात में थोड़ी सूखी धनिया, कच्चा जीरा और सौंफ को भिगो दें। सुबह इन तीनों के मिश्रण से एक चम्मच लेकर पानी में मिलाकर पिएं। इसमें ग्लूकोज भी मिला सकते हैं। कच्ची या भुनी सौंफ में थोड़ी सी मिश्री मिलाकर खाने से भी आराम मिलता है। इसी तरह छाछ के साथ सेंधा नमक, भुना पिसा जीरा मिलाकर पीने से भी राहत मिलती है। बेल का मुरब्बा और बेल का शर्बत लेने से भी काफी आराम मिलता है। हर ऋतु के फल उस मौसम की समस्याओं से राहत दिलाते हैं।

डाक्टर से मिलें, अगर...
- अगर घरेलू उपायों से पेट संबंधी समस्याओं में आराम न मिले।
- पेट में जलन लगातार बनी रहे और दर्द भी हो।
- बार-बार उल्टी या दस्त हों।
- वजन में लगातार उतार-चढ़ाव हो रहा हो।

पेट की गर्मी बढ़ने के कारण
- मसालेदार और अधिक तैलीय भोजन के सेवन से पेट में एसिड की मात्रा बढ़ जाती है।
- खानपान में अनियमितता, अधिक मात्रा, देर रात भोजन करने से पाचनतंत्र प्रभावित होता है।
- शरीर में पानी की कमी से पाचनक्रिया बाधित होती है और एसिडिटी की मात्रा भी बढ़ जाती है।
- शरीर में अधिक कैफीन पहुंचने से पेट की अंदरूनी परत में जलन होने लगती है।
- तनाव और चिंता, इनसे भी शरीर में एसिड का उत्पादन अधिक मात्रा में होने लगता है। इससे पेट की गर्मी बढ़ जाती है।
- नींद की कमी, अपर्याप्त नींद न केवल पाचनक्रिया को प्रभावित करती है, बल्कि पेट के अंदर की गर्मी को भी बढ़ा देती है।

प्रस्तुति : दिनेश दीक्षित

आज का भविष्यफल: 13 मई 2026 बुधवार

पं. के. ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति : ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष एकादशी।
आज का राहुकाल: दोपहर 12 बजे से 01 बजकर 30 मिनट तक।
आज का दिशाशूल: उत्तर
आज का पर्व एवं त्योहार: अपरा एकादशी
विशेष: पंचक।

कल 14 मई, 2026 का पंचांग

कल का दिशाशूल: दक्षिण
कल का पर्व एवं त्योहार: प्रदोष व्रत
विशेष: पंचक (रात्रि 10 बजकर 34 मिनट पर समाप्त), बुध वृष में, शुक्र मिथुन में।
विक्रम संवत 2083 शके 1948 उत्तरायण, उत्तरगोल, वसंत ऋतु ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष की द्वादशी तत्पश्चात त्रयोदशी रेवती नक्षत्र तत्पश्चात अश्वनी नक्षत्र प्रीति योग 17 घंटे 54 मिनट तक, तत्पश्चात आयुष्मान योग मीन में चंद्रमा 22 घंटे 34 मिनट तक तत्पश्चात मेष में।

मेष: मन अशांत रहेगा। व्यर्थ की परेशानी रहेगी। आर्थिक मामलों में सचेत रहें। भागदौड़ रहेगी।
वृष: शासनसत्ता का सहयोग रहेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में चल रहा प्रयास सार्थक होगा।
मिथुन: पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।
कर्क: शासनसत्ता का सहयोग रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी।
सिंह: धन, सम्मान में वृद्धि होगी। रिश्तों में निकटता आएगी। सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।
कन्या: आर्थिक प्रगति होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी।
तुला: रिश्तों में निकटता आएगी। सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होगा।
वृश्चिक: शासन का सहयोग रहेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पारिवारिक कार्य में व्यस्त रहेंगे।
धनु: पारिवारिक समस्या का सामना करना पड़ सकता है। गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी।
मकर: आर्थिक मामलों में सुधार होगा। रिश्तों में निकटता आएगी। जीविका में प्रयास फलीभूत होगा।
कुंभ: धन, सम्मान में वृद्धि होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।
मीन: बहुप्रतीक्षित कार्य के संपन्न होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा।

वर्ग पहेली- 3333

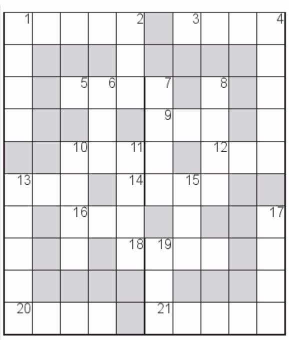

© Bird Features & Writing Agency

बाएं से दाएं:
1. महानों में महान (5)। 3. पछतावा (4)। 5. किसी देवता का मनुष्य रूप में जन्म लेना (4)। 9. द्रव (3)। 10. पंजाब की एक नदी (4)। 12. बार-बार चेताने की क्रिया (3)। 13. बात, घटना (3)। 14. अनवरत (4)। 16. माला, मोती (3)। 18. घर्षण करना (4)। 20. मनोनीत, नामांकित करना (4)। 21. नपुंसक होने का भाव (5)।

ऊपर से नीचे:
1. पृथ्वी के पांच बड़े स्थल भागों में से प्रत्येक (4)। 2. एक कहावत है- ....क्या न करता (3)। 4. आनंद की परम सीमा (5)। 6. टेढ़ा किया हुआ (3)। 7. रात भर में जगने का कार्यक्रम (4)। 8. अलकतरा (4)। 10. सकुशल (4)। 11. चुनौती (4)। 13. भूमि से सिर लगा कर प्रणाम करना (2,3)। 15. लगातार, तुरंत ....तोड़ (3)। 17. सुलह (4)। 19. जाना, प्रस्थान (3)।

कल का हल

बि	ख	र	ना		म	द	द		ग
			जा		नु				द
ग			य		ज	ल			ग
र		ह	ज	म		जी	य	दा	द
जं	हा	ज		छि	पं	ना			
			स	ली	का		ह	रि	त
फु	ल	वा	री		नी	सी	र		र
फ			खा	के		ता			फ
का				प		फ			
र		झ	ग	ड़ा		लं	ति	या	ना

सुडोकू- 3333

	2			1		8		
	9			7	2		1	
1			3		5			2
	7		5			4		1
		9		4	6		8	
3		4		8				9
	3		1				7	
		1		2			3	4
5				3	7	1		

कल का हल

9	4	3	1	6	8	2	5	7
6	1	5	9	7	2	4	3	8
7	2	8	5	4	3	9	6	1
8	6	7	2	1	9	3	4	5
3	9	4	8	5	7	6	1	2
1	5	2	4	3	6	7	8	9
2	3	9	6	8	1	5	7	4
4	7	1	3	9	5	8	2	6
5	8	6	7	2	4	1	9	3

राष्ट्रीय फलक

'सनातन अनंत-अनादि, कभी खत्म नहीं होगा'

- सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले की द्रमुक नेता उदयनिधि के बयान पर प्रतिक्रिया
- कहा, पाकिस्तान से वार्ता के लिए खिड़की खोलनी चाहिए, सिविल सोसायटी करे अगुआई

नई दिल्ली, प्रेट्र : सनातन अनादि-अनंत है। यह बरगद के वृक्ष के समान है। द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन के बोलने या कुछ करने से यह खत्म नहीं होगा। यह बात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने तमिलनाडु विधानसभा में विपक्ष के नेता उदयनिधि के बयान पर कही है। उदयनिधि ने इस भाषण में सनातन धर्म को उखाड़ फेंकने की बात कही थी। इससे पहले भी उदयनिधि सनातन को लेकर नकारात्मक विचार रख चुके हैं। वहीं, विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने मंगलवार को द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन से सनातन धर्म पर उनकी टिप्पणी के लिए बिना शर्त माफी की मांग की और तमिलनाडु विधानसभा अध्यक्ष से उन्हें सदन से निष्कासित करने का अनुरोध किया। विहिप ने उदयनिधि के बयान को सदन की कार्यवाही से हटाने का आग्रह भी किया।

होसबाले ने कहा, सनातन इस देश की आत्मा है। यह कोई धार्मिक क्रिया नहीं है। यह एक मूल्य है जिसका नजरिया वैश्विक है और यह विश्व को एक परिवार मानता है। उदयनिधि की नकारात्मक सोच है जिसका जवाब लोगों ने चुनाव में दे दिया है। भले ही कोई कुछ भी कहे लेकिन सनातन खत्म होने वाला नहीं है। सनातन अनंत-अनादि है, यह अविनाशी है। यह एक बरगद के वृक्ष की तरह है जो 100 या 200 वर्ष खड़ा रहता है, उसकी जड़ें फैलती रहती हैं और प्रत्येक मौसम में उसमें नई पत्तियां निकलती रहती हैं। इसलिए पेड़ हमेशा ताजगी लिए रहता है। इसी तरह से सनातन है। यह नित्य नूतन और चिर पुरातन है। यह अद्भुत मिश्रण है। यही हमारी हजारों वर्ष पुरानी संस्कृति और सभ्यता है। हमने हमेशा बदलाव को स्वीकार किया है, उसी प्रकार से नई तकनीक और एआइ का स्वागत कर रहे हैं।

एक प्रश्न के उत्तर में होसबाले ने कहा, आमजनों के संपर्क और बातचीत से पाकिस्तान के साथ हमारे संबंधों में गतिरोध खत्म हो सकता है। साथ ही दोनों देशों के बीच बातचीत के लिए खिड़की खोली जानी चाहिए। उन्होंने कहा, पाकिस्तान के राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व ने भारत का विश्वास खो दिया है। ऐसे में संबंधों को पटरी पर लाने की जिम्मेदारी पाकिस्तान की सिविल सोसायटी को संभालनी चाहिए। आरएसएस के उप प्रमुख ने कहा, ईरान युद्ध किसी सभ्यता को खत्म करने की लड़ाई नहीं है बल्कि यह तेल के लिए छेड़ा गया युद्ध है।

नई दिल्ली आयोजित कार्यक्रम में दत्तात्रेय होसबाले। रायटर

कूनो के जंगल में चीता के चार शावकों की मौत

नईदुनिया प्रतिनिधि, श्योपुर: मध्य प्रदेश के श्योपुर स्थित कूनो नेशनल पार्क में चीता के चार शावकों के शव मंगलवार सुबह मांद (रहवास) के पास मिले हैं। दक्षिण अफ्रीका से लाई गई चीता गामिनी से जन्मी चीता (केजीपी-12) ने 11 अप्रैल को खुले जंगल में इन शावकों को जन्म दिया था। कूनो प्रबंधन के अनुसार, सोमवार शाम किसी हिंसक जानवर के हमले में इन शावकों की मौत होने की आशंका है। इस जंगल में तेंदुआ, भालू, लकड़बग्घा सहित कई जंगली जानवर हैं। राजस्थान के रणथंभौर अभयारण्य का बाघ भी यहां विचरण करता देखा गया है। अब मध्य प्रदेश में शावकों सहित चीतों की संख्या 53 रह गई है। इनमें से कूनो नेशनल पार्क में 50 चीते और मंदसौर के गांधीसागर राष्ट्रीय अभयारण्य में तीन चीते मौजूद हैं। इनमें भारत की धरती पर जन्मे 33 शावक शामिल हैं। मंगलवार की सुबह कूनो की टीम को गश्त के दौरान चारों शावक मृत अवस्था में मिले। मादा चीता केजीपी-12 स्वस्थ बताई जा रही है।

भोजशाला का धार्मिक स्वरूप तय करने पर सुनवाई पूरी, अब निर्णय का इंतजार

- मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में छह अप्रैल से चल रही थी नियमित सुनवाई, सभी पक्षों की दलीलें पूरी
- एएसआइ ने मस्जिद पक्ष की आपत्तियों को बताया निराधार, कहा- वैज्ञानिक तरीके से हुआ सर्वे

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर

धार जिले में स्थित ऐतिहासिक भोजशाला का धार्मिक स्वरूप निर्धारित करने के लिए मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ में चल रही चार याचिकाओं और एक अपील पर मंगलवार को सुनवाई पूरी हो गई। न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला और न्यायमूर्ति आलोक अवस्थी की युगल पीठ ने सभी पक्षों को सुनने के बाद निर्णय सुरक्षित रख लिया है। मंगलवार को सुनवाई के अंतिम मस्जिद पक्ष और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) ने अपने-अपने तर्क पूरे किए। एएसआइ की ओर से अधिवक्ता सुनील जैन ने सर्वे को लेकर मस्जिद पक्ष की आपत्तियों को निराधार बताया। उन्होंने कहा कि सर्वे में अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग किया गया। सर्वे पूरी तरह से हाई कोर्ट के दिशा-निर्देश का पालन करते हुए किया गया।

उल्लेखनीय है कि भोजशाला मामले में हाई कोर्ट ने छह अप्रैल 2026 से नियमित सुनवाई शुरू की थी। प्रत्येक कार्य दिवस पर दोपहर ढाई से साढ़े चार बजे तक नियमित सुनवाई की जा रही थी। मंगलवार को मस्जिद पक्ष की ओर से अधिवक्ता अशहर वारसी ने तर्क रखना शुरू किए। उन्होंने वर्ष 1925 की एक पुस्तक का हवाला देते हुए कहा कि प्राकृतिक आपदा की वजह से धार तहस-नहस हो गया था। भूकंप ने यहां के भवनों को ध्वस्त कर दिया था।

मस्जिद पक्ष की आपत्तियां और एएसआइ के जवाब-

आपत्ति : सर्वे में मिली मूर्तियों की कार्बन डेटिंग नहीं कराई गई। ऐसे में उन्हें परमार कालीन कैसे बताया जा रहा है?

जवाब : कार्बन डेटिंग से केवल पत्थर की उम्र का अनुमान लगाया जा सकता है। पत्थर को तराशकर मूर्ति कब बनाई गई, इसकी जानकारी कार्बन डेटिंग से नहीं मिलती। इसके लिए वैज्ञानिक अध्ययन किया जाता है, जो एएसआइ ने किया है।

आपत्ति : परिसर में वजूखाना है और वहां पानी निकासी भी है।

जवाब : फोटोग्राफ से स्पष्ट है कि जिसे वजूखाना बताया जा रहा है, उसकी संरचना ऊपर और नीचे अलग-अलग प्रकार की है। अन्य मस्जिदों के वजूखानों के फोटोग्राफ से तुलना करने पर भोजशाला की संरचना वजूखाना नहीं लगती।

चीन में हजारों छात्रों ने शुरू की ऐतिहासिक भूख हड़ताल

1989 में आज चीन के थ्येन आनमन चौक पर हजारों छात्रों ने ऐतिहासिक भूख हड़ताल शुरू की थी। छात्र राजनीतिक सुधार, प्रेस की स्वतंत्रता व सरकारी भ्रष्टाचार को खत्म करने की मांग कर रहे थे। विरोध को कुचलने के लिए तीन जून को सेना ने सैकड़ों छात्रों की हत्या कर दी थी।

दुनिया का पहले चार इंजन वाले विमान ने भरी उड़ान

1913 में आज ही के दिन रूस के सेंट पीटर्सबर्ग से दुनिया के पहले चार इंजन वाले विमान रुस्की विट्याज (एस-21) ने उड़ान भरी थी। इसे इंजीनियर इगोर सिकोरस्की ने डिजाइन किया था। इसने भविष्य के भारी विमानों और आधुनिक एयरलाइनरों का मार्ग प्रशस्त किया।

भारत में रहते हुए रोनाल्ड ने की थी मलेरिया पर अपनी ऐतिहासिक खोज

सर रोनाल्ड रास का जन्म 1857 में आज ही वर्तमान उत्तराखंड के अल्मोड़ा में हुआ था। इंग्लैंड में चिकित्सा शिक्षा पूरी करने के बाद 1881 में वापस भारत आए और भारतीय चिकित्सा सेवा में शामिल हुए। यहां उन्होंने मलेरिया पर शोध कार्य शुरू किया। 20 अगस्त, 1897 को सिकंदराबाद में मादा एनोफिलीज मच्छर के पेट में मलेरिया की खोज कर यह सिद्ध किया कि मलेरिया मच्छरों के काटने से फैलता है। इसके लिए उन्हें 1902 में नोबेल मिला। बाद में उन्होंने मलेरिया के पूरे जीवन चक्र को साबित किया। 1895-1896 के दौरान बेंगलुरु में हैजा महामारी को रोकने में भी अहम भूमिका निभाई।

सस्ती दवा डिगाक्सिन से कम होता है हार्ट फेल्यर खतरा

एम्स सहित 12 संस्थानों का अनुसंधान, कम लागत वाली यह दवा आसानी से उपलब्ध और अपेक्षाकृत सुरक्षित है

डिगाक्सिन लेने वाले मरीजों में मृत्यु या हार्ट फेल्यर बिगड़ने की स्थिति में लगभग 18 प्रतिशत कमी आई

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

रूमेटिक हार्ट डिजीज में सस्ती दवा 'डिगाक्सिन' से हार्ट फेल्यर का खतरा घटने का दावा किया गया। यह दावा दिल्ली एम्स के नेतृत्व में देश के 12 बड़े चिकित्सा संस्थानों के संयुक्त अनुसंधान में किया गया है।

डिगाक्सिन हार्ट फेल्यर के बिगड़ने के खतरे को कम कर सकती है। यह मरीजों में मृत्यु या नए अथवा बिगड़ते हार्ट फेल्यर के संयुक्त जोखिम को घटाने में प्रभावी है। यह बीमारी हृदय के वाल्वों को नुकसान पहुंचाती है और युवाओं में हार्ट फेल्यर का बड़ा कारण मानी जाती है। प्रतिष्ठित मेडिकल जर्नल 'जामा' में प्रकाशित इस अनुसंधान के अनुसार कम लागत वाली यह दवा आसानी से उपलब्ध और अपेक्षाकृत सुरक्षित है। यह सीमित संसाधनों वाले देशों में मरीजों के लिए उपयोगी विकल्प बन सकती है। बता दें कि डिगाक्सिन 0.25 एमजी की एक गोली 70 पैसे से 1.5 रुपये तक में मिलती है, जबकि कुछ ब्रांडेड कंपनियों की एक गोली 5 से 15 रुपये तक में आती है। दूसरी तरफ इसके मुकाबले हार्ट फेल्यर में इस्तेमाल होने वाली अन्य दवाओं की कीमत 40 से 100 रुपये या उससे अधिक होती है।

यह अनुसंधान दिल्ली एम्स के नेतृत्व में फरवरी 2022 से अगस्त 2024 के बीच किया गया। इसमें रूमेटिक हार्ट डिजीज से पीड़ित 1769 मरीजों को शामिल किया गया। अध्ययन का नेतृत्व कर रहे एम्स कार्डियोलाजी विभाग के प्रो. डा. गणेशन कार्तिकेयन और उनकी टीम ने किया। डा. गणेशन कार्तिकेयन ने बताया कि इंडियन काउंसिल आफ मेडिकल रिसर्च (आइसीएमआर) का वित्तीय सहयोग प्राप्त इस अनुसंधान में मरीजों को दो समूहों में बांटा गया। एक समूह को प्रतिदिन 0.125 से 0.25 मिलीग्राम डिगाक्सिन दी गई, जबकि दूसरे समूह को प्लेसिबो यानी सामान्य दवा जैसा पदार्थ दिया गया। दोनों समूहों का औसतन 2.1 वर्ष तक फालोअप किया गया। दवा के दुष्प्रभाव भी बहुत कम पाए गए। केवल 1.1 प्रतिशत मरीजों में ही संभावित दुष्प्रभाव के कारण दवा बंद करनी पड़ी। डा. गणेशन कार्तिकेयन ने बताया कि अनुसंधान में पाया गया कि डिगाक्सिन लेने वाले मरीजों में मृत्यु या हार्ट फेल्यर बिगड़ने की स्थिति में 18 प्रतिशत कमी आई।

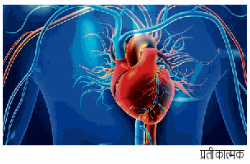

प्रतीकात्मक

क्या है रूमेटिक हार्ट डिजीज

रूमेटिक यानी शरीर में सूजन और प्रतिरक्षा प्रणाली की असामान्य स्थिति से संबंधित है। रूमेटिक फीवर गले के संक्रमण के बाद होने वाली बीमारी है, जिसमें शरीर हृदय, जोड़ों और अन्य अंगों पर गंभीर असर होने लगता है। इससे हृदय के वाल्वों को स्थायी नुकसान होता, हार्ट फेल्यर भी हो सकता है। यही 'रूमेटिक हार्ट डिजीज' है। विश्व में चार करोड़ से अधिक लोग इस बीमारी से प्रभावित हैं और हर वर्ष 3.2 लाख मौत इस कारण होती। भारत में इसके करीब 40 लाख मरीज हैं। दिल्ली के एम्स, सफदरजंग और जीबी पंत जैसे बड़े सरकारी अस्पतालों में हर वर्ष 20 हजार से अधिक इसके मरीज जांच, उपचार, वाल्व प्रक्रिया और फालोअप के लिए पहुंचते हैं।

कान फिल्म फेस्टिवल में आलिया भट्ट

फ्रांस में 79वें कान फिल्म फेस्टिवल के उद्घाटन समारोह और 'ला वीनस इलेक्ट्रिक' (द इलेक्ट्रिक किस) फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान रेड कार्पेट पर पोज देतीं आलिया भट्ट। यह फेस्टिवल 23 मई तक फ्रांस के फ्रेंच रिवेरा में चलने वाला है। इस साल भारत से ऐश्वर्या राय, मौनी राय, अदिति राव हैदरी और एहसास चन्ना कान के रेड कार्पेट में पहुंचेंगी। तारा सुतारिया भी कान रेड कार्पेट पर डेब्यू करने वाली हैं। रायटर

इधर-उधर

यहां गिरे हुए आम उठाने पर देने पड़ेंगे 3.5 लाख रुपये

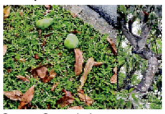

बिना अनुमति फल तोड़ने या इकट्ठा करने पर है पाबंदी। इंटरनेट मीडिया

सिंगापुर, एजेंसी: हमने ने बागीचे या रास्ते में लगे पेड़ों से गिरे आम जरूर उठाए होंगे लेकिन क्या आपको पता है कि अगर आपने ऐसी हरकत सिंगापुर में की तो 3.5 लाख रुपये तक देने पड़ सकते हैं। सिंगापुर में रहने वाली भारतीय महिला प्रियंका सिन्हा ने एक्स पर पोस्ट कर चेतावनी दी है। प्रियंका ने बताया कि सार्वजनिक पेड़ से गिरा आम उठाने पर 5,000 डालर (लगभग 3.5 लाख रुपये) का जुर्माना हो सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक स्थानों पर लगे फलदार पेड़ सरकारी संपत्ति माने जाते हैं और बिना अनुमति फल तोड़ने या इकट्ठा करने की अनुमति नहीं होती।

खिड़कियों से टकराने के कारण पक्षियों की सबसे ज्यादा मौत

नई दिल्ली, प्रेट्र : शहरीकरण और अवसंरचना विकास के दौरान कांच की इमारतों के बढ़ते इस्तेमाल के कारण भारत और दुनिया भर में पक्षियों और खिड़कियों के बीच टकराव की संख्या बढ़ रही है, हालांकि इस मुद्दे पर डेटा और शोध की कमी है। खिड़कियों से टकराना पक्षियों की मौत के सबसे बड़े मानव निर्मित कारणों में से एक है। मंगलवार को संरक्षणवादियों, पारिस्थितिकीविदों और वास्तुकारों के एक समूह ने यह जानकारी दी।

राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन : हमारा देश जो अद्वितीय पक्षी विविधता का धनी है और प्रमुख वैश्विक प्रवासी उड़ान मार्गों के चौराहे पर स्थित है पहले से ही पक्षियों की जनसंख्या में कमी का सामना कर रहा है। पक्षियों और खिड़कियों के बीच टकराव इस स्थिति को और बिगाड़ सकता है। इस मुद्दे पर भारत में पक्षियों और खिड़कियों के बीच टकराव पर पहले राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन विधि केंद्र, भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (आइआइएसईआर) तिरुपति, नेचर कंजर्वेशन फाउंडेशन, फेदर लाइब्रेरी और रेनमैटर फाउंडेशन द्वारा किया गया।

- **अमेरिका में अनुमान है कि हर साल एक अरब से अधिक पक्षियों की कांच से टकराने से होती है मौत**
- **दिन में पक्षी कांच को बाधा के रूप में नहीं देख पाते, रात में तेज रोशनी उन्हें भ्रमित कर सकती है**

प्रतीकात्मक

भारत में कोई आकलन नहीं

ये टकराव इसलिए होते हैं क्योंकि पक्षी कांच को एक बाधा के रूप में नहीं देख पाते। दिन के समय पक्षी पेड़ों या आसमान के प्रतिबिंब को देख सकते हैं और कांच से टकरा जाते हैं, जबकि रात में तेज रोशनी उन्हें भ्रमित कर सकती है। इस कारण उनकी मौत भी हो जाती है। अमेरिका में अनुमान है कि हर साल एक अरब से अधिक पक्षी ऐसे टकरावों में मरते हैं, लेकिन भारत में वर्तमान में ऐसा कोई राष्ट्रीय आकलन नहीं है।

सैकड़ों पक्षियों और खिड़कियों के बीच टकराव का रिकार्ड

2025 में प्रकाशित एक अध्ययन में आर्निस हंगारिका पत्रिका में प्रकाशित हुआ। इसने नीलगिरी बायोस्फीयर रिजर्व में एक ही वर्ष में 35 पक्षी और कांच टकराव का दस्तावेजीकरण किया। विश्लेषण से पता चला कि ये दुर्घटनाएं दो स्थानों पर दो मंजिला इमारतों में 22 प्रजातियों से संबंधित थीं। एक बयान में, वास्तुकार और पेशेवर संरक्षक पीयूष सेक्सरिया ने कहा कि वर्षों में उन्होंने भारत भर में सैकड़ों पक्षियों और खिड़कियों के बीच टकराव का रिकार्ड किया है। इन दुर्घटनाओं में लगभग 110 पक्षी प्रजातियां शामिल थीं और उनमें से 49 प्रवासी पक्षी थे।

कांच पारदर्शी होने के कारण पक्षियों को दिखाई नहीं देता

आइआइएसइआर में जीव विज्ञान के सहायक प्रोफेसर डा. वी वी राबिन ने एक बयान में कहा, अधिकांश टकराव की घटनाओं में यह देखा गया है कि ये तब होती हैं जब प्रवासी पक्षी आराम करने और ईंधन भरने के लिए नीचे आते हैं। कांच पारदर्शी होने के कारण पक्षियों को दिखाई नहीं देता या कांच में पेड़-पौधों व आसमान का प्रतिबिंब उन्हें आगे का रास्ता समझ में आता है, जिससे वे तेज गति से उससे टकरा जाते हैं। पक्षियों के खिड़की से टकराने से गंभीर चोटें और यहां तक कि मौत भी हो सकती है। यह पक्षियों में सिर की चोट, मस्तिष्क में रक्तस्राव, फ्रैक्चर और आंतरिक रक्तस्राव का कारण बन सकता है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि खिड़की के बाहर फिल्म, पेंट, स्क्रीन, तार और अन्य सामग्रियों को जोड़ने से ऐसे टकरावों को रोका जा सकता है। हालांकि, भारत में, इस तरह के समाधानों की मांग नहीं है। इसके दो कारण हैं: एक, इस मुद्दे के बारे में जागरूकता की कमी है और दूसरा, ये सामग्री अक्सर काफी महंगी होती हैं। इसका एक समाधान यह है कि सरकार हस्तक्षेप करे, पक्षी-अनुकूल भवन मानकों और कोडों को लागू करे और उपरोक्त सामग्रियों पर सब्सिडी प्रदान करे। इसके अलावा खिड़कियों पर स्टिकर, टेप या जाली का उपयोग करें, ताकि पक्षी कांच को बाधा के रूप में देख सकें। रात के समय ऊंची इमारतों की लाइटें बंद रखें क्योंकि वे प्रवासी पक्षियों को भ्रमित करती हैं।

हार्ट अटैक से लेकर मौत तक का खतरा बढ़ा रहा अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड

अनुसंधान

चिप्स, इंस्टेंट नूडल्स, स्नैक्स, कोल्ड ड्रिंक्स व हेल्दी बताकर बेचे जाने वाले कई प्रोसेस्ड फूड लोगों की सेहत पर भारी पड़ते दिख रहे हैं। यूरोप की मेडिकल रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड यानी यूपीएफ का ज्यादा सेवन दिल की बीमारियों, मोटापे, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर व समय से पहले मौत का खतरा बढ़ा सकता है।

यूरोपियन हार्ट जर्नल में प्रकाशित इस रिपोर्ट में वैज्ञानिकों ने अब तक हुई तमाम रिसर्च का विश्लेषण किया। रिपोर्ट के मुताबिक, जो लोग सबसे ज्यादा अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड खाते हैं, उनमें हृदय रोग का खतरा 19 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। वहीं दिल की धड़कन अनियमित होने यानी एट्रियल फिब्रिलेशन का खतरा 13 प्रतिशत और हृदय संबंधी कारणों से मौत का खतरा 65 प्रतिशत तक ज्यादा पाया गया। विशेषज्ञों का कहना है कि इन खाद्य पदार्थों में जरूरत से ज्यादा चीनी, नमक, अस्वस्थ वसा और केमिकल एडिटिव्स होते हैं। यही नहीं, इनका प्रोसेसिंग तरीका शरीर के मेटाबालिज्म को बिगाड़ता है, सूजन बढ़ाता है और बार-बार भूख लगने जैसी समस्या पैदा करता है। यही कारण है कि लोग जरूरत से ज्यादा खाना खाने लगते हैं और मोटापा तेजी से बढ़ता है। रिपोर्ट में आया कि यूरोप के कई देशों में लोग कुल कैलोरी का आधे से ज्यादा हिस्सा इसी तरह के पैकेट फूड से ले रहे हैं। वैज्ञानिकों ने डाक्टरों से अपील की है कि वे मरीजों से खानपान पर बात करते समय अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड के सेवन के बारे में भी जरूर पूछें। (एएनआइ)

स्क्रीन शाट

मलयालम से अलग होगी हिंदी दृश्यम 3

दृश्यम 3 में एक बार फिर विजय की भूमिका में दिखेंगे अजय। फाइल

2015 में प्रदर्शित अजय देवगन अभिनीत फिल्म दृश्यम लोगों को खूब पसंद आई थी। यह साल 2013 में प्रदर्शित मोहनलाल अभिनीत इसी नाम की मलयालम फिल्म की हिंदी रीमेक थी। फिर साल 2022 में प्रदर्शित हुई दृश्यम 2 भी इसी नाम की मलयालम फिल्म की हिंदी रीमेक थी, जो कि उससे एक साल पहले साल 2021 में प्रदर्शित हुई थी। हिंदी के साथ-साथ इस फिल्म को तेलुगु में भी रीमेक किया गया। योजना थी कि इस फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म दृश्यम 3 को मलयालम, हिंदी और तेलुगु तीनों भाषाओं में एक साथ प्रदर्शित किया जाएगा। हालांकि, फिर निर्माताओं के बीच बात न बन सकी। हाल ही में मलयालम दृश्यम 3 का ट्रेलर जारी हुआ, यह फिल्म 21 मई को प्रदर्शित होगी। अब हिंदी में बन रही दृश्यम 3 के निर्माता कुमार मंगत पाठक ने बताया है कि उनकी फिल्म मलयालम फिल्म से अलग होगी। एक इंटरव्यू में बताया, 'फिल्म की शूटिंग हो गई है। हम अभी कुछ बचे पैचवर्क पर काम कर रहे हैं और इसे दो अक्टूबर को प्रदर्शित करेंगे। लोग अभी मलयालम फिल्म दृश्यम 3 में जो देख रहे हैं, वह अलग है। हिंदी दर्शकों के लिए एक बिल्कुल अलग ट्रैक बनाया है, जो यहां (हिंदी पट्टी में) बहुत अच्छा लगेगा। मलयालम वर्जन पारिवारिक ड्रामा पर ज्यादा फोकस करता है, जबकि हिंदी वर्जन पारिवारिक रोमांच की तरफ ज्यादा झुका होगा।

पता नहीं था फिल्म कान में जाएगी

@ranjana.aanjjan

फिल्म चांद तारा से हिंदी सिनेमा में पदार्पण कर रही अभिनेत्री रंजना अंजन श्रीवास्तव की खुशी फिलहाल सातवें आसमान पर है क्योंकि तेलंगाना पर्यटन के सहयोग से बनी उनकी पहली फिल्म का ट्रेलर 18 मई को कान फिल्म फेस्टिवल में जारी किया जाएगा। वह बताती हैं, 'जब हमारी फिल्म बन रही थी, तब पता नहीं था कि यह कान फिल्म फेस्टिवल जाएगी। सब कुछ जल्दी जल्दी में हुआ। फिल्म का पोस्टर भी जल्दी-जल्दी में बनाया गया, जो कि मुझसे ही बनवाया गया है।' अपनी पहली ही फिल्म में हैदराबाद की नर्तकी तारामती की भूमिका निभाने को लेकर रंजना बताती हैं, 'नौ फरवरी को इस फिल्म की शूटिंग शुरू होनी थी और पांच फरवरी को मेरा नाम इस फिल्म के लिए फाइनल हुआ। तैयारी के लिए सिर्फ चार दिन थे, जिससे मुझे तो रोना आ रहा था क्योंकि यह बड़ा मौका था और मैं इसे खराब नहीं करना चाहती थी।' कई फिल्में फेस्टिवल पहुंचीं हैं, जिसमें पंजाबी सिनेमा की फिल्म चारदीकला, मलयालम फिल्म की बालन : द बाय की स्क्रीनिंग होनी है।

पति से अलगाव की खबरों पर मौन हुईं मौनी राय

अभिनेत्री मौनी राय और उनके पति सूरज नांबियार इन दिनों अपने निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। दोनों जनवरी 2022 में शादी के बंधन में बंधे थे। अब इंटरनेट मीडिया पर एक-दूसरे को अनफालो करने के बाद उनकी तलाक की अटकलें लगाई जा रही हैं। खबरों के मुताबिक, सूरज ने मौनी के साथ अपनी शादी की तस्वीरें भी डिलीट कर दी हैं। हालांकि, इस मामले पर दोनों की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। इंटरनेट मीडिया पर काफी सक्रिय रहने वाली मौनी पहले अक्सर अपने पति सूरज के साथ तस्वीरें शेयर करती थीं, लेकिन अब दोनों ने साथ में फोटो और वीडियो पोस्ट करना बंद कर दिया है। दुबई में रहने वाले सूरज बिजनेसमैन और इन्वेस्टमेंट बैंकर हैं, जो बेंगलुरु के एक जैन परिवार से ताल्लुक रखते हैं। वहीं, मौनी अभिनेत्री होने के साथ-साथ उद्यमी भी हैं। अभिनय की बात करें तो मौनी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' की रिलीज की तैयारी कर रही हैं।

@imouniroy

बेटे की फिल्म फ्लाप होने से परेशान हैं आमिर खान

हिंदी सिनेमा के मिस्टर परफेक्शनिस्ट अभिनेता आमिर खान अपने बेटे और अभिनेता जुनैद के अभिनय सफर की सफलता के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। जुनैद की पहली फिल्म लवयापा के दौरान उन्होंने खूब प्रमोशन किया था, तो जुनैद की दूसरी फिल्म एक दिन को प्रोड्यूस किया। हालांकि, जुनैद की दोनों ही फिल्में टिकट खिड़की पर कोई खास प्रभाव नहीं जमा पाईं। उनकी हालिया प्रदर्शित फिल्म एक दिन भी असफल रही। जुनैद की मानें तो उनकी इस फिल्म की असफलता से पिता आमिर काफी परेशान हैं। जुनैद ने कहा, 'हां, फिल्म ने अच्छा नहीं किया। हमें उम्मीद थी, लेकिन यह अच्छी नहीं चली। होता है कभी-कभी। यह फिल्म मुझे सच में पसंद आई थी। बहुत से अन्य लोगों को भी सच में पसंद आई, लेकिन ज्यादातर लोगों को यह पसंद नहीं आई।' आगे जुनैद ने आमिर को लेकर बताया कि वह अभी भी उदास है। इतने वर्षों बाद भी, यह सब देखने के बाद भी, असफलता उन्हें सच में परेशान करती है। हालांकि, वह स्वयं को व्यस्त रखते हैं और वापस जाकर यह सब फिर से करते हैं।

आमिर ने किया था बेटे जुनैद की फिल्म को प्रोड्यूस। फाइल

सलमान ने कहा था पहनो अपने हील्स : पूजा बत्रा

नायिका की लंबाई अगर नायक से ज्यादा हो, तो उनके लिए उस फिल्म में काम करना आसान नहीं होता है। ऐसे में उन सीन को ऐसे शूट किया जाता है, जिसमें नायक, नायिका से लंबा दिखे। इन दिक्कतों से अभिनेत्री नायक और विरासत फिल्मों की अभिनेत्री पूजा बत्रा भी गुजरी हैं। बस एक सलमान खान ही ऐसे थे, जिन्हें कभी स्क्रीन पर उनसे छोटा लगने में दिक्कत नहीं थी। अंतरराष्ट्रीय फिल्मों में काम कर रहीं पूजा एक इंटरव्यू में कहती हैं कि मुझे संगीता बिजलानी (अभिनेत्री) ने कहा था कि तुम्हारा फिल्मों में कोई चांस नहीं है, क्योंकि तुम लंबी हो। वह मेरी आदर्श रही हैं। वह खुद माडल रही हैं। मैं निराश हो गई थी। मैंने भी महसूस किया था कि हीरो मुझसे थोड़ा इस मामले में डर जाते थे। मुझे कई फिल्में मेरी लंबाई की वजह से नहीं मिली थी। कई अच्छे रोल इस वजह से हाथ से निकल गए थे। हीरो के साथ सीन में मुझे उनसे छोटा लगने के लिए अपने पैरों को फैलाकर खड़े होना पड़ता था। हालांकि सलमान ऐसे थे, जिन्हें कभी दिक्कत नहीं हुई थी। वह मुझे हमेशा कहते थे कि अपने हील्स पहनो, कोई दिक्कत नहीं है। उन्हें खुद पर बेहद विश्वास है।

अंतरराष्ट्रीय फिल्मों में काम कर रही हैं पूजा। फाइल

सबके साथ मेरा भी भला होना चाहिए: सारा

फिल्म में अगर एक से ज्यादा अभिनेत्रियां काम करें, वहां कई बार नोकझोंक की खबरें आ ही जाती हैं। हालांकि पति पत्नी और वो दो के सेट से ऐसी कोई खबरें नहीं आई, जबकि फिल्म में सारा अली खान के अलावा दो और अभिनेत्रियां रकुल प्रीत सिंह और वामिका गब्बी भी हैं। इसका कारण बताते हुए सारा कहती हैं, 'ऐसा तब होता है, जब कलाकार को ऐसा न लगे कि मुझे ही बेस्ट बनना है। तीनों अभिनेत्रियां सेट पर साथ ही थीं। जब सेट पर मेरा काम हो जाता था, तो मैं रकुल या वामिका के शाट्स देखने के लिए भी रुकती थी। वो दोनों इस कामेडी फिल्म में जितना मजेदार और हंसाने वाला काम करेंगी, उतना ही मेरे लिए भी अच्छा होगा, क्योंकि वह फिल्म अच्छी बनेगी। फिल्म अच्छी होगी, तो हिट होगी। ऐसा नहीं है कि सिर्फ वामिका और रकुल का अलग से भला होता रहेगा और मेरा नहीं। मैं भी इस फिल्म का उतना ही बड़ा हिस्सा हूं। सबका काम अच्छा होगा, तो मेरा भी भला होगा, मेरे करियर के लिए अच्छा होगा। हमने साथ में अच्छा काम किया है। जैसा लिखा गया है, वैसी ही फिल्म बनी है। फिल्म के निर्देशक ने तीनों के रोल भी ऐसे लिखे थे कि सबको जगह मिले। एक बार भी नहीं लगा कि किसी के लिए ज्यादा बड़ा रोल लिख दिया गया है। हम तीनों के तो कपड़े भी एक जैसे नहीं थे। हम में से किसी ने नहीं कहा कि मुझे बेहतर साड़ी दो, (हसंते हुए) क्योंकि मेरा पात्र तो साड़ी पहनता ही नहीं है।'

ऐसे बीतता है रिलीज का दिन

पति पत्नी और वो दो फिल्म 15 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। रिलीज वाले दिन सारा के लिए कैसा बीतता है, उसे लेकर वह आगे कहती हैं, 'मैं भी नर्वस होती हूं, लेकिन कहीं न कहीं मन में यह शांति होती है कि काम हो गया है, प्रमोशन हो गए हैं। जो कर सकते थे कर लिया है, अब सब दर्शकों के हाथ है। क्या रिजल्ट आएगा, उसका डर होता है। वह डर नहीं होता है, जो सेट पर होता है कि क्या करना है, क्योंकि रिलीज वाले दिन तक तो जो करना होता है, वो कर चुके होते हैं। फिर बस प्रार्थनाएं और उम्मीद होती हैं।'

बस यही है सपना

सारा ने सिंबा, जरा हट के जरा बच के, मेट्रो...इन दिनों जैसी कमर्शियल फिल्मों के साथ कंटेंट प्रधान फिल्में अतरंगी रे, ए वतन मेरे वतन जैसी फिल्में भी की हैं। सार्थक रोल के साथ कमर्शियल फिल्मों की अहमियत को लेकर आगे सारा कहती हैं, 'बतौर कलाकार मैं ऐसे नहीं सोचती हूं। मेरा बस यही सपना रहा है कि मैं अलग-अलग रोल करूं, कुछ नया सीखूं और जो कर रही हूं, वह पिछली फिल्म से बेहतर हो। मेरे पास एक विशेषाधिकार रहा है, जिसके तहत मैं अलग-अलग निर्देशक के साथ काम कर पाई हूं। वह निर्देशक भी ऐसे रहे हैं, जो अच्छी कहानियां बताना अपना काम नहीं कर्तव्य समझते हैं। मुझे बस सीखना है।'

@saraalikhan95

मनोरंजन से जुड़ी अन्य खबरों के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

पहले गंधारी की जगह बनी गंगा, दोबारा मिला गांधारी बनने का मौका

धारावाहिक हस्तिनापुर के वीर में गांधारी की भूमिका में नजर आएंगी विवाना सिंह। फाइल

वैसे तो कहा जाता है कि एक बार जो मौका चला जाता है, वो दोबारा नहीं मिलता है। हालांकि, फिल्म जिमी और धारावाहिक महाभारत (2013) की अभिनेत्री विवाना सिंह के मामले में कुछ अलग ही दिखाई दे रहा है। विवाना सोनी सब के आगामी धारावाहिक हस्तिनापुर के वीर में गांधारी की भूमिका में नजर आएंगी। महाभारत में उन्होंने देवी गंगा की भूमिका निभाई थी। हालांकि, दिलचस्प बात यह है कि वहां भी वह गांधारी की भूमिका के लिए ही आडिशन देने गई थी। वह बताती हैं, 'महाभारत के लिए स्वास्तिक प्रोडक्शन की तरफ से मुझे गांधारी की भूमिका के लिए ही आडिशन देने के लिए बुलाया गया था। तब मेरे आडिशन पसंद भी किया गया था, मुझे उस भूमिका में लाक करने वाले थे, मुझे प्रोडक्शन से फोन आया कि चैनल चाहता है कि आप देवी गंगा की भूमिका निभाएं। जबकि मैंने गंगा की भूमिका के लिए कोई आडिशन नहीं दिया था। उस समय मेरा बहुत कोमल और ग्लैमरस लुक था, उम्र भी कम थी, इसलिए उन्होंने मुझे देवी गंगा की भूमिका निभाने के लिए कहा। मेरी इच्छा नहीं थी, लेकिन प्रोडक्शन वालों ने समझाया तो मैंने वह कर लिया।